डालटनगंज (मेदिनीनगर), शनिवार । 27 जून 2026 । वर्ष-32, अंक-251, पृष्ठ-12

शुद्ध ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष 13, संवत 2083 । डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित । रजिस्ट्रेशन नं: 61316/94

मूल्य 2 रु.

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

पेज 12

www.rastriyanaveenmail.com

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

मेदिनीनगर	गढ़वा
अधिक.	अधिक.
40.0^{0}	42.0^{0}
न्यून.	न्यून.
27.0^{0}	31.4^{0}

दृष्टिपात

कोडरमा में धर्म परिवर्तन के खेल का भंडाफोड़

- प्रार्थना सभा से दर्जनों महिलाएं हिरासत में
- फरार होने में कामयाब रहा मुख्य आरोपी

कोडरमा। कोडरमा जिले के सतगावां थाना क्षेत्र के अंतर्गत मौजा चांदडीह ग्राम लक्ष्मणडीह में शुक्रवार को कथित धर्म परिवर्तन कराए जाने का एक मामला प्रकाश में आया है। स्थानीय ग्रामीणों की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस और प्रशासनिक टीम ने मौके पर छापेमारी की। इस दौरान धर्म परिवर्तन के खेल में शामिल दर्जनों महिलाओं को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है, जबकि ग्रामीणों को गुमराह कर इस कार्य को अंजाम देने वाले मुख्य आरोपी मौके से फरार होने में कामयाब रहा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शुक्रवार को लक्ष्मणडीह निवासी महेंद्र राजवंशी के घर में दर्जनों की संख्या में महिलाओं को जुटाकर एक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया था। स्थानीय ग्रामीणों को जब इसकी भनक लगी और धर्म परिवर्तन का संदेह हुआ, तो उन्होंने तुरंत इसकी सूचना सतगावां थाना को दी। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए थाना प्रभारी बबलू कुमार सिंह और अंचलाधिकारी केशव प्रसाद चौधरी पुलिस बल और महिला पुलिस कर्मियों के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस को देखते ही वहां हड़कंप मच गया। पुलिस ने मौके से दर्जनों महिलाओं को हिरासत में लिया और उन्हें पूछताछ के लिए सतगावां थाना लाया गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, तलाशी और जांच के दौरान उपस्थित सभी महिलाओं के पास से ईसाई धर्म से जुड़ी बाइबिल किताब बरामद की गई है।

शेष पेज 11 पर...

आज कल

लोहरदगा में वज्रपात से दो महिलाओं की मौत

- दोपहर बाद तेज बारिश के दौरान खेतों में काम कर रहे लोग हादसे के शिकार हुए
- अलग-अलग जगह बिजली गिरने की कई घटनाओं में आठ झुलसने से हैं गंभीर
- खेत में बकरी चराने के दौरान चरहू गांव की 48 वर्षीय असीदा खातून की मौत

सलगी कोलपारा की घुरती उरांव की धनरोपनी के दौरान मौत

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा जिले में शुक्रवार को मौसम के बदले मिजाज के बीच हुई तेज बारिश और वज्रपात ने भारी तबाही मचाई। जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि आठ अन्य लोग गंभीर रूप से झुलस गए। सभी घायलों को स्थानीय ग्रामीणों की मदद से आनन-फानन में नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां चिकित्सकों की देखरेख में उनका इलाज जारी है। घटना के बाद से प्रभावित गांवों में मातम का माहौल है।

मिली जानकारी के अनुसार, पहली घटना चरहू गांव की है, जहां स्वर्गीय अजीज खान की 48 वर्षीया पुत्री असीदा खातून खेत में बकरी चराने गई थीं। इसी दौरान अचानक तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली गिरी, जिसकी चपेट में आने से मौके पर ही उनकी मौत हो गई। दूसरी घटना सलगी कोलपारा की है, जहां कर्मा उरांव की पत्नी घूरती उरांव खेत में धान की रोपनी कर रही थीं। इसी बीच कड़कड़ाती धूप के बाद अचानक बदले मौसम और तेज कड़क के साथ गिरी बिजली की सीधी चपेट में आने से वे गंभीर रूप से झुलस गईं और उन्होंने दम तोड़ दिया।

शुक्रवार को दोपहर बाद अचानक शुरू हुई तेज बारिश के दौरान खेतों में धान की रोपनी करने, बीड़ा छिटने और काम खत्म कर घर लौटने के क्रम में कुल आठ लोग वज्रपात की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गए। घायलों में अलग-अलग गांवों के ग्रामीण शामिल हैं। इनमें मनहे गांव निवासी सुनील उरांव (पिता- स्व. सकला उरांव), उनके सगे भाई अनिल उरांव और सोमनाथ उरांव (पिता- अकला उरांव) शामल हैं। इसके अलावा, तिसिया गांव निवासी सोनमती देवी (पति- शोविचंद मुंडा), नीतू कुमारी (पिता- स्व. कर्मा मुंडा), महेंद्र मुंडा (पिता- सुखदेव मुंडा) व सरस्वती देवी (पति- महेंद्र मुंडा) भी वज्रपात से झुलसे हैं। ये सभी खेत में बीड़ा छिटने के बाद घर लौट रहे थे, तभी हादसे का शिकार हुए। सलगी कोलपारा निवासी कर्मा उरांव (पिता- घुड़ा उरांव) भी इस हादसे में झुलस गए हैं, जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। घटना की सूचना पर स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधि घायलों का हालचाल जानने अस्पताल पहुंचे और ढांढस बंधाया।

बालूमाथ में खेत से मिट्टी ले जा रही लड़की पर बिजली गिरी, मौत

लातेहार। लातेहार जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र के पिंडारकोम गांव में शुक्रवार को हल्की बारिश और गरज-चमक के दौरान वज्रपात की चपेट में आने से एक लड़की की मौत हो गई। मृतका की पहचान पिंडारकोम गांव निवासी यशोद यादव की पुत्री सुकरी कुमारी के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, सुकरी कुमारी घर की लिपाई-पुताई के लिए खेत से मिट्टी लाने जा रही थी। इसी दौरान अचानक तेज गरज-चमक के साथ आकाशीय बिजली की चपेट में आने से उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हालांकि, परिजन उसे तत्काल बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सक डॉ दयानंद प्रसाद ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही बालूमाथ पूर्वी जिला परिषद सदस्य प्रियंका कुमारी सहित कई स्थानीय लोग घटनास्थल पहुंचे। इधर, घटना के बाद थाना प्रभारी अमित कुमार के निर्देश पर पुलिस ने शव को लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है और मामले की आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

सरकारी संपत्ति को हानि व पुलिस कार्य में बाधा पहुंचाने पर कार्रवाई

चेकपोस्ट तोड़ने पर 34 नामजद व 125 से अधिक अज्ञात पर केस

- सड़क हादसे के बाद नेशनल हाईवे बाईपास पर चार घंटे तक चला था बवाल
- नामजद आरोपियों में जेएलकेएम पार्टी के नेता भी हैं शामिल

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। सदर थाना क्षेत्र के पोखराहा स्थित नेशनल हाईवे बाईपास पर पुलिस चेकपोस्ट तोड़े जाने के मामले में पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए 34 नामजद और 125 से अधिक अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। नामजद आरोपियों में जेएलकेएम के कुछ नेता भी शामिल बताए गए हैं। सभी पर सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने, पुलिस चेकपोस्ट को क्षतिग्रस्त करने, कानून-व्यवस्था भंग करने तथा अन्य गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। डीएसपी राजेश यादव ने बताया कि पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है और घटना में शामिल लोगों की पहचान कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और कानून अपने हाथ में लेने वालों के खिलाफ किसी भी स्तर पर नरमी नहीं बरती जाएगी।गौरतलब है कि गुरुवार को पोखराहा स्थित नेशनल हाईवे बाईपास पर सड़क दुर्घटना में मजीद अंसारी की मौत हो गई थी। हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। विरोध प्रदर्शन के दौरान स्थिति तनावपूर्ण हो गई और मौके पर स्थापित पुलिस की स्थायी चेकपोस्ट को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। इसके चलते कुछ समय के लिए इलाके में अफरातफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही सदर अनुमंडल पदाधिकारी संजय पांडेय, एसडीपीओ

शेष पेज 11 पर...

3,206 साइबर ठगी में शामिल अंतरराज्यीय गिरोह के 6 गिरफ्तार

- मुंबई साइबर ब्रांच का बड़ा खुलासा, आरोपियों में झारखंड, बिहार और दिल्ली के शामिल
- देशभर में 43.25 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी का खुलासा

नवीन मेल संवाददाता

रांची/मुंबई। मुंबई साइबर क्राइम ब्रांच ने देशभर में 3,206 साइबर फ्रॉड केस में शामिल एक इंटर-स्टेट गैंग का पर्दाफाश किया है। झारखंड, बिहार और दिल्ली से इस गैंग के 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के पास से 11 मोबाइल फोन, 9 लैपटॉप और कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जब्त किए गए हैं। इस मामले की गहन छानबीन मुंबई साइबर ब्रांच पुलिस की टीम कर रही है। इस मामले की जांच कर रहे पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि मुंबई साइबर क्राइम ब्रांच ने एक इंटर-स्टेट गैंग का पर्दाफाश किया है, जो नकली एपीके फाइल के ज़रिए मोबाइल फोन हैक करके ऑनलाइन फाइनेंशियल फ्रॉड कर रहा था। इस ऑपरेशन में झारखंड, बिहार और दिल्ली से छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जांच में पता चला है कि यह गैंग देशभर में 3206 फ्रॉड केस में शामिल है। इनमें से महाराष्ट्र में 517 और मुंबई में 93 केस में आरोपियों के शामिल होने की जानकारी सामने आई है।

अब तक की छानबीन में पता चला है कि शिकायतकर्ता को महानगर गैस लिमिटेड के नाम पर 'एमजीए गैस अनब्लाक फाइल डाट एपीके' नाम की नकली एपीके फाइल इंस्टॉल करने के लिए मजबूर किया गया। फाइल इंस्टॉल करने के बाद, मोबाइल से बैंकिंग जानकारी चुराकर शिकायतकर्ता से 2 लाख 35 हजार रुपए की ठगी की गई। इस मामले में वेस्ट डिवीजन के साइबर पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया था। टेक्निकल जांच के दौरान आरोपियों की तलाश में झारखंड, बिहार और दिल्ली में छापेमारी की गई। जांच के दौरान, अलग-अलग बैंकों, आरटीओ और महानगर गैस के नाम पर बनाई गई 999 नकली एपीके फाइलें मिलीं।

शेष पेज 11 पर...

रांची नगर निगम : असिस्टेंट लॉ अफसर पदोन्नति की मांग खारिज

नवीन मेल संवाददाता

- अरुण कुमार की ओर से दायर की गई थी लेटर्स पेटेंट अपील , झारखंड हाईकोर्ट ने सेवा नियमों को बताया सर्वोपरि
- कोर्ट ने कहा-अपीलकर्ता को लीगल असिस्टेंट मान लिया जाता है, तो उन अभ्यर्थियों के अधिकार प्रभावित होंगे

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने शुक्रवार को रांची नगर निगम में असिस्टेंट लॉ अफसर पद पर पदोन्नति की मांग से जुड़ी एक महत्वपूर्ण अपील को खारिज करते हुए स्पष्ट किया है कि केवल लीगल सेक्शन में लंबे समय तक कार्य करने से कोई कर्मचारी लीगल कैडर का सदस्य नहीं माना जा सकता। अदालत ने कहा कि लीगल कैडर में नियमों के अनुरूप नियुक्ति या समावेशन के बिना पदोन्नति का दावा स्वीकार्य नहीं है। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति एमएस सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने अरुण कुमार की ओर से दायर लेटर्स पेटेंट अपील (एलपीए) को खारिज करते हुए एकल पीठ के पूर्व आदेश को बरकरार रखा।

खंडपीठ ने अपने फैसले में कहा कि असिस्टेंट लॉ अफसर का पद लीगल असिस्टेंट का प्रोन्नति पद है। ऐसे में केवल वही कर्मचारी इस पद पर पदोन्नति के पात्र हो सकते हैं, जिनकी नियुक्ति या समावेशन विधिवत लीगल असिस्टेंट के रूप में हुआ हो। अदालत ने कहा कि अपीलकर्ता मूल रूप से सामान्य प्रशासनिक कैडर में नियुक्त थे, इसलिए उन्हें सीधे असिस्टेंट लॉ ऑफिसर के पद पर पदोन्नत करना सेवा नियमों के विपरीत होगा।अदालत ने यह भी कहा कि यदि अपीलकर्ता को लीगल असिस्टेंट मान लिया जाता है, तो उन अभ्यर्थियों के अधिकार प्रभावित होंगे, जिनके लिए सेवा नियमों में लीगल असिस्टेंट का पद प्रत्यक्ष भर्ती के माध्यम से भरे जाने का प्रावधान है।सुनवाई के दौरान अपीलकर्ता की ओर से तर्क दिया गया कि वह वर्षों से नगर निगम के लीगल सेक्शन में कार्यरत हैं। नगर निगम ने भी विभिन्न पत्रों में उन्हें लीगल असिस्टेंट बताते हुए उनकी पदोन्नति का प्रस्ताव सरकार को भेजा था। इसलिए उन्हें लीगल असिस्टेंट मानते हुए असिस्टेंट लॉ अफसर के पद पर पदोन्नति दी जानी चाहिए।

शेष पेज 11 पर...

दिव्यांग अभ्यर्थी की नियुक्ति 12 सप्ताह में करने की अनुशंसा करे जेपीएससी : हाईकोर्ट

- दिव्यांग कोटे के आरक्षित पदों को भरने में अनियमितता पर सवाल
- दो अभ्यर्थियों की ओर से दायर रिट याचिका पर फैसला

नवीन मेल डेस्क

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने शुक्रवार को सातवीं संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा (2021) में दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित पदों को भरने में अनियमितता के मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) को याचिकाकर्ता सदानंद कुमार की नियुक्ति के लिए 12 सप्ताह के भीतर आवश्यक अनुशंसा करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति दीपक रोशन की अदालत ने सदानंद कुमार एवं अन्य दो अभ्यर्थियों की ओर से दायर रिट याचिका को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए यह आदेश पारित किया।मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने अदालत को बताया कि सातवीं संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा (2021) में कुल 252 पदों में से सात पद दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए क्षैतिज रूप से आरक्षित थे। इसके बावजूद जेपीएससी ने केवल चार दिव्यांग अभ्यर्थियों को ही साक्षात्कार के लिए बुलाया, जिनमें से तीन का चयन किया गया। शेष चार आरक्षित पदों को अन्य श्रेणी के अभ्यर्थियों से भर दिया गया, जबकि यह दिव्यांग आरक्षण संबंधी कानूनी प्रावधानों के विपरीत था।

शेष पेज 11 पर...

चोरी के एक मामूली मामले में बर्खास्त कर्मी की सेवा बहाली का आदेश

- 17 साल पहले कार्यालय से चायपत्ती चोरी के मामले में हुई थी कार्रवाई

रांची। कार्यालय से चायपत्ती और बिस्किट जैसी मामूली वस्तुएं ले जाने के आरोप में 17 वर्षों से कार्यरत एक चपरासी को नौकरी से बर्खास्त करने के आदेश को नाजायज बताते हुए झारखंड हाईकोर्ट ने शुक्रवार को उसे सेवा में फिर से बहाल करने का आदेश दिया है। अदालत ने कहा कि आरोप की प्रकृति की तुलना में दी गई सजा अनुपातहीन है। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को कर्मचारी को 1 जुलाई 2026 तक सेवा में बहाल करने और 50 प्रतिशत बकाया वेतन का भुगतान करने का निर्देश दिया है। झारखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति एसएम सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने बोकारो जिला ग्रामीण विकास अभिकरण (डीआरडीए) में वर्ष 2008 से संविदा चपरासी के रूप में कार्यरत रणजीत कुमार हिमांशु की अपील स्वीकार करते हुए यह आदेश पारित किया। सुनवाई के दौरान अदालत ने पाया कि कर्मचारी को जारी कारण बताओ नोटिस में यह तक स्पष्ट नहीं किया गया था कि उसपर किस वस्तु को ले जाने का आरोप है। बाद की सुनवाई में यह तथ्य सामने आया कि मामला चायपत्ती और बिस्किट की चोरी से जुड़ा था। खंडपीठ ने कहा कि किसी भी अनुशासनात्मक कार्रवाई का आधार स्पष्ट और ठोस होना चाहिए।

शेष पेज 11 पर...

मौसम मेदिनीनगर में सबसे अधिक 40.0 डिग्री सेल्सियस रहा तापमान

दो-तीन जुलाई को फिर सक्रिय होगा मानसून

- अल नीनो के प्रभाव के कारण मॉनसून अपेक्षाकृत कमजोर रहने की आशंका

नवीन मेल संवाददाता

जमशेदपुर, बोकारो और चाईबासा में भी गर्मी का असर बरकरार

राज्य में पिछले 24 घंटों के दौरान सबसे अधिक 27.8 मिलीमीटर बारिश पाकुड़ जिले के पाकुड़िया में दर्ज की गई। वहीं, अधिकतम तापमान मेदिनीनगर (डालटनगंज) में **40.0 डिग्री** सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान लातेहार में **23.3 डिग्री** सेल्सियस रहा। शुक्रवार को रांची का अधिकतम तापमान **32.5 डिग्री** सेल्सियस और न्यूनतम **24.1 डिग्री** सेल्सियस दर्ज किया गया। जमशेदपुर में अधिकतम **38.2 डिग्री** और न्यूनतम **27.6 डिग्री**, मेदिनीनगर (डालटनगंज) में अधिकतम **40.8 डिग्री** और न्यूनतम **27.5 डिग्री**, बोकारो में अधिकतम **38.1 डिग्री** और न्यूनतम **27.6 डिग्री** सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं, चाईबासा में अधिकतम तापमान **37.8 डिग्री** और न्यूनतम **26.2 डिग्री** सेल्सियस रहा, जबकि खूंटी में अधिकतम **34.7 डिग्री** और न्यूनतम **24.9 डिग्री** सेल्सियस दर्ज किया गया।

रांची। झारखंड में दक्षिणी-पश्चिमी मानसून जुलाई के पहले सप्ताह में दोबारा सक्रिय होने की संभावना है। इसके प्रभाव से रांची समेत राज्य के कई जिलों में अच्छी बारिश हो सकती है।

मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने शुक्रवार को कहा कि दो से तीन जुलाई के बीच मानसून के सक्रिय होने के संकेत हैं। इसे देखते हुए मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष पूरे देश में अल नीनो के प्रभाव के कारण मानसून अपेक्षाकृत कमजोर रहने की संभावना है। हालांकि, झारखंड में जुलाई के पहले सप्ताह में मौसम की गतिविधियों में तेजी आने की उम्मीद है। मानसून की स्थिति और आगे के पूर्वानुमान को लेकर मौसम विभाग अगले सप्ताह विस्तृत जानकारी साझा करेगा।

अभिषेक आनंद ने कहा कि झारखंड में सामान्यतः सबसे अधिक वर्षा जुलाई और अगस्त के दौरान होती है। राज्य की कृषि और जल संसाधन काफी हद तक इन दो महीनों की बारिश पर निर्भर करते हैं। ऐसे में यदि इस अवधि में सामान्य से कम वर्षा होती है, तो इसका असर खेती, जलस्तर और दैनिक जीवन पर पड़ सकता है। इसलिए विभाग लगातार मौसम की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है।

शुक्रवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहने के कारण गर्मी और उमस ने लोगों को परेशान किया। दोपहर बाद शहर के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हुई, जिससे तापमान में मामूली गिरावट आई और लोगों को गर्मी से राहत मिली।

मौसम विभाग ने लोगों से मौसम के ताजा पूर्वानुमान और विभाग द्वारा जारी अलर्ट पर नजर बनाए रखने की अपील की है।

खेत में मिले विस्फोटक को सेना की टीम ने किया नष्ट

नवीन मेल संवाददाता

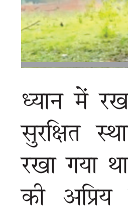

पश्चिमी सिंहभूम के सोनपोखरी गांव में मिला था बम

चाईबासा (पश्चिमी सिंहभूम)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के मनोहरपुर थाना क्षेत्र के सोनपोखरी गांव स्थित मुंडा टोला निवासी विजय मुंडा के खेत से मिले संदिग्ध विस्फोटक को शुक्रवार को भारतीय सेना की बम निष्क्रियकरण और निस्तारण (बीडीडीएस) टीम ने सुरक्षित तरीके से नष्ट कर दिया। पूरी कार्रवाई पुलिस और प्रशासन की निगरानी में की गई, जिससे क्षेत्र के लोगों ने राहत की सांस ली।

जानकारी के अनुसार, गांव में मिला संदिग्ध विस्फोटक लगभग 56 सेंटीमीटर लंबा, 42.5 सेंटीमीटर व्यास का और करीब 20 से 25 किलोग्राम वजनी था। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इसे पहले ही सुरक्षित स्थान पर घेराबंदी कर रखा गया था, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो।पुलिस अधीक्षक पश्चिमी सिंहभूम अमित रेनू के निर्देश पर शुक्रवार को अपर पुलिस अधीक्षक, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मनोहरपुर डेबिट धोरे, मनोहरपुर थाना प्रभारी धनंजय बैठा, अंचलाधिकारी, स्थानीय मुखिया और ग्राम प्रधान की मौजूदगी

शेष पेज 11 पर...

डीसी व एसपी ने भीम बराज का किया निरीक्षण

विहंगम दृश्य और तकनीकी व्यवस्था देख हुए प्रभावित

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। पलामू के उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत एवं पुलिस अधीक्षक कपिल चौधरी ने गुरुवार को संयुक्त रूप से भीम बराज का निरीक्षण किया। दोनों अधिकारी बराज के कंट्रोल रूम पहुंचे और वहां से बराज की संरचना, संचालन व्यवस्था तथा विहंगम दृश्य का अवलोकन किया। पहली बार भीम बराज पहुंचे डीसी और एसपी इसके निर्माण और तकनीकी व्यवस्था को देखकर प्रभावित नजर आए। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने सहायक अभियंता सुलेन्द्र कुमार से बराज के संचालन, नियंत्रण प्रणाली, वर्तमान जल भंडारण, गेटों की संख्या, रखरखाव एवं सुरक्षा व्यवस्था की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अभियंताओं एवं अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी रणवीर कुमार एवं थाना प्रभारी नारायण सोरेन ने उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक का स्वागत किया। मौके पर हुसैनाबाद एसडीपीओ दिव्यांशु शुक्ला, एसडीओ समीर अल्फ्रेड मुर्मू, पुलिस निरीक्षक विनोद राम, हैदरनगर थाना प्रभारी, बराज के कनीय अभियंता एवं अन्य अधिकारी-कर्मी उपस्थित थे। डीसी और एसपी के आगमन को लेकर दिनभर बराज परिसर में गहमागहमी बनी रही।

नशा मुक्ति पर उत्कृष्ट पेंटिंग बनाने वाली 11 छात्राएं सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। पीएमश्री स्तरोन्नत प्लस टू उच्च विद्यालय में नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के तहत गुरुवार को पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में नशे के दुष्प्रभाव पर आधारित आकर्षक चित्र बनाकर जागरूकता का संदेश दिया गया। बेहतर प्रदर्शन करने वाली 11 छात्राओं को कलम एवं टॉफी देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बीपीओ बच्चन कुमार पंकज भी मौजूद रहे। सम्मानित छात्राओं में वर्षा, समीक्षा, अनुप्रिया, कृतिका, अर्चना, सोनाली, अमृता, स्नेहा, खुशी और अनामिका कुमारी शामिल रहीं। कार्यक्रम के दौरान "नशा छोड़ो, भविष्य संवारो" तथा "नशे की राह अंधेरी है, इससे दूर रहना समझदारी है" जैसे नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। प्रधानाध्यापक राकेश कुमार सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी से अभिभावकों तक भी सकारात्मक संदेश पहुंचा है। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के सभी शिक्षकों एवं कर्मियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

मुहर्रम पर विजेताओं को मेडल व ट्रॉफी से किया गया सम्मानित

हैदरनगर। मुहर्रम पर्व की दसवीं तिथि पर शुक्रवार को ग्राम पंचायत चौकड़ी के भीखा बिगहा गांव में विभिन्न पारंपरिक प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को मेडल एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। इस अवसर पर बशीर अंसारी, सुलेमान अंसारी, मुकद्दर अंसारी, इनामुद्दीन अंसारी, सरफुल अंसारी, शिक्षक मौजीब अंसारी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि मुहर्रम केवल आस्था का पर्व नहीं, बल्कि भाईचारा, अनुशासन और सामाजिक एकता का संदेश भी देता है।

खराब ट्रांसफार्मरों पर भड़के नगर पंचायत अध्यक्ष, जीएम से कार्रवाई की मांग

- **गुणवत्तापूर्ण ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराने और बिजली व्यवस्था सुधारने का आग्रह**

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। नगर पंचायत अध्यक्ष अजय कुमार भारती ने बिजली विभाग के महाप्रबंधक (जीएम), मेदिनीनगर को पत्र भेजकर लगातार जल रहे ट्रांसफार्मरों, खराब विद्युत आपूर्ति एवं विभागीय अधिकारियों की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विभाग द्वारा गुणवत्ताहीन एवं मरम्मत किए गए पुराने ट्रांसफार्मर लगाए जा रहे हैं, जिससे आम उपभोक्ताओं को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि भीषण गर्मी के बीच नगर पंचायत क्षेत्र में लगातार ट्रांसफार्मर जलने से आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। हाल ही में रामबिगहा, मेंहदीनगर एवं खादी भंडार क्षेत्र के लिए तीन ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराए गए, जिनमें दो नए और एक मरम्मत किया हुआ पुराना ट्रांसफार्मर था। रामबिगहा वार्ड संख्या-3 में पुराना ट्रांसफार्मर भेजे जाने से ग्रामीणों में भारी नाराजगी फैल गई और कानून-व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न हो गई। विवाद बढ़ने पर ट्रांसफार्मर दो दिनों तक हुसैनाबाद थाना परिसर में रखा गया। उन्होंने कार्यपालक अभियंता पर शिकायतों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच, संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई, गुणवत्तापूर्ण नए ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराने, जर्जर तारों को बदलने तथा निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की। पत्र की प्रतिलिपि उपायुक्त, झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, ऊर्जा विभाग एवं मुख्यमंत्री को भी भेजी गई है।

मुख्य सड़कों पर अवैध ब्रेकर बने हादसों की वजह

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। प्रखंड क्षेत्र की मुख्य सड़कों पर नियमों के विपरीत बनाए गए अवैध एवं ऊंचे स्पीड ब्रेकर लोगों के लिए जानलेवा साबित हो रहे हैं। हैदरनगर-सरगाड़ा (वाया पतरिया-नौडीहा) मुख्य सड़क सहित बाजार क्षेत्र के कई मार्गों पर बिना प्रशासनिक अनुमति के बनाए गए ब्रेकरों से दुर्घटना का खतरा बढ़ गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जवाहर पथ, बैंक रोड, मेन रोड, मरघाटिया रोड और बंशीपुर के समीप बने ब्रेकर अत्यधिक ऊंचे हैं, जिससे दोपहिया और छोटे वाहन क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। सड़क पर खजूर की डाल रखकर आवागमन बाधित किए जाने की भी शिकायत है। ग्रामीणों ने अवैध ब्रेकरों को तत्काल हटाने तथा जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

22 घंटे बिजली गुल रहने से हैदरनगर में लोगों का फूटा गुस्सा

भीषण गर्मी में पेयजल संकट गहराया, लापरवाही पर कार्रवाई की मांग

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। चौकड़ी विद्युत सब स्टेशन से जुड़े हैदरनगर क्षेत्र में लगभग 22 घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। भीषण गर्मी के बीच पेयजल संकट गहरा गया और इन्वर्टर व बैटरियां भी जवाब दे गईं। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि बिजली मिस्त्री का फोन बंद था और समय पर लाइन बहाल नहीं की गई। इसके बाद थाना प्रभारी के नेतृत्व में कर्मी को बुलाकर बिजली आपूर्ति शुरू कराई गई। उपभोक्ताओं ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जिम्मेदार कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई तथा नियमित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है।

सोशल मीडिया पर हुआ प्रेम, न्याय की गुहार लेकर थाने पहुंची युवती

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। उत्तर प्रदेश के सैफई की एक युवती सोशल मीडिया के माध्यम से कररिया गांव के एक युवक के संपर्क में आई। युवती ने आरोप लगाया है कि युवक ने शादी का झांसा देकर उसका शारीरिक, मानसिक एवं आर्थिक शोषण किया और आपत्तिजनक वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करता रहा। युवती का कहना है कि जब वह युवक के गांव पहुंची तो उसे अपनाने से इनकार कर दिया गया। इसके बाद वह पैदल चलकर मोहम्मदगंज थाना पहुंची और पुलिस से न्याय की गुहार लगाई। वहीं आरोपी युवक की मां हलीमा ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि युवती उनके परिवार से पांच लाख रुपये की मांग कर रही है। थाना प्रभारी नारायण सोरेन ने बताया कि मामला प्रथम दृष्टया प्रेम प्रसंग से जुड़ा प्रतीत होता है। युवती के आवेदन पर जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पूर्व मंत्री ने किया पौधरोपण

प्रधानमंत्री के 12 वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों पर प्रबुद्धजनों से किया संवाद

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। पूर्व मंत्री कमलेश कुमार सिंह ने शुक्रवार को प्रखंड के भजनियां स्थित मां देवी धाम परिसर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रबुद्धजनों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण भी किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन, जनकल्याण और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि "एक पेड़ मां के नाम" अभियान मातृ सम्मान, पर्यावरण संरक्षण और भावी पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रतीक है। भाजपा के वरिष्ठ नेता रामप्रवेश सिंह ने कहा कि पार्टी का मूल मंत्र सेवा, समर्पण और राष्ट्र प्रथम है। वहीं वरिष्ठ भाजपा नेता सीबी रमन सिंह ने विकसित भारत के निर्माण में जनभागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया। युवा नेता सूर्या सोनल सिंह ने युवाओं से पर्यावरण संरक्षण एवं राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में पूर्व जिला मंत्री संतोष कुमार सिंह, मंडल अध्यक्ष राजकुमार मेहता सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता, प्रबुद्धजन एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

एके सिंह कॉलेज में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय मादक द्रव्य सेवन दिवस

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। एके सिंह कॉलेज, जपला में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय मादक द्रव्य सेवन एवं अवैध तस्करी निरोध दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में स्वयंसेवकों, छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. राजेश कुमार सिंह ने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति हैं और नशा मुक्त समाज के निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक एवं बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

मोहर्रम जुलूस से पूर्व सैयद टोली मोड़ की सड़क की हुई मरम्मत

- **नगर पंचायत अध्यक्ष अजय कुमार भारती के नेतृत्व में कराया गया कार्य**

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद में मोहर्रम पर्व को लेकर नगर पंचायत ने तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष अजय कुमार भारती के नेतृत्व में सैयद टोली मोड़ के समीप जर्जर सड़क पर डस्ट डालकर मरम्मत कार्य कराया गया। इसका उद्देश्य मोहर्रम के दौरान निकलने वाले ताजिया जुलूस एवं आम लोगों के आवागमन को सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाना है। मरम्मत कार्य के दौरान पूर्व विधानसभा प्रत्याशी शेर अली, जैद अली, प्रणव सुमन, रविशंकर, कृष्णा राम, गोल्डेन कुमार, छोटू सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। नगर पंचायत अध्यक्ष अजय कुमार भारती ने कहा कि मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराना नगर पंचायत की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पर्व के दौरान नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी आवश्यक नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। साथ ही उन्होंने नगरवासियों से आपसी भाईचारा, शांति एवं सौहार्द बनाए रखते हुए पर्व मनाने की अपील की।

बंद यात्री ट्रेनों का परिचालन शीघ्र बहाल करने की मांग

मोहम्मदगंज। आजसू पार्टी के केंद्रीय सदस्य सह मोहम्मदगंज प्रखंड प्रभारी मनजीत कुमार मेहता के नेतृत्व में गुरुवार को स्थानीय स्टेशन प्रबंधक को डीआरएम के नाम ज्ञापन सौंपकर बरवाडीह-डेहरी-ऑन-सोन रेलखंड पर 23 जून से बंद यात्री ट्रेनों का परिचालन शीघ्र शुरू करने की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया कि यात्री ट्रेनों के बंद रहने से हजारों यात्रियों, छात्रों, मजदूरों, व्यापारियों एवं आम लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, जबकि मालगाड़ियों का परिचालन लगातार जारी है। इससे आम जनता में भारी आक्रोश व्याप्त है। आजसू नेताओं ने जनहित में डाल्टनगंज-डेहरी-ऑन-सोन के बीच यात्री रेल सेवा अविलंब बहाल करने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि 48 घंटे के भीतर यात्री ट्रेनों का परिचालन शुरू नहीं किया गया तो लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से मालगाड़ियों के परिचालन के विरुद्ध आंदोलन किया जाएगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी रेलवे प्रशासन की होगी।

रेलवे ओवरब्रिज पर अंधेरा बना हादसों का कारण, स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग

- **नगर पंचायत अध्यक्ष ने उपायुक्त को पत्र भेजकर शीघ्र कार्रवाई की उठाई मांग**

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। शहर का प्रमुख रेलवे ओवरब्रिज इन दिनों घोर अंधेरे में डूबा हुआ है। स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था नहीं होने से यह क्षेत्र दुर्घटनाओं की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील बन गया है। रात के समय राहगीरों, वाहन चालकों, छात्रों, मरीजों एवं नौकरीपेशा लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस गंभीर समस्या को लेकर नगर पंचायत अध्यक्ष अजय कुमार भारती ने पलामू उपायुक्त को पत्र भेजकर रेलवे ओवरब्रिज पर शीघ्र प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित कराने की मांग की है। उन्होंने पत्र में कहा है कि रोशनी के अभाव में आए दिन दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है तथा असामाजिक तत्वों की गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने का खतरा है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि इस संबंध में पूर्व में कई बार संबंधित अधिकारियों को लिखित एवं मौखिक रूप से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। स्थानीय नागरिकों ने भी कहा कि यह ओवरब्रिज शहर की जीवनरेखा है, जहां प्रतिदिन सैकड़ों छात्र-छात्राएं, मरीज, व्यापारी एवं आम लोग आवागमन करते हैं। उन्होंने जनहित एवं जनसुरक्षा को देखते हुए शीघ्र स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग की है।

खेती की बढ़ती लागत और सिंचाई संकट से किसान चिंतित

हैदरनगर। खरीफ सीजन की शुरुआत के साथ ही क्षेत्र के किसान कई समस्याओं से जूझ रहे हैं। किसान सह भाजपा नेता रविन्द्र कुमार सिंह, पूर्व उप प्रमुख यमुना सिंह, अनूप कुमार सिंह, विनय कुमार सिंह एवं प्रभात कुमार ने कहा कि अनियमित बारिश, खेती की बढ़ती लागत, महंगे बीज एवं उर्वरक, डीजल की बढ़ती कीमत तथा सिंचाई व्यवस्था की कमी ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। उन्होंने कहा कि समय पर पर्याप्त वर्षा नहीं होने से धान की रोपाई प्रभावित हो रही है। जिन क्षेत्रों में सिंचाई की व्यवस्था नहीं है, वहां खेत अब भी सूखे पड़े हैं। वहीं निजी साधनों से सिंचाई करने वाले किसानों की लागत लगातार बढ़ रही है। किसानों ने सरकार एवं कृषि विभाग से पर्याप्त मात्रा में उर्वरक एवं प्रमाणित बीज उपलब्ध कराने, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार, कृषि बिजली की बेहतर आपूर्ति तथा फसल बीमा सहित सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराने की मांग की है।

शांति व सौहार्द के साथ मनाया गया दसवीं मुहर्रम

हुसैनाबाद में निकला जुलूस-ए-अज़ा, कर्बला के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद में शुक्रवार को हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में दसवीं मुहर्रम का पर्व श्रद्धा, अकीदत और शांतिपूर्ण माहौल में मनाया गया। शिया समुदाय की ओर से सदर इमामबारगाह से जुलूस-ए-अज़ा निकाला गया, जो गांधी चौक होते हुए कर्बला पहुंचा। पूरे जुलूस के दौरान कर्बला के शहीदों को याद किया गया और शोकगीत (मर्सिया) पढ़े गए। जुलूस का नेतृत्व मुतवल्ली सैयद तक्की हुसैन रिजवी ने किया, जबकि संचालन अरशद हुसैन (अर्शी) ने किया। इस अवसर पर सैयद हसनैन जैदी, गंजफर हुसैन, सैयद इकबाल हुसैन, मिर्जा जावेद, नेहाल मिर्जा, अमीन मिर्जा, शमशेर हुसैन, लबीर हुसैन, सिब्ते हुसैन सहित बड़ी संख्या में अकीदतमंद मौजूद रहे। मुहर्रम जुलूस को लेकर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। एसडीपीओ दिव्यांशु शुक्ला, इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी चंदन कुमार सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल पूरे मार्ग पर तैनात रहा, जिससे आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

हजरत इमाम की त्याग व इंसाफ के लिए बलिदान पर प्रकाश डाला

गांधी चौक पर आयोजित तकरीर में मौलाना सैयद अहसन अब्बास ने हजरत इमाम हुसैन की शहादत, उनके त्याग और इंसाफ के लिए दिए गए बलिदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इमाम हुसैन ने अन्याय के सामने कभी सिर नहीं झुकाया और मानवता को सत्य एवं न्याय का संदेश दिया। जुलूस के दौरान परंपरा के अनुसार अकीदतमंदों ने मातम किया। इसके बाद जुलूस कर्बला पहुंचा, जहां पहलाम की रस्म अदा की गई और शहीद-ए-कर्बला को नम आंखों से श्रद्धांजलि दी गई।

'या अली-या हुसैन' के नारों से गूंजा चैनपुर क्षेत्र

नवीन मेल संवाददाता

चैनपुर। मुहर्रम की दसवीं तारीख पर शुक्रवार को चैनपुर प्रखंड के विभिन्न गांवों और कस्बों में मुस्लिम समुदाय द्वारा पारंपरिक ताजिया जुलूस निकाला गया। विभिन्न समितियों की ओर से आकर्षक नक्काशीदार ताजिए तैयार किए गए, जो जुलूस का प्रमुख आकर्षण बने रहे। इस अवसर पर मंत्री केएमपी पार्टी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हजरत इमाम हसन और इमाम हुसैन की शहादत अन्याय और बुराइयों के खिलाफ संघर्ष का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हमें उनके बताए सत्य, इंसानियत और मानवता के मार्ग पर चलने का संकल्प लेना चाहिए। मुहर्रम को लेकर चैनपुर पुलिस पूरे क्षेत्र में लगातार गश्त करती रही। थाना प्रभारी लालजी ने लोगों से सभी पर्व-त्योहार शांति और सौहार्द के साथ मनाने तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करने की अपील की।

मुहर्रम पर शांति और इंसानियत का संदेश

मिशन मोड़ से निकला भव्य ताजिया जुलूस

- कर्बला की शहादत को याद कर लोगों ने मानवता के मार्ग पर चलने का लिया संकल्प

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। सदर प्रखंड की चियांकी पंचायत स्थित मिशन मोड़ से मुहर्रम के अवसर पर शुक्रवार को पारंपरिक ताजिया जुलूस श्रद्धा, अनुशासन और आपसी भाईचारे के वातावरण में निकाला गया। जुलूस में बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए। इस दौरान पारंपरिक गदका, लाठी एवं अन्य युद्ध कलाओं का आकर्षक प्रदर्शन किया गया, जिसे देखने के लिए आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। मुहर्रम इस्लामी कैलेंडर का पहला महीना है। यह पर्व हजरत इमाम हुसैन और कर्बला में शहीद हुए उनके 72 साथियों की कुर्बानी की याद में मनाया जाता है। यह सत्य, न्याय, त्याग और मानवता की रक्षा के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा देता है। जुलूस के दौरान पूरे क्षेत्र में अनुशासन, सामाजिक समरसता और आपसी सौहार्द का वातावरण बना रहा। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। विभिन्न स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि मुहर्रम किसी एक समुदाय का पर्व नहीं, बल्कि सत्य, न्याय, त्याग, इंसानियत और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष का संदेश देने वाला अवसर है। कर्बला की शहादत आज भी समाज को सत्य के मार्ग पर अडिग रहने और मानवता की रक्षा के लिए हर परिस्थिति में संघर्ष करने की प्रेरणा देती है। उन्होंने लोगों से आपसी प्रेम, भाईचारा और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान कर्बला के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई और समाज में शांति, सद्भाव एवं मानवीय मूल्यों को मजबूत करने का संकल्प लिया गया। आयोजन का समापन शांतिपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में हुआ। इस अवसर पर पुलिस प्रशासन के अधिकारी, मुहर्रम कमेटी के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता तथा विभिन्न समुदायों के हजारों लोग उपस्थित रहे।

मुहर्रम जुलूस में गूंजा शहादत का संदेश, ताजियों के साथ निकला जुलूस

मेदिनीनगर। सतबरवा थाना क्षेत्र के पोलपोल, सरजा, सोनपुरवा एवं आसपास के गांवों में शुक्रवार को मुहर्रम का पर्व शहादत, आस्था और गम के प्रतीक के रूप में पारंपरिक श्रद्धा एवं अनुशासन के साथ मनाया गया। विभिन्न मुस्लिम कमेटियों की ओर से ताजियों के साथ भव्य जुलूस निकाला गया, जिसमें विभिन्न गांवों से दर्जनों छोटे-बड़े ताजिए शामिल हुए। सभी ताजियों का मिलान पोलपोल में किया गया। जुलूस के दौरान विभिन्न स्थानों पर गोल बनाकर लाठी, तलवारबाजी एवं अन्य पारंपरिक शस्त्र संचालन का प्रदर्शन किया गया। पूरे आयोजन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा और शांतिपूर्ण माहौल में कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर शिक्षक एवं मुखिया पति भरदुल कुमार सिंह ने कहा कि हजरत इमाम हुसैन ने सत्य और इंसाफ की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था। उनका जीवन सत्य, शांति और भाईचारे का संदेश देता है तथा समाज को अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करने की प्रेरणा देता है। वहीं पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव विवेकानंद त्रिपाठी ने कहा कि मुहर्रम का पर्व हमें यह सीख देता है कि प्राण भले ही चले जाएं, लेकिन अन्याय और अधर्म के मार्ग पर कभी नहीं चलना चाहिए। जुलूस में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं ग्रामीण शामिल हुए। पूरे आयोजन के दौरान सौहार्दपूर्ण वातावरण बना रहा और लोगों ने आपसी भाईचारे का परिचय दिया।

पोखराहा और जोड़ फोरलेन हादसों पर मुख्यमंत्री गंभीर

- डीसी और परिवहन मंत्री को दिए तत्काल कार्रवाई के निर्देश
- सड़क सुरक्षा को लेकर सोशल मीडिया पर उठे मुद्दे का लिया संज्ञान, सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने का आदेश

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले के पोखराहा और जोड़ के पास फोरलेन पर लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गंभीरता दिखाई है। सोशल मीडिया के माध्यम से मामला उठाए जाने के बाद मुख्यमंत्री ने इसका संज्ञान लेते हुए पलामू के उपायुक्त (डीसी) और परिवहन मंत्री दीपक बिरुआ को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि उक्त मार्ग पर सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने के लिए तत्काल सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं तथा की गई कार्रवाई से उन्हें अवगत कराया जाए। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद स्थानीय लोगों में उम्मीद जगी है कि दुर्घटना संभावित इस मार्ग पर जल्द प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था लागू होगी।

गौरतलब है कि पोखराहा और जोड़ के पास फोरलेन पर बीते कुछ दिनों के दौरान लगातार सड़क हादसे हुए हैं, जिनमें चार लोगों की जान जा चुकी है। लगातार हो रही दुर्घटनाओं से क्षेत्र में आक्रोश और चिंता का माहौल है। स्थानीय लोग लंबे समय से इस मार्ग पर सड़क सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, यातायात नियंत्रण और स्थायी समाधान की मांग कर रहे हैं। हाल के दिनों में इन मांगों को लेकर विरोध-प्रदर्शन भी किया गया था।

झामुमो नेता सन्नी शुक्ला ने इस गंभीर मुद्दे को सोशल मीडिया के माध्यम से मुख्यमंत्री के समक्ष रखते हुए तत्काल हस्तक्षेप की मांग की थी। इसके बाद मुख्यमंत्री ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों को कार्रवाई का निर्देश दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस फोरलेन पर तेज रफ्तार वाहनों, पर्याप्त चेतावनी संकेतकों की कमी और प्रभावी ट्रैफिक प्रबंधन के अभाव में लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं। कई परिवार अपने परिजनों को खो चुके हैं, जिससे पूरे क्षेत्र में भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। लोगों का मानना है कि समय रहते आवश्यक सुरक्षा उपाय किए गए होते तो कई लोगों की जान बचाई जा सकती थी।

क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि दुर्घटना संभावित स्थानों का तकनीकी सर्वे कराकर स्थायी समाधान किया जाए। साथ ही पर्याप्त चेतावनी संकेतक, हाईमास्ट लाइट, रंबल स्ट्रिप्स, स्पीड कंट्रोल व्यवस्था, ट्रैफिक पुलिस की नियमित तैनाती तथा अन्य आवश्यक सड़क सुरक्षा उपाय तत्काल लागू किए जाएं।

मुख्यमंत्री की त्वरित पहल पर सन्नी शुक्ला ने उनका आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पलामू की जनता को उम्मीद है कि प्रशासन शीघ्र कार्रवाई कर सड़क को सुरक्षित बनाएगा। उन्होंने यह भी आग्रह किया कि जब तक फोरलेन पर आवश्यक स्थायी संरचनात्मक व्यवस्था या फ्लाईओवर का निर्माण नहीं हो जाता, तब तक अंतरिम सुरक्षा उपायों को प्राथमिकता के आधार पर लागू किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसे दर्दनाक हादसों की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

मोहर्रम पर उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने शहर का किया भ्रमण

- विधि-व्यवस्था का लिया जायजा, कंट्रोल रूम से जुलूसों की मॉनिटरिंग कर अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत एवं पुलिस अधीक्षक कपिल चौधरी ने शुक्रवार को मेदिनीनगर शहर का भ्रमण कर सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था का जायजा लिया। दोनों अधिकारियों ने शहर के विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों का निरीक्षण करते हुए सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की और तैनात अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। भ्रमण के क्रम में उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक शहर थाना परिसर पहुंचे, जहां मोहर्रम इंतजामिया कमेटी एवं रामनवमी समिति के सदस्यों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने समिति के प्रतिनिधियों से बातचीत कर मोहर्रम पर्व को अब तक शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने में दिए गए सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। साथ ही आगे भी आपसी भाईचारा, सामाजिक समरसता एवं शांति बनाए रखने की अपील की।

इसके बाद दोनों अधिकारियों ने शहर के विभिन्न चौक-चौराहों और संवेदनशील स्थलों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने तैनात दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों को पूरी सतर्कता, समन्वय और संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का निर्देश दिया। उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने जिला नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) पहुंचकर पूरे जिले में संचालित मोहर्रम जुलूसों और अन्य गतिविधियों की मॉनिटरिंग भी की। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों की स्थिति की जानकारी प्राप्त की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, ताकि पर्व के दौरान कहीं भी किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो। उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत एवं पुलिस अधीक्षक कपिल चौधरी ने कहा कि मोहर्रम पर्व को पूरी तरह शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने जिलेवासियों से आपसी भाईचारा, सामाजिक सद्भाव और शांति बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करने तथा किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न देने की अपील की।

नवजात की मौत मामले में आशीर्वाद अस्पताल सील

- निरीक्षण में कई गंभीर अनियमितताएं मिलीं, मरीजों का रिकॉर्ड और ऑपरेशन की सहमति पत्र नहीं मिला

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। लेस्लीगंज स्थित न्यू आशीर्वाद हॉस्पिटल में सीजेरियन प्रसव के बाद नवजात शिशु की मौत के मामले में स्वास्थ्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अस्पताल को सील कर दिया है। सिविल सर्जन के निर्देश पर शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) लेस्लीगंज की टीम ने अस्पताल का औचक निरीक्षण किया, जिसमें कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। इसके बाद प्रारंभिक विभागीय कार्रवाई करते हुए अस्पताल को सील कर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

जारी निरीक्षण प्रतिवेदन के अनुसार, 25 जून की रात सीजेरियन प्रसव के बाद नवजात को बेहतर इलाज के लिए मेदिनीनगर के एक निजी अस्पताल रेफर किया गया था, जहां उसकी मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद सिविल सर्जन के निर्देश पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने चिकित्सकीय दल के साथ अस्पताल का निरीक्षण किया। जांच में पाया गया कि अस्पताल क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट के तहत पंजीकृत है, लेकिन पंजीकरण "न्यू आशीर्वाद हॉस्पिटल" के नाम से है, जबकि मरीजों की पर्ची एवं अन्य अभिलेखों में केवल "आशीर्वाद हॉस्पिटल" अंकित किया गया था।

निरीक्षण के दौरान अस्पताल प्रबंधन मरीजों की भर्ती संबंधी रजिस्टर, अभिलेख तथा ऑपरेशन के लिए मरीज अथवा परिजनों की लिखित सहमति प्रस्तुत नहीं कर सका। अस्पताल के प्रभारी डॉ. अभिजीत आनंद मौके पर अनुपस्थित मिले। प्रबंधन ने बताया कि ऑपरेशन डॉ. जन्मेजय कुमार द्वारा किया गया था, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका। वहीं ऑपरेशन के दौरान एनेस्थीसिया किस चिकित्सक ने दिया, इसकी भी कोई जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई।

जांच में अस्पताल की आधारभूत संरचना भी संतोषजनक नहीं पाई गई। निरीक्षण के दौरान प्रसूता प्रिया कुमारी (23 वर्ष), पति संजीत राम, निवासी पोखरी खुर्द, जिला लातेहार की स्वास्थ्य जांच सिविल सर्जन की उपस्थिति में की गई तथा बेहतर इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल, मेदिनीनगर भेजा गया।

इसके बाद दंडाधिकारी, थाना प्रभारी, सिविल सर्जन तथा प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी की मौजूदगी में अस्पताल को सील कर दिया गया और अस्पताल प्रबंधन से स्पष्टीकरण मांगा गया है।

सिविल सर्जन अनिल श्रीवास्तव ने बताया कि जांच प्रतिवेदन के आधार पर प्रारंभिक विभागीय कार्रवाई पूरी कर ली गई है तथा मामले में नियमानुसार आगे की विधिसम्मत कार्रवाई जारी रहेगी।

आंगनबाड़ी सेविकाओं को मातृत्व वंदना योजना की दी जा रही है ट्रेनिंग

मेदिनीनगर। जिला अंतर्गत 14 परियोजना में संचालित 2629 आंगनबाड़ी केंद्रों के सेविकाओं को प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना का एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ताकि सेविकाएं प्रशिक्षण प्राप्त अधिक से अधिक लाभुकों का इसका लाभ दिलाने की दिशा में सार्थक पहल कर सकें।

28 से 30 जून तक चलेगा पल्स पोलियो अभियान जिले के 1.55 लाख बच्चों को पिलाई जाएगी दो बूंद दवा

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस (एनआईडी) के तहत 28 से 30 जून तक जिलेभर में पल्स पोलियो अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की दो बूंद दवा पिलाई जाएगी। शुक्रवार को सिविल सर्जन कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में सिविल सर्जन डॉ. राजमोहन खलखो और जिला आरसीएच पदाधिकारी ने अभियान की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत वर्ष 2011 से पोलियो मुक्त है, लेकिन दुनिया के कुछ देशों में अभी भी पोलियो वायरस मौजूद है। इसलिए हर बच्चे तक पोलियो की खुराक पहुंचाना जरूरी है।

अभियान का शुभारंभ 28 जून को सदर अस्पताल सहित सभी प्रखंड मुख्यालयों में जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में होगा। पहले दिन बूथों पर बच्चों को दवा पिलाई जाएगी। इसके बाद 29 और 30 जून को स्वास्थ्यकर्मी घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को पोलियो की खुराक देंगे। जिले में 1,55,359 बच्चों को दवा पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए 998 बूथ बनाए गए हैं और 1,995 कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। इसके अलावा 1,32,487 घरों का भ्रमण किया जाएगा। बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और हाट-बाजारों में 32 ट्रांजिट टीम भी तैनात रहेगी।

स्वास्थ्य विभाग ने सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की दो बूंद दवा अवश्य पिलाएं। विभाग का संदेश है- "दो बूंद हर बार, पोलियो पर जीत बरकरार।"

श्रद्धा व आस्था के साथ निकला मुहर्रम जुलूस

लातेहार। सरयू प्रखंड क्षेत्र में मुहर्रम का पर्व श्रद्धा, आस्था एवं आपसी भाईचारे के माहौल में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। घासीटोला इमामबाड़ा से निकला पारंपरिक ताजिया जुलूस सरयू गांव एवं बाजार के विभिन्न मार्गों से होते हुए सरयू टीओपी पहुंचा, जहां रोल और पतरातु से आए ताजियों का पारंपरिक मिलान कराया गया। ताजिया मिलान के बाद सरयू बाजार में पारंपरिक खेल-तमाशा का आयोजन किया गया। इस दौरान युवाओं ने लाठी, डंडा, तलवार सहित अन्य पारंपरिक युद्ध कलाओं का आकर्षक प्रदर्शन किया। कलाकारों के हैरतअंगेज करतबों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। मुहर्रम इंतजामिया कमेटी की ओर से मुख्य अतिथियों का पगड़ी पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया गया। वक्ताओं ने हजरत इमाम हसन एवं हजरत इमाम हुसैन की शहादत को मानवता, सत्य और न्याय के लिए दी गई महान कुर्बानी बताते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया। खेल-तमाशा एवं अन्य धार्मिक कार्यक्रमों के उपरांत घासीटोला इमामबाड़ा में फातेहा खानी की रस्म अदा की गई। इसके बाद श्रद्धालुओं का कारवां नीलांबर-पीतांबर चौक होते हुए रोल स्थित कर्बला पहुंचा, जहां फातेहा के बाद इमाम हसन और इमाम हुसैन को गमगीन माहौल में अलविदा कहा गया। पूरे आयोजन के दौरान क्षेत्र में शांति, सौहार्द और भाईचारे का वातावरण बना रहा।

दो वर्ष में ही धराशायी हुई वन विभाग की चारदीवारी गुणवत्ता पर उठे सवाल

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। वन विभाग द्वारा लगभग दो वर्ष पूर्व निर्मित कराई गई चारदीवारी अचानक ध्वस्त हो गई, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर गंभीर प्रश्न उठने लगे हैं।

जानकारी के अनुसार उक्त चारदीवारी का निर्माण तत्कालीन रेंजर ठाकुर पासवान की देखरेख में कराया गया था। निर्माण के समय इसे विभाग की महत्वपूर्ण परिसंपत्ति बताते हुए गुणवत्तापूर्ण कार्य का दावा किया गया था, लेकिन महज दो वर्ष में ही दीवार का गिर जाना उन दावों की पोल खोलता नजर आ रहा है।

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि यदि निर्माण कार्य मानकों के अनुरूप एवं गुणवत्तापूर्ण सामग्री से किया गया होता तो चारदीवारी इतनी जल्दी क्षतिग्रस्त नहीं होती। लोगों ने निर्माण कार्य में अनियमितता और लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि सरकारी धन से निर्मित ढांचा टिकाऊ साबित नहीं हो सका।

चारदीवारी ध्वस्त होने से सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचा है, वहीं विभागीय कार्यों एवं सुरक्षा व्यवस्था पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है। ग्रामीणों ने बताया कि अभी भी खड़ी चारदीवारी में कई स्थानों पर दरारें पड़ चुकी हैं।

ग्रामीणों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने मामले की निष्पक्ष जांच, निर्माण कार्य की तकनीकी गुणवत्ता की समीक्षा तथा दोषी अधिकारियों एवं संवेदकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है। हालांकि इस संबंध में वन विभाग की ओर से अब तक कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण जारी नहीं किया गया है।

पलामू में 90 वर्षों से कायम है गंगा-जमुनी तहजीब की अनूठी मिसाल

नवीन मेल संवाददाता

- मुहर्रम में रामनवमी समिति संभालती है जुलूस की जिम्मेदारी, रामनवमी में मुहर्रम इंतजामिया समिति करती है स्वागत
- 1937 से निभ रही सौहार्द की परंपरा

मेदिनीनगर। झारखंड का पलामू जिला वर्षों से सांप्रदायिक सौहार्द, सामाजिक समरसता और गंगा-जमुनी तहजीब की ऐसी अनूठी मिसाल पेश करता आ रहा है, जिसकी चर्चा पूरे राज्य में होती है। यहां मुहर्रम और रामनवमी जैसे प्रमुख धार्मिक पर्व केवल आस्था के उत्सव नहीं, बल्कि आपसी विश्वास, सम्मान और भाईचारे के प्रतीक बन चुके हैं। वर्ष 1937 से चली आ रही यह परंपरा आज भी पूरी मजबूती के साथ कायम है और हर वर्ष दोनों समुदाय मिलकर इसे आगे बढ़ाते हैं। शुक्रवार को मुहर्रम के जुलूस के दौरान भी इस अनोखी परंपरा की झलक देखने को मिली। जुमे की नमाज के समय जब मुस्लिम समुदाय के लोग नमाज अदा करने मस्जिद पहुंचे, तब मुहर्रम जुलूस और ताजिया की सुरक्षा एवं देखरेख की जिम्मेदारी महावीर नवयुवक दल (रामनवमी समिति) के सदस्यों ने संभाली। यह दृश्य वहां मौजूद लोगों के लिए आपसी विश्वास और सामाजिक एकता का जीवंत उदाहरण बन गया। पलामू में वर्षों से चली आ रही परंपरा के अनुसार मुहर्रम के अवसर पर रामनवमी समिति जुलूस का स्वागत करती है, वहीं रामनवमी के दौरान मुहर्रम इंतजामिया समिति पूरे उत्साह के साथ रामनवमी जुलूस का स्वागत करती है। दोनों समितियां एक-दूसरे के पदाधिकारियों का सम्मान करती हैं और पर्व को सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने में सक्रिय भूमिका निभाती हैं। महावीर नवयुवक दल (रामनवमी समिति) के अध्यक्ष मंगल सिंह ने बताया कि यह परंपरा वर्ष 1937 से लगातार निभाई जा रही है। उन्होंने कहा कि उनके पूर्वजों ने जिस भाईचारे और सौहार्द की नींव रखी थी, आज की पीढ़ी भी उसी परंपरा को पूरी निष्ठा से आगे बढ़ा रही है। उनके अनुसार पलामू में रामनवमी और मुहर्रम केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और पारस्परिक सम्मान का उत्सव हैं। मुहर्रम इंतजामिया समिति के अध्यक्ष जीशान खान ने कहा कि मेदिनीनगर जैसी परंपरा देश के बहुत कम स्थानों पर देखने को मिलती है। यहां दोनों समुदाय एक-दूसरे के धार्मिक आयोजनों में बढ़-चढ़कर सहयोग करते हैं। उन्होंने कहा कि जिस आत्मीयता से रामनवमी समिति मुहर्रम जुलूस का स्वागत करती है, उसी उत्साह और सम्मान के साथ मुहर्रम इंतजामिया समिति भी रामनवमी जुलूस का स्वागत करती है। यही पलामू की असली पहचान और सामाजिक ताकत है। पलामू उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने कहा कि वर्षों से चली आ रही यह परंपरा जिले के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि एक समुदाय द्वारा दूसरे समुदाय के धार्मिक आयोजन का सम्मान और सहयोग करना भारतीय संस्कृति तथा लोकतांत्रिक मूल्यों की सबसे बड़ी पहचान है। पुलिस अधीक्षक कपिल चौधरी ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में प्रेम, विश्वास और सामाजिक समरसता को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि दोनों समुदायों के सहयोग और प्रशासन की सतर्कता के कारण जिले में सभी पर्व शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न होते हैं। इस वर्ष भीषण गर्मी का असर मुहर्रम के जुलूसों पर भी देखने को मिला। अत्यधिक तापमान को देखते हुए मेदिनीनगर के अधिकांश क्षेत्रों में ताजिया जुलूस दोपहर बाद निकाले गए। इससे लोगों को गर्मी से राहत मिली और कई इलाकों में बिजली आपूर्ति भी सामान्य बनी रही। मुहर्रम इंतजामिया समिति के सदस्य ने बताया कि पूर्व वर्षों में जुलूस के दौरान बिजली कटौती को लेकर लोगों की शिकायतें आती थीं।

संवाददाता के रूप में बनाइए शानदार करियर

1994 से डाल्टनगंज और 1999 से रांची से लगातार प्रकाशित दैनिक राष्ट्रीय नवीन मेल को दोनों संस्करणों के लिए मुख्यालय जिला और प्रखंड स्तर पर समाचारों की समझ रखने वाले जुझारू पत्रकारों और ट्रेनी युवा पत्रकारों की आवश्यकता है। पूर्ण विवरण, आधार कार्ड, अनुभव और फोटो के साथ इमेल करें। संपूर्ण पत्राचार पूर्णतः गोपनीय रहेगा। समय पर उचित सम्मानजनक पारिश्रमिक और विज्ञापनों के लिए प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

प्रधान संपादक
hr.rnmail@gmail.com

कस्तूरबा विद्यालय की दो दर्जन छात्राएं अचानक बीमार, अस्पताल में भर्ती

● मुरही खाने और पानी पीने के बाद बिगड़ी तबीयत, उल्टी-चक्कर व बेहोशी की शिकायत

नवीन मेल संवाददाता

खरौंधी (गढ़वा)। प्रखंड स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, खरौंधी में शुक्रवार शाम उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब विद्यालय की दो दर्जन से अधिक छात्राओं की अचानक तबीयत बिगड़ गई। छात्राओं को उल्टी, चक्कर, घबराहट और बेहोशी जैसी शिकायतें होने लगीं। स्थिति गंभीर होते देख विद्यालय प्रबंधन ने तत्काल चार वाहनों की व्यवस्था कर सभी छात्राओं को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, भवनाथपुर पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, छात्राओं ने शाम के समय मुरही (मूढ़ी) खाई थी और इसके बाद पानी पिया। कुछ ही देर बाद कई छात्राओं को उल्टी, चक्कर और बेचैनी महसूस होने लगी। देखते ही देखते बड़ी संख्या में छात्राएं अस्वस्थ हो गईं, जिससे विद्यालय परिसर में हड़कंप मच गया। विद्यालय कर्मियों ने छात्राओं को अस्पताल पहुंचाया। देर शाम तक लगातार बीमार छात्राओं को इलाज के लिए अस्पताल लाया जाता रहा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, भवनाथपुर के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. दिनेश सिंह ने बताया कि सभी छात्राओं का इलाज किया जा रहा है। फिलहाल सभी छात्राएं चिकित्सकीय निगरानी में हैं और उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। उन्होंने कहा कि छात्राओं के बीमार होने के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। अभी तक किसी भी कारण की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। घटना की सूचना मिलते ही अनुमंडल पदाधिकारी प्रभाकर मिर्धा, डीएसपी सतेंद्र नारायण सिंह, भवनाथपुर थाना प्रभारी रजनी रंजन तथा जिला परिषद सदस्य रजनी शर्मा अस्पताल पहुंचे। उन्होंने छात्राओं का हालचाल जाना और चिकित्सकों से उपचार की जानकारी ली। प्रशासन ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। इधर, घटना की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में अभिभावक विद्यालय एवं अस्पताल पहुंच गए। अचानक हुई इस घटना से कुछ समय के लिए अस्पताल और विद्यालय परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार काजल कुमारी, विनिता, रौशनी, राजकुमारी, काजल, रानी, प्रियांशी, गौरी, नैना, सोनाक्षी, रिंकी, चांदनी समेत लगभग दो दर्जन छात्राओं की तबीयत प्रभावित हुई है। स्वास्थ्य विभाग एवं प्रशासन पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रहा है। फिलहाल सभी छात्राओं का उपचार जारी है और उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

टाउन हॉल में आज मेगा रक्तदान शिविर, उपायुक्त करेंगे उद्घाटन

● जिला प्रशासन ने युवाओं, सामाजिक संगठनों एवं आम नागरिकों से स्वैच्छिक रक्तदान की अपील की

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। समाजसेवा और मानवता के प्रति समर्पण की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शनिवार, 27 जून को गढ़वा टाउन हॉल में मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर का उद्घाटन उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी पशुपति नाथ मिश्रा करेंगे। जिला प्रशासन की ओर से आयोजित इस मेगा रक्तदान शिविर में जिले के युवाओं, सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा आम नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर स्वैच्छिक रक्तदान करने की अपील की गई है। प्रशासन का कहना है कि रक्तदान महादान है और एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद मरीज के लिए जीवनदान साबित हो सकता है। उपायुक्त ने जिलेवासियों से इस मानवीय अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान करते हुए कहा कि स्वस्थ व्यक्ति नियमित रूप से रक्तदान कर जरूरतमंदों की जिंदगी बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से शनिवार को टाउन हॉल पहुंचकर रक्तदान करने तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील की। जिला प्रशासन ने विश्वास जताया है कि गढ़वा के लोग इस सामाजिक सरोकार से जुड़े अभियान को सफल बनाने में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएंगे ।

धुरकी में शांतिपूर्ण माहौल में मनाया गया मुहर्रम

धुरकी। प्रखंड क्षेत्र में शुक्रवार को मोहर्रम का पर्व पूरी श्रद्धा, अकीदत और भाईचारे के साथ मनाया गया। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने पारंपरिक ताजिया जुलूस निकाला, जो निर्धारित मार्गों से होते हुए कर्बला पहुंचा। वहां धार्मिक परंपराओं के अनुसार पहलाम की रस्म अदा की गई। पूरे आयोजन के दौरान अनुशासन और सौहार्द का वातावरण बना रहा। मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन और पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रही। जुलूस मार्ग के सभी संवेदनशील स्थानों, चौक-चौराहों एवं भीड़भाड़ वाले इलाकों में पुलिस बल और दंडाधिकारियों की तैनाती की गई थी। पुलिस के अधिकारी लगातार जुलूस की निगरानी करते रहे और सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष नजर बनाए रखी। पुलिस प्रशासन की सतर्कता तथा स्थानीय लोगों के सहयोग से पूरा जुलूस निर्धारित समय पर शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। पर्व के दौरान कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली।

सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल बना ताजिया मिलन समारोह

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर। प्रखंड क्षेत्र के मकरी गांव में शुक्रवार को आयोजित ताजिया मिलन समारोह सांप्रदायिक सौहार्द, सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे का प्रतीक बनकर उभरा। कार्यक्रम में विभिन्न समुदायों के लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर एक-दूसरे से गले मिलकर प्रेम, सद्भाव और एकता का संदेश दिया। समारोह पूरे उत्साह, श्रद्धा और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। ताजिया मिलन के दौरान लोगों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों का पालन करते हुए सामाजिक सौहार्द को मजबूत करने का संकल्प लिया। आयोजन स्थल पर सभी वर्गों और समुदायों के लोगों की सहभागिता ने क्षेत्र की गंगा-जमुनी संस्कृति की खूबसूरत झलक पेश की। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों, बुद्धिजीवियों और ग्रामीणों ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में आपसी विश्वास, भाईचारे और सामाजिक एकता को मजबूत करने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि सभी धर्मों और समुदायों के लोगों को इसी तरह मिल-जुलकर रहना चाहिए, ताकि समाज में प्रेम, शांति और सद्भाव का वातावरण कायम रहे।

सरकारी पुस्तकों और चावल की बिक्री का आरोप, जांच की मांग

नवीन मेल संवाददाता

भंडरिया। प्रखंड के कुरुण स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक उपेंद्र गुप्ता पर सरकारी पुस्तकों एवं विद्यालय के चावल की कथित बिक्री का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों और अभिभावकों ने जिला प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग की है। ग्रामीणों ने जिला शिक्षा अधीक्षक को दिए आवेदन में आरोप लगाया है कि विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध कराई गई सरकारी पुस्तकों को बिना विभागीय अनुमति के कबाड़ के भाव बेच दिया गया। साथ ही विद्यालय के तीन से चार बोरा चावल बेचने का भी आरोप लगाया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि यह सरकारी संपत्ति का दुरुपयोग है तथा शिक्षा व्यवस्था के प्रति गंभीर लापरवाही का मामला है। आवेदन में यह भी कहा गया है कि विरोध करने पर प्रभारी प्रधानाध्यापक ने ग्रामीणों के साथ अभद्र व्यवहार किया तथा झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। मामले की जानकारी मिलने पर बीपीओ एडमोन कच्छप, सीआरपी सत्यनारायण यादव, बीआरपी शमशेर अंसारी तथा बीडीसी महेश यादव विद्यालय पहुंचकर प्रारंभिक जांच की। ग्रामीणों ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषी पाए जाने पर संबंधित प्रभारी प्रधानाध्यापक के विरुद्ध विभागीय एवं कानूनी कार्रवाई की मांग की है। आवेदन की प्रतिलिपि क्षेत्रीय शिक्षा उपनिदेशक, जिला शिक्षा पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारियों को भी भेजी गई है।

बिरला ओपन माइंड्स इंटरनेशनल स्कूल में तीन दिवसीय समर कैंप शुरू

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। बिरला ओपन माइंड्स इंटरनेशनल स्कूल में शुक्रवार से तीन दिवसीय समर कैंप का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन रमना के अंचल अधिकारी विकास कुमार पांडेय, प्रमुख करुणा सोनी, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता चंद्रशेखर सिंह, वरिष्ठ पत्रकार धीरेंद्र चौबे तथा झारखंड खेल रत्न एवं झारखंड तीरंदाजी एवं राइफल शूटिंग एसोसिएशन के संयुक्त सचिव सुमित बर्मन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। अतिथियों का स्वागत तिलक, पुष्पगुच्छ, शॉल और स्मृति चिन्ह देकर किया गया। समर कैंप में बिरला स्कूल के अलावा अन्य विद्यालयों के छात्र भी उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। अतिथियों ने बच्चों के सर्वांगीण विकास, अनुशासन, खेल और रचनात्मक गतिविधियों के महत्व पर प्रकाश डाला। निदेशक मनीष सिंह ने कहा कि समर कैंप का उद्देश्य छात्रों में आत्मविश्वास, व्यक्तित्व विकास और नई प्रतिभाओं को निखारना है। सह निदेशक युवराज सिंह एवं प्राचार्य रविश प्रजापति ने भी विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकों से आगे बढ़कर जीवन कौशल सीखने के लिए प्रेरित किया। तीन दिवसीय शिविर में राइफल शूटिंग, तीरंदाजी, नो-फायर कुकिंग, नृत्य, संगीत, कला एवं शिल्प सहित कई गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन कोमल केशरी ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन शिक्षिका भावना ओझा ने किया।

मुहर्रम की पहलाम जुलूस में उमड़ी आस्था ताजिया और पारंपरिक करतब बने आकर्षण

● श्री बंशीधर नगर अनुमंडल में भाईचारे के माहौल में निकला जुलूस, ड्रोन से हुई निगरानी

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। अनुमंडल मुख्यालय सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में मुहर्रम की पहलाम (छोटी चौकी) का जुलूस शुक्रवार को पूरी अकीदत, भाईचारे और शांतिपूर्ण वातावरण में निकाला गया। विशुनपुर, नगर उंटारी, चेचरिया, कधवन, कोइन्दी, नरही, हुलहुला खुर्द, कुशदंड, जंगीपुर, सोनबरसा, बरडीहा, बम्बा सहित कई गांवों से आकर्षक ताजिया और अखाड़ों के जुलूस निकले। जुलूस में शामिल अकीदतमंदों ने "या अली-या हुसैन" के नारों के साथ हजरत इमाम हुसैन की शहादत को याद किया। युवाओं ने लाठी, तलवार एवं पारंपरिक युद्ध कलाओं का प्रदर्शन किया, जबकि इस्लामिक झंडों के साथ राष्ट्रीय तिरंगा भी आकर्षण का केंद्र रहा। विधायक अनंत प्रताप देव ने कहा कि मुहर्रम त्याग, बलिदान और इंसानियत का संदेश देता है। झामुमो नेता ताहीर अंसारी एवं दीपक प्रताप देव ने भी सामाजिक समरसता और भाईचारे को मजबूत बनाने का संदेश दिया। पूरे आयोजन के दौरान एसडीपीओ सत्येंद्र नारायण सिंह, पुलिस निरीक्षक जितेंद्र कुमार आजाद तथा थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करते रहे। ड्रोन कैमरे से पूरे जुलूस की निगरानी की गई तथा विभिन्न स्थानों पर शरबत और पेयजल की व्यवस्था भी की गई।

विकसित भारत की मजबूत नींव रखी है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने : देवेश तिवारी

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। राज्य स्तरीय दिशा समिति, झारखंड के सदस्य एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के प्रतिनिधि देवेश तिवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में भारत ने विकास, सुशासन, सामाजिक न्याय, आधारभूत संरचना, जनजातीय कल्याण और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने विकसित भारत की मजबूत नींव रखी है और देश आज सशक्त, समृद्ध एवं सुरक्षित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। शुक्रवार को श्री बंशीधर नगर स्थित सर्किट हाउस में आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने झारखंड में 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया है। देवघर में एम्स की स्थापना से राज्य को विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधा मिली है, जबकि देवघर हवाई अड्डे के संचालन से क्षेत्रीय संपर्क और पर्यटन को नई गति मिली है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों एवं ग्रामीण सड़कों का व्यापक विस्तार, रेलवे अवसंरचना का आधुनिकीकरण, जल जीवन मिशन के तहत लाखों ग्रामीण परिवारों तक नल से जल पहुंचाना तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से गरीब परिवारों को पक्के मकान उपलब्ध कराना केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं। आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से करोड़ों लोगों को लाभ मिला है।

सर्वसम्मति से मो. बाबर अली बने विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष

डंडई। प्रखंड क्षेत्र के डंडई सदर पंचायत स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय बैरियादामर में बुधवार को विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) का पुनर्गठन शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक वातावरण में संपन्न हुआ। पुनर्गठन प्रक्रिया की अध्यक्षता मोहम्मद फखरुद्दीन अंसारी ने की। बैठक में उपस्थित अभिभावकों एवं समिति सदस्यों ने सर्वसम्मति से मोहम्मद बाबर अली को अध्यक्ष, सीमा देवी को उपाध्यक्ष तथा सकीना बीवी को संयोजिका चुना। चुनाव प्रक्रिया के दौरान विभागीय पर्यवेक्षक के रूप में दिलीप कुमार यादव, संजय कुमार पाठक एवं अमरजीत राम उपस्थित रहे। विद्यालय के प्रधानाध्यापक अंबिका मांझी के सहयोग से पूरी प्रक्रिया पारदर्शी ढंग से संपन्न हुई।

खाद लेकर लौट रहे किसान की सड़क हादसे में मौत

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। घाघरा थाना क्षेत्र के चेचेपाट नहर के समीप शुक्रवार अपराह्न हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक किसान की मौत हो गई। स्कूटी अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर जाने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद गांव में मातम छा गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक की पहचान चेचेपाट गांव निवासी मंगलेश्वर उरांव के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार वह शुक्रवार को स्कूटी से घाघरा बाजार खाद खरीदने आए थे। खाद लेकर शाम करीब चार बजे घर लौट रहे थे। इसी दौरान चेचेपाट नहर के समीप उनकी स्कूटी अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। हादसे में उनके सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल परिजनों को सूचना दी और स्थानीय ग्रामीणों की मदद से घायल किसान को इलाज के लिए सदर अस्पताल गुमला पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण मृतक के घर पहुंचकर शोक संतप्त परिवार को सांत्वना देने लगे। सूचना मिलने पर पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में स्कूटी के अनियंत्रित होकर गिरने से हादसा होने की बात सामने आई है। हालांकि दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है।

सांसद कालीचरण सिंह ने कुंदा में दो सांसद प्रतिनिधि किए नामित

कुंदा (चतरा)। चतरा लोकसभा सांसद कालीचरण सिंह ने कुंदा प्रखंड में स्वास्थ्य और बाल विकास योजनाओं की बेहतर निगरानी एवं संचालन के लिए दो सांसद प्रतिनिधियों को नामित किया है। उन्होंने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को पत्र भेजकर इसकी जानकारी दी और आवश्यक सहयोग करने का निर्देश दिया। सांसद ने पत्रांक 479 के माध्यम से सीडीपीओ, कुंदा को सूचित किया कि पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष अनीता देवी को बाल विकास परियोजना, कुंदा का सांसद प्रतिनिधि बनाया गया है। अनीता देवी लंबे समय से संगठन में सक्रिय हैं और क्षेत्र की समस्याओं से भलीभांति परिचित हैं। उनसे महिला एवं बाल कल्याण योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन की उम्मीद जताई गई है।

नेतरहाट बस स्टैंड की सरकारी जमीन से हटेगा अतिक्रमण, 28 दुकानदारों को नोटिस

नवीन मेल संवाददाता

महुआडांड़/नेतरहाट (लातेहार)। पर्यटन नगरी नेतरहाट में सरकारी जमीन पर हुए अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। नेतरहाट बाजार परिसर में वर्षों से संचालित 28 दुकानों और सरकारी भवन में रह रहे लोगों को जगह खाली करने का नोटिस जारी किया गया है। तय समय तक कब्जा नहीं हटाने पर प्रशासन बुलडोजर चलाकर अतिक्रमण हटाएगा। वन विभाग ने बस स्टैंड क्षेत्र की सरकारी जमीन पर बनी 28 दुकानों को चिन्हित कर नोटिस दिया है। नोटिस में स्पष्ट कहा गया है कि निर्धारित समय के भीतर दुकानदार स्वयं अपना अतिक्रमण हटा लें। प्रशासन ने सरकारी भवन में रह रहे लोगों को भी तत्काल भवन खाली करने का निर्देश दिया है। अधिकारियों ने कहा कि सरकारी संपत्ति का निजी उपयोग किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। एसडीओ सुलेमान मुंडरी ने कहा कि सरकारी जमीन पर कब्जा करने वाले लोग स्वयं जगह खाली कर दें। यदि तय समय में अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर बुलडोजर भी चलाया जाएगा। डीएसपी पूजा कुमारी ने कहा कि सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कानूनन अपराध है। सभी लोग प्रशासन का सहयोग करें और शांतिपूर्वक अतिक्रमण हटाएं। कार्रवाई के दौरान कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने की पूरी तैयारी कर ली है। अधिकारियों का कहना है कि नोटिस की अवधि समाप्त होते ही कार्रवाई शुरू की जाएगी। नेतरहाट को अतिक्रमण मुक्त बनाकर पर्यटन विकास के कार्यों को गति देना प्रशासन की प्राथमिकता है।

ताजिया जुलूस, पहलाम की रस्म और मातमी आयोजन के बीच प्रशासन पूरे दिन रहा मुस्तैद

नवीन मेल संवाददाता

खरौंधी (गढ़वा)। प्रखंड क्षेत्र में मुहर्रम का पर्व शुक्रवार को आपसी भाईचारे, अकीदत और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो गया। चार दिवसीय धार्मिक आयोजन का समापन विभिन्न अखाड़ों के ताजिया जुलूस के कर्बला पहुंचने तथा पहलाम की रस्म के साथ हुआ। पूरे दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही और क्षेत्र में सौहार्दपूर्ण माहौल देखने को मिला। मुहर्रम की शुरुआत मंगलवार को केरा मिट्टी और शहीद-ए-कर्बला हजरत इमाम हुसैन की याद के साथ हुई थी। गुरुवार को परंपरा के अनुसार छोटकी चौकी निकाली गई, जबकि शुक्रवार को सुबह और शाम विभिन्न गांवों से भव्य ताजिया जुलूस निकाले गए। श्रद्धालुओं ने पूरे अनुशासन के साथ मातमी जुलूस में भाग लिया और कर्बला पहुंचकर पहलाम की रस्म अदा की। खरौंधी, चंदनी, मझिगावां, राजी, करीवाडीह और सेमरवा की इंतजामिया कमेटियों ने आयोजन की व्यापक तैयारी की थी। पूरे आयोजन के दौरान अंचल अधिकारी गौतम कुमार लकड़ा और थाना प्रभारी गुलशन कुमार गौतम लगातार क्षेत्र का भ्रमण करते रहे। संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी। अंचल अधिकारी गौतम कुमार लकड़ा ने कहा कि सभी इंतजामिया कमेटियों, जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों और प्रशासन के सहयोग से पर्व पूरी शांति एवं सौहार्द के साथ संपन्न हुआ। वहीं थाना प्रभारी गुलशन कुमार गौतम ने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस लगातार गश्त करती रही और स्थानीय लोगों के सहयोग से पूरा आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

कड़ी सुरक्षा के बीच शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ मोहर्रम

भव्य ताजिया जुलूस, गतका और पारंपरिक करतब बने आकर्षण का केंद्र

● प्रशासन की मुस्तैदी से सौहार्दपूर्ण रहा आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

चिनिया। प्रखंड मुख्यालय सहित आसपास के विभिन्न गांवों में शुक्रवार को मोहर्रम का पर्व पूरी अकीदत, श्रद्धा, भाईचारे और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। पूरे दिन क्षेत्र में धार्मिक आस्था और सामाजिक सौहार्द का अद्भुत संगम देखने को मिला। प्रशासन की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और स्थानीय इंतजामिया कमेटियों के सहयोग से पूरा आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ तथा कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। मोहर्रम के अवसर पर चिनिया एवं रानीचेरी से भव्य ताजिया जुलूस निकाला गया। पारंपरिक मार्गों से गुजरते हुए जुलूस चिनिया कर्बला मैदान पहुंचा, जहां शहीद-ए-कर्बला हजरत इमाम हुसैन की याद में पहलाम की रस्म अदा की गई और अकीदतमंदों ने मातम किया। जुलूस में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भागीदारी रही तथा पूरे मार्ग में अनुशासन और धार्मिक आस्था का माहौल बना रहा। इंतजामिया कमेटी की ओर से अतिथियों, जनप्रतिनिधियों और पत्रकारों को पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। अधिकारियों ने सभी समुदायों, इंतजामिया कमेटी और क्षेत्रवासियों को शांतिपूर्ण आयोजन के लिए धन्यवाद देते हुए भविष्य में भी आपसी भाईचारा और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की अपील की। इस दौरान पारंपरिक गतका सहित कई रोमांचक खेलों एवं करतबों का प्रदर्शन किया गया, जिसने हजारों दर्शकों का मन मोह लिया। आयोजन में मोहम्मद यासीन मलिक, अरविंद यादव, बंधु राम रवि, सुरेंद्र प्रसाद, अकबर अंसारी, आरजू हसन, मोहम्मद फारूक, बेलाल, नसीम, दानिश, मोहम्मद गुड्डू, नवाज सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की विशेष तैनाती की गई

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिनिया थाना प्रभारी बीकू कुमार रजक के नेतृत्व में पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहा। चिनिया, खुरी, बेसरी, बरवाडीह, चपकली और ठाढ़ापत्थर सहित विभिन्न संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की विशेष तैनाती की गई थी। अधिकारी लगातार क्षेत्र का भ्रमण कर स्थिति पर नजर बनाए हुए थे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में थाना प्रभारी बीकू कुमार रजक एवं अंचल अधिकारी उमेश्वर यादव उपस्थित रहे।

मुहर्रम को लेकर सड़क पर उतरे डीसी-एसपी, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

- पर्व को शांतिपूर्ण बनाने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद, अफवाह फैलाने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए लातेहार जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। शुक्रवार को जिला मुख्यालय से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही। प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी लगातार क्षेत्र का भ्रमण कर कानून-व्यवस्था की निगरानी करते रहे।

उपायुक्त संदीप कुमार और पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने जिला मुख्यालय, रेलवे स्टेशन तथा विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा शांति और सौहार्द बनाए रखने पर विशेष जोर दिया।

इससे पहले गुरुवार को जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों और संवेदनशील स्थानों पर फ्लैग मार्च निकाला गया था। प्रशासन ने लोगों से शांतिपूर्ण ढंग से मुहर्रम मनाने की अपील की और स्पष्ट किया कि कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिलेभर में पर्याप्त संख्या में पुलिस बल और दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। सोशल मीडिया पर भी प्रशासन की विशेष नजर है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि भ्रामक या आपत्तिजनक पोस्ट करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन के अनुसार, शहरी क्षेत्र में 27 जून को तथा रेलवे स्टेशन और कई ग्रामीण क्षेत्रों में 26 जून को मुहर्रम का जुलूस निकाला गया। सभी जुलूसों के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे।

निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी दिनेश कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संदीप कुमार गुप्ता, प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज तिवारी, अंचल अधिकारी नंदकुमार राम, थाना प्रभारी प्रमोद कुमार सिन्हा सहित कई प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

दृष्टिपात

20 घंटे बाद मृतक चालक के परिजनों को मिला चार लाख रुपये मुआवजा

टंडवा (चतरा)। आम्रपाली परियोजना से शिवपुर साइडिंग तक कोयला ढुलाई में लगे हायवा चालक की दर्दनाक मौत के करीब 20 घंटे बाद परिजनों को चार लाख रुपये मुआवजा दिया गया। इसके बाद बंद पड़ी कोयला ढुलाई दोबारा शुरू हो सकी। गौरतलब है कि कटकमसांडी के खैरका निवासी 40 वर्षीय चालक संतोष यादव की दुर्घटना में मौत के बाद परिजनों ने मुआवजे की मांग को लेकर शव को ट्रांसपोर्टिंग सड़क पर रखकर प्रदर्शन किया था। इससे एवीएस और वेरिएंट कंपनी के वाहनों की लंबी कतार लग गई थी और कोयला ढुलाई पूरी तरह ठप हो गई थी। इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी पप्पू शर्मा की पहल पर एवीएस कंपनी के प्रतिनिधि आदित्य साहु की मौजूदगी में वार्ता हुई। इसमें मृतक के आश्रितों को कुल चार लाख रुपये देने पर सहमति बनी। तत्काल दो लाख रुपये नकद दिए गए, जबकि शेष दो लाख रुपये का चेक सौंपा गया। मौजूद लोगों ने बताया कि मृतक की पत्नी और माता-पिता का पहले ही निधन हो चुका है। अब उनके दो छोटे बच्चों के पालन-पोषण की जिम्मेदारी परिजनों पर आ गई है।

बैजनाथ राम के राज्यसभा सदस्य बनने पर लातेहार में खुशी

लातेहार। झामुमो के केंद्रीय उपाध्यक्ष बैजनाथ राम के राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने पर लातेहार जिले में खुशी का माहौल रहा। इस अवसर पर समाजसेवी अशोक कुमार उर्फ बूटा ने लोगों के बीच मिठाइयां बांटकर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बैजनाथ राम का राज्यसभा पहुंचना लातेहार और पूरे झारखंड के लिए गौरव की बात है। उनसे उम्मीद है कि वे संसद के उच्च सदन में जिले और राज्य से जुड़े जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाएंगे तथा विकास कार्यों को गति दिलाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रभावी पहल होने से जिले के विकास को नई दिशा मिल सकती है। इस दौरान मौजूद लोगों ने भी बैजनाथ राम को शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की। मिठाई वितरण कार्यक्रम में क्षेत्र के कई गणमान्य लोग एवं स्थानीय नागरिक शामिल हुए।

मिठास के साथ बांटी इंसानियत, अनाथ बच्चों संग मनाई शादी की सालगिरह और बेटे का जन्मदिन

महुआडांड़। रिश्तों और त्योहारों की मिठास जब इंसानियत से जुड़ती है तो उत्सव यादगार बन जाता है। ऐसी ही मिसाल महुआडांड़ स्थित कामधेनु स्वीट स्टोर के प्रोपराइटर विजय प्रसाद ने पेश की। उन्होंने अपनी शादी की सालगिरह एवं पुत्र मयंक कुमार का जन्मदिन आरपीएस सेवा संस्थान में रह रहे अनाथ बच्चों के साथ मनाया। इस अवसर पर विजय प्रसाद अपनी धर्मपत्नी सुधा देवी, पुत्र मयंक कुमार एवं परिजनों के साथ संस्थान पहुंचे। परिवार ने बच्चों को अपने हाथों से मिठाइयां खिलाईं, केक काटा और उनके साथ समय बिताया। बच्चों ने तालियों और गीतों के साथ जन्मदिन एवं सालगिरह का उत्सव मनाया, जिससे पूरा वातावरण खुशियों और अपनत्व से भर गया। विजय प्रसाद ने संस्थान को चावल एवं एक हजार रुपये की नगद सहयोग राशि भी प्रदान की। उन्होंने कहा कि जीवन के महत्वपूर्ण अवसरों की वास्तविक खुशी तब मिलती है, जब उन्हें उन बच्चों के साथ साझा किया जाए जिनके पास अपना कहने वाला कोई नहीं है। ऐसे छोटे-छोटे प्रयास ही समाज में प्रेम और मानवता को जीवित रखते हैं। इस दौरान आरपीएस सेवा संस्थान के संचालक कमलेश यादव, जयवंत यादव सहित संस्थान के सदस्य मौजूद रहे। कमलेश यादव ने विजय प्रसाद के इस कदम की सराहना करते हुए कहा कि यदि प्रत्येक सक्षम परिवार महीने में एक दिन भी ऐसे बच्चों के साथ बिताए तो कोई भी बच्चा स्वयं को अनाथ महसूस नहीं करेगा।

अकीदत के साथ मनाया गया मुहर्रम

बरवाडीह। प्रखंड क्षेत्र में मुहर्रम का पर्व शुक्रवार को श्रद्धा, अकीदत और आपसी भाईचारे के साथ मनाया गया। बरवाडीह, मंडल, छेंचा, केचकी, पोखरी, बेतला, छिपादोहार, खुरा, चुंगरू, लात सहित कई गांवों और मोहल्लों से पारंपरिक ताजिया जुलूस निकाले गए। बड़ी संख्या में अकीदतमंद जुलूस में शामिल हुए और हजरत इमाम हुसैन की शहादत को याद करते हुए "या अली" और "या हुसैन" के नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। जुलूस के दौरान विभिन्न अखाड़ों के कलाकारों ने लाठी, तलवार और अन्य पारंपरिक युद्ध कलाओं का शानदार प्रदर्शन किया। कलाकारों के हैरतअंगेज करतबों को देखने के लिए मार्ग के दोनों ओर लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। कई स्थानों पर ताजियों का स्वागत किया गया तथा श्रद्धालुओं के लिए शरबत, पेयजल और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं। पोखरी मुहर्रम कमेटी की ओर से अतिथियों का पारंपरिक पगड़ी पहनाकर सम्मान भी किया गया। मुहर्रम को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी और प्रशासनिक अधिकारी लगातार क्षेत्र का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहे। प्रशासन की सतर्कता और लोगों के सहयोग से पूरा पर्व शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। मुहर्रम के अवसर पर पूरे क्षेत्र में सामाजिक सद्भाव, आपसी प्रेम और भाईचारे की मिसाल देखने को मिली। विभिन्न समुदायों के लोगों ने मिलकर पर्व को सफल बनाने में सहयोग दिया, जिससे आयोजन गरिमापूर्ण और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

अकीदत और भाईचारे के साथ निकला मुहर्रम का जुलूस

गिद्धौर (चतरा)। प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों में मुहर्रम का पर्व श्रद्धा, अकीदत और आपसी भाईचारे के साथ मनाया गया। गांगपुर, लुब्धिया, महुआडांड़, द्वारी, मांझगवां और बारिसाखी सहित कई गांवों में पारंपरिक ताजिया जुलूस निकाले गए। बड़ी संख्या में लोगों ने जुलूस में शामिल होकर हजरत इमाम हुसैन की शहादत को याद किया। जुलूस निर्धारित मार्गों से होकर गांवों के प्रमुख चौक-चौराहों तक पहुंचा। पूरे मार्ग में "या अली" और "या हुसैन" के नारों से वातावरण गूंजता रहा। विभिन्न अखाड़ों के युवाओं ने लाठी, तलवार, भाला और अन्य पारंपरिक युद्ध कलाओं का शानदार प्रदर्शन किया। कलाकारों के आकर्षक करतबों को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग मार्ग के दोनों ओर मौजूद रहे। पर्व के दौरान पूरे क्षेत्र में सौहार्द और सामाजिक एकता का माहौल देखने को मिला। विभिन्न समुदायों के लोगों ने मिलकर आयोजन को सफल बनाने में सहयोग किया। कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। मुहर्रम को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। अंचल अधिकारी अनंत सयनम विश्वकर्मा एवं थाना प्रभारी पुरुषोत्तम अग्निहोत्री लगातार विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहे। संवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। प्रशासन ने बताया कि लोगों के सहयोग और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के कारण पूरे प्रखंड में मुहर्रम का पर्व शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और व्यवस्थित माहौल में संपन्न हुआ।

इमाम हुसैन की शहादत जुल्म के खिलाफ इंसाफ की मिसाल : इफ्तेखार अहमद

महुआडांड़। मोहर्रम के अवसर पर झारखंड कांग्रेस के प्रदेश प्रतिनिधि इफ्तेखार अहमद ने हजरत इमाम हुसैन की शहादत को नमन करते हुए समस्त झारखंडवासियों को पर्व की मुबारकबाद दी। उन्होंने कहा कि कर्बला की कुर्बानी केवल इस्लाम की नहीं, बल्कि पूरी इंसानियत की धरोहर है। उन्होंने कहा कि हजरत इमाम हुसैन की शहादत सत्य, इंसाफ, इंसानियत और भाईचारे की अमर मिसाल है। उन्होंने यजीद के जुल्म के आगे सिर झुकाने से इनकार करते हुए अपने 72 साथियों के साथ कर्बला के मैदान में शहादत दी। उनका बलिदान हर दौर में अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध डटकर खड़े होने की प्रेरणा देता है। इफ्तेखार अहमद ने कहा कि मोहर्रम का महीना हमें सब्र, कुर्बानी और एकता का संदेश देता है। साथ ही युवाओं से इमाम हुसैन के आदर्शों से प्रेरणा लेकर मजलूमों का साथ देने, अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने और समाज में प्रेम एवं सौहार्द बढ़ाने की अपील की।

'या हसन-या हुसैन' की सदाओं से गूंजा चंदवा

- शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ मुहर्रम
- थाना परिसर में बेहतरीन ताजियों को किया गया सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। त्याग और बलिदान का पर्व मुहर्रम चंदवा में पूरी श्रद्धा, आस्था और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुस्लिम समुदाय की ओर से भव्य जुलूस निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। जुलूस में इस्लामिक झंडों के साथ तिरंगा भी लहराता दिखाई दिया।

कामता, शुक्रबाजार, बेलवाही, कुजरी, तिलैयाटांड़, बोदा और परसाही सहित विभिन्न क्षेत्रों से ताजिया और अखाड़ा जुलूस हरैया स्थित श्रीराम चौक पहुंचे। वहां से सभी जुलूस सुभाष चौक, मेन रोड होते हुए इंदिरा गांधी चौक पहुंचे, जहां नियाज और फातिहा की रस्म अदा की गई।

जुलूस के दौरान लोग "या हसन, या हुसैन" और "या रसूल" के नारे लगा रहे थे। विभिन्न अखाड़ों के युवाओं ने पारंपरिक करतबों का प्रदर्शन कर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। इसके बाद कामता कर्बला में मिट्टी मंजिल की रस्म के साथ जुलूस का समापन हुआ।

थाना परिसर में एसडीपीओ संदीप कुमार गुप्ता, पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी अशोक कुमार सिंह, बीडीओ चंदन प्रसाद और अंचलाधिकारी सुमित झा के नेतृत्व में आकर्षक ताजिया बनाने वाली समितियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन दीपु कुमार सिन्हा ने किया। इस मौके पर चंदवा पूर्वी मुखिया रंजीत उरांव, राजेशचन्द्र पांडेय, राजेंद्र यादव, संजीव आजाद, डॉ. शम्स राजा, बाबर खान, बिनोद कुमार गुड्डू, असगर खान, अयुब खान, अजय वैध, रामयश पाठक, इरशाद मुन्ना, ग्यास खान, शाहिद खान, बबलू खान, भोला खान, जहांगीर खान सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे। मुहर्रम जुलूस के दौरान चंदवा पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रही। एसडीपीओ संदीप कुमार गुप्ता और थाना प्रभारी अशोक कुमार सिंह के नेतृत्व में जगह-जगह पुलिस बल और महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। प्रशासन की सतर्कता और लोगों के सहयोग से पूरा पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

शांति व सौहार्द के साथ निकला ताजिया जुलूस

हेरहंज। प्रखंड क्षेत्र में मोहर्रम का पर्व पूरी श्रद्धा, शांति और भाईचारे के साथ मनाया गया। पुरनी हेरहंज, रोहन, बिजरा, चिरू, नवादा, केड़ू, लावागड़ा, बंदरलोरी सहित कई गांवों में ताजिया जुलूस निकाले गए। बड़ी संख्या में लोग जुलूस में शामिल हुए और पारंपरिक तरीके से पर्व मनाया। इस दौरान युवाओं ने लाठी, डंडा, तलवार एवं अन्य पारंपरिक युद्ध कलाओं का शानदार प्रदर्शन किया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। कई स्थानों पर मेले का भी आयोजन हुआ, जहां मिठाइयों एवं अन्य खाद्य पदार्थों की दुकानें सजी रहीं। पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस और प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। थाना प्रभारी कृष्ण पाल सिंह पवैया, बीडीओ अमित कुमार, अंचल अधिकारी दिवाकर दुबे सहित प्रशासनिक अधिकारी लगातार क्षेत्र का भ्रमण करते रहे और सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करते रहे। इस अवसर पर जलाल अंसारी, हबीब अंसारी, शाहिद अंसारी, शमीम अंसारी, जसीमुद्दीन अंसारी, रजक मियां, अब्दुल मियां, नासिर मियां, कलीम अंसारी, प्यारउल अंसारी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

ग्रामीण क्षेत्रों में अकीदत के साथ मनाया गया मुहर्रम

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ। मोहर्रम का पर्व बालूमाथ थाना क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में श्रद्धा, अनुशासन और आपसी भाईचारे के साथ मनाया गया। शेरगड़ा, मासियातु, जिलंगा सहित कई गांवों में परंपरागत ताजिया जुलूस निकाले गए। शेरगड़ा में जरी, गणेशपुर और आसपास के गांवों से ताजिया जुलूस पहुंचने के बाद पारंपरिक अखाड़ा का आयोजन किया गया, जिसने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। शेरगड़ा बाजार टांड़ में युवा समिति की ओर से हर वर्ष की तरह इस बार भी मेला एवं अखाड़ा का आयोजन किया गया। अखाड़े में बच्चों से लेकर युवाओं तक ने तलवार, लाठी एवं अन्य पारंपरिक युद्ध कलाओं का आकर्षक प्रदर्शन किया। कलाकारों के हैरतअंगेज करतबों पर दर्शकों ने तालियों से उनका उत्साह बढ़ाया।

आयोजन समिति ने अतिथियों का बैच लगाकर स्वागत किया। अतिथियों ने आयोजन की सराहना करते हुए युवाओं के कला प्रदर्शन की प्रशंसा की। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर फूलबासिया पिकेट प्रभारी अनुभव सिन्हा पुलिस बल के साथ पूरे कार्यक्रम में मौजूद रहे। कार्यक्रम में कुदूर्श मियां, मो. मुजम्मिल, सुरेंद्र उरांव, सहेंद्र राम, मो. सलीम, लखन यादव, चंद्र मोहन यादव, विजय यादव, उदय गंझू, आदित प्रजापति सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मो. सुहैल तथा संचालन शेख अब्दुल्ला ने किया। वहीं मो. हाफिज, मो. महफूज, मो. सलाउद्दीन, कयूम अंसारी सहित अन्य लोगों ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सौहार्द के साथ संपन्न हुआ मुहर्रम, मनिका हाई स्कूल मैदान में ताजियों का भव्य मिलान

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। मनिका प्रखंड में मुहर्रम का पर्व शनिवार को आपसी भाईचारे, शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रखंड के विभिन्न गांवों और पंचायतों से पारंपरिक ताजिया जुलूस और अखाड़े निकाले गए, जिनमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

जुलूस के दौरान युवाओं और अखाड़ा दलों ने लाठी, तलवार तथा अन्य पारंपरिक युद्ध कलाओं का आकर्षक प्रदर्शन किया। इन करतबों को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों से निकले ताजिया जुलूस निर्धारित मार्गों से होते हुए मनिका हाई स्कूल मैदान पहुंचे, जहां सभी ताजियों का पारंपरिक मिलान कराया गया। इस दौरान पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल रहा। मुहर्रम पर्व के दौरान सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। प्रशासन, जनप्रतिनिधियों, अखाड़ा समितियों और स्थानीय लोगों के सहयोग से पूरा आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। मुहर्रम हजरत इमाम हसन और हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में मनाया जाता है। यह पर्व त्याग, बलिदान, सत्य, न्याय और इंसानियत का संदेश देता है। इस अवसर पर लोगों ने इमाम हुसैन की कुर्बानी को श्रद्धापूर्वक याद किया। पर्व के दौरान विभिन्न समुदायों के लोगों ने भी एक-दूसरे का सहयोग कर सामाजिक एकता और भाईचारे की मिसाल पेश की। शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ यह आयोजन क्षेत्र में आपसी सद्भाव का संदेश दे गया।

नेतरहाट में शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ मोहर्रम

महुआडांड़ (लातेहार)। नेतरहाट थाना क्षेत्र में मोहर्रम का पर्व पूरी तरह शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। थाना प्रभारी अभिषेक कुमार के नेतृत्व में पुलिस प्रशासन की मुस्तैदी और स्थानीय लोगों के सहयोग से पूरे क्षेत्र में कहीं भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। मोहर्रम जुलूस को लेकर थाना प्रभारी अभिषेक कुमार सुबह से ही दलबल के साथ क्षेत्र का भ्रमण करते रहे। संवेदनशील स्थानों, प्रमुख चौक-चौराहों एवं जुलूस मार्ग पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी। अकीदतमंदों ने पारंपरिक तरीके से "या हुसैन" की सदाओं के बीच मातमी जुलूस निकाला। युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने अनुशासन और श्रद्धा के साथ पर्व मनाया। थाना प्रभारी अभिषेक कुमार ने कहा कि शांतिपूर्ण मोहर्रम के लिए वे नेतरहाट की आवाम, मोहर्रम कमेटी एवं पुलिस जवानों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि यह अमन सभी के सहयोग का परिणाम है। हमारी कोशिश थी कि प्रत्येक व्यक्ति सुरक्षित महसूस करे और अपनी आस्था के अनुरूप पर्व मना सके। मोहर्रम कमेटी के पदाधिकारियों ने भी प्रशासन के सहयोग की सराहना की। स्थानीय लोगों ने कहा कि थाना प्रभारी की सक्रियता के कारण पूरे क्षेत्र में शांति और सौहार्द का वातावरण बना रहा।

वज्रपात से 17 वर्षीय किशोरी की मौत, गांव में शोक

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ। बालूमाथ थाना क्षेत्र के पिंडारकोम गांव में शुक्रवार को वज्रपात की चपेट में आने से 17 वर्षीय किशोरी की मौत हो गई। मृतका की पहचान सुकरी कुमारी, पिता यशोदा यादव, निवासी पिंडारकोम के रूप में हुई है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार, मौसम खराब था और तेज गरज के साथ बारिश होने की संभावना थी। इसी दौरान सुकरी कुमारी घर के पास खेत से मिट्टी लेने गई थी। तभी अचानक वज्रपात हुआ और वह उसकी चपेट में आ गई। उसके सिर पर गंभीर चोट लगी और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही तेलातरिया खाड़ पिकेट पुलिस, बीडीओ सोमा उरांव, सीओ बालेश्वर राम तथा क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचे। सभी ने घटना पर गहरा दुख जताया। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि सीसीएल तेतरिया खाड़ माइनिंग क्षेत्र के आसपास पहले भी कई बार वज्रपात की घटनाएं हो चुकी हैं। उन्होंने सीसीएल से आसपास के गांवों में वज्रपात से बचाव के लिए सुरक्षा उपकरण लगाने तथा जिला प्रशासन से बरसात के मौसम में जागरूकता अभियान चलाने की मांग की। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लातेहार भेज दिया।

अमन, अकीदत और भाईचारे के माहौल में मना मुहर्रम

बारियातू। प्रखंड मुख्यालय सहित आसपास के क्षेत्रों में मोहर्रम का पर्व पूरी अकीदत, शांति और आपसी भाईचारे के साथ मनाया गया। बारियातू, साल्वे, इटके, रहमत नगर, रत्नादाग, बठेठ, नावाडीह और फुलसू सहित कई गांवों से पारंपरिक ताजिया जुलूस निकाले गए। बड़ी संख्या में मुस्लिम धर्मावलंबियों ने जुलूस में शामिल होकर हजरत इमाम हुसैन की शहादत को याद किया। मुहर्रम के अवसर पर विभिन्न स्थानों पर अखाड़ों के कलाकारों ने लाठी, भाला, तलवारबाजी सहित पारंपरिक युद्ध कलाओं का शानदार प्रदर्शन किया। कलाकारों के आकर्षक करतबों ने लोगों का मन मोह लिया और दर्शकों ने तालियों से उनका उत्साहवर्धन किया। इटके मुहर्रम कमेटी की ओर से कार्यक्रम में पहुंचे अतिथियों का बैच एवं पारंपरिक पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर अंचलाधिकारी कोकिला कुमारी, जिला परिषद सदस्य रमेश राम, राजेंद्र गंझू, बिरेंद्र पासवान, मोहम्मद होजैफा, प्रमुख उर्मिला देवी, उपप्रमुख निशा शाहदेव, लाल आशीष नाथ शाहदेव, शांति देवी, राजीव भगत सहित कई जनप्रतिनिधि एवं मुहर्रम कमेटी के पदाधिकारी मौजूद रहे। पर्व के दौरान प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। प्रखंड विकास पदाधिकारी अमित कुमार पासवान, अंचलाधिकारी कोकिला कुमारी तथा थाना प्रभारी रंजन कुमार पासवान पुलिस बल के साथ विभिन्न जुलूस मार्गों और अखाड़ों का लगातार निरीक्षण करते रहे। प्रशासन की मुस्तैदी और लोगों के सहयोग से पूरा आयोजन शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत एसएसबी की जागरुकता रैली, जवानों ने ली नशामुक्ति की शपथ

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। अंतरराष्ट्रीय नशीली दवाओं के दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी निरोध दिवस के अवसर पर शुक्रवार को 32वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), लातेहार की ओर से नशा मुक्त भारत अभियान के तहत शपथ ग्रहण और जन-जागरूकता पैदल रैली निकाली गई। कार्यक्रम का नेतृत्व कार्यवाहक कमांडेंट विनय कुमार ओझा ने किया।

कार्यक्रम की शुरुआत एसएसबी 32वीं वाहिनी मुख्यालय में शपथ ग्रहण समारोह से हुई। इस दौरान अधिकारियों और जवानों ने नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी भागीदारी निभाने तथा लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। सभी ने स्वयं नशीले पदार्थों से दूर रहने और परिवार व समाज को भी इसके प्रति जागरूक करने की शपथ ली।

इसके बाद मुख्यालय से जागरूकता रैली निकाली गई, जो नवरंग चौक सहित शहर के प्रमुख मार्गों से होकर पुनः मुख्यालय पहुंचकर संपन्न हुई। रैली के दौरान जवानों ने "नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो", "नशा मुक्त भारत, स्वस्थ भारत", "युवा शक्ति, राष्ट्र शक्ति, नशामुक्त हो हर बस्ती" तथा "नशे से दूरी, जीवन में खुशहाली जरूरी" जैसे नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। साथ ही पोस्टरों के जरिए नशीले पदार्थों के दुष्परिणामों की जानकारी दी गई।

रैली में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भी भाग लिया और समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया। युवाओं से शिक्षा, खेल, कौशल विकास और राष्ट्र निर्माण में अपनी ऊर्जा लगाने की अपील की गई।

कार्यवाहक कमांडेंट विनय कुमार ओझा ने कहा कि नशा एक गंभीर सामाजिक बुराई है, जिससे व्यक्ति, परिवार और समाज सभी प्रभावित होते हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे से बचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। जनसहभागिता और लगातार जागरूकता से ही नशामुक्त समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने कहा कि एसएसबी नक्सल विरोधी अभियानों के साथ-साथ समाजहित से जुड़े जनकल्याणकारी कार्यक्रमों में भी आगे बढ़कर अपनी भूमिका निभाता रहेगा।

उन्होंने बताया कि अभियान का उद्देश्य युवाओं और आम लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना तथा नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ जनसहभागिता बढ़ाना है। भविष्य में भी विद्यार्थियों और युवाओं के बीच ऐसे जागरूकता कार्यक्रम लगातार चलाए जाएंगे।

लोहरदगा में शांति व सद्भाव के साथ मना मुहर्रम, 32 अखाड़ों ने निकाला जुलूस

- मुहर्रम को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। त्याग, बलिदान और सत्य के प्रतीक मुहर्रम का पर्व जिले में शांति एवं सद्भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नगर क्षेत्र में 32 अखाड़ों ने पारंपरिक हथियारों, झांकियों और हैरतअंगेज करतबों के साथ जुलूस निकाला। सभी अखाड़े सर्वप्रथम जामा मस्जिद के समीप एकत्रित हुए, जहां अंजुमन इस्लामिया के सदर अब्दुल रउफ अंसारी, सचिव सैयद शाहिद अहमद बेलू, कोषाध्यक्ष फिरोज शाह, थाना प्रभारी इंस्पेक्टर रत्नेश मनोहर ठाकुर समेत अन्य लोगों ने उनका स्वागत किया। थाना प्रभारी रत्नेश मनोहर ठाकुर ने कहा कि मुहर्रम असत्य पर सत्य की जीत का संदेश देता है और हमें सच्चाई तथा न्याय के पक्ष में खड़े रहने की प्रेरणा देता है। वहीं अंजुमन इस्लामिया के अध्यक्ष अब्दुल रउफ अंसारी ने कहा कि इमाम ए हुसैन की शहादत अन्याय और अत्याचार के खिलाफ संघर्ष का प्रतीक है। इसके बाद अंजुमन इस्लामिया एवं केंद्रीय मुहर्रम कमेटी के नेतृत्व में विभिन्न मोहल्लों के अखाड़े जुलूस की शक्ल में शहर भ्रमण पर निकले। इस दौरान शहीदे कर्बला की याद में नारे लगाए गए और कलाम पेश किए गए। विभिन्न अखाड़ों ने जगह-जगह रुककर अपने करतबों का प्रदर्शन किया। जुलूस में कुरैशी मोहल्ला, थाना टोली, बूचन गली, न्यू रोड, अमला टोली, मिल्लत कॉलोनी, इस्लामनगर, राहत नगर, तैगी नगर, बांग्ला आजाद बस्ती, पावरगंज, अंजुमन मोहल्ला, करचा टोली, जुरिया और निंगनी गंगूपारा सहित विभिन्न मोहल्लों के अखाड़े शामिल हुए। मुहर्रम को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। उपायुक्त संदीप कुमार मीणा एवं पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी के निर्देश पर संवेदनशील स्थानों पर भारी संख्या में पुलिस बल और दंडाधिकारियों की तैनाती की गई थी। समाचार लिखे जाने तक किसी प्रकार की अप्रिय घटना की सूचना नहीं थी।

पीवीटीजी परिवारों के लिए विशेष शिविर आयोजित

विभिन्न योजनाओं से किया आच्छादित

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। उपायुक्त संदीप कुमार मीना के निर्देश पर किस्को प्रखंड अंतर्गत देवदरिया पंचायत के खरचा ग्राम में निवासरत विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) परिवारों के लिए बहुद्देश्यीय भवन खरचा में विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में अंचल अधिकारी-सह-प्रखंड विकास पदाधिकारी अजय कुमार की उपस्थिति में पीवीटीजी परिवारों को विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं से जोड़ने की पहल की गई। शिविर के दौरान पात्र लाभुकों को राशन कार्ड से जोड़ने, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं का लाभ दिलाने, आयुष्मान भारत कार्ड निर्माण, जाति, आवासीय एवं आय प्रमाण-पत्र निर्गत करने, आधार कार्ड निर्माण एवं सुधार सहित अन्य आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मियों ने लाभुकों की समस्याएं सुनकर उनका ऑन-द-स्पॉट समाधान भी किया। उल्लेखनीय है कि उपायुक्त संदीप कुमार मीना के हालिया देवदरिया पंचायत भ्रमण के दौरान ग्रामीणों द्वारा शिकायत की गई थी कि पीवीटीजी समुदाय बहुल खरचा गांव में स्थित एकमात्र जलमीनार कई दिनों से खराब होने के कारण पेयजलापूर्ति बाधित थी। उपायुक्त के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित विभाग द्वारा जलमीनार की मरम्मत कराई गई तथा आज से पेयजलापूर्ति पुनः सुचारू रूप से शुरू कर दी गई है।

ग्रामीणों ने त्वरित कार्रवाई के लिए जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। जिला प्रशासन द्वारा पीवीटीजी परिवारों को मूलभूत सुविधाओं एवं सरकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित कराने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

भाजपा कैरो मंडल की बैठक में एसआईआर मैपिंग व 'मन की बात' कार्यक्रम पर हुई चर्चा

नवीन मेल संवाददाता

कैरो। भाजपा कैरो मंडल की ओर से शुक्रवार को कैरो देवी मंडप प्रांगण में मंडल अध्यक्ष गोविंद महतो की अध्यक्षता में पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से मंडल प्रभारी संजय चौधरी उपस्थित रहे।

बैठक में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत मैपिंग कार्य की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रभारी संजय चौधरी ने कहा कि बीएलए-2 को बीएलओ के साथ घर-घर जाकर कार्य में सहयोग करना है तथा सभी पात्र मतदाताओं की मैपिंग सुनिश्चित करनी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को एसआईआर अभियान को गंभीरता से लेते हुए सक्रिय भूमिका निभाने का निर्देश दिया।

बैठक में आगामी 28 जून 2026, रविवार को सुबह 11 बजे आयोजित होने वाले प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम को लेकर भी चर्चा की गई।

कार्यकर्ताओं को अपने-अपने क्षेत्रों में अधिक से अधिक लोगों को कार्यक्रम से जोड़ने और सामूहिक रूप से प्रसारण सुनने की जानकारी दी गई। बैठक में पूर्व मंडल अध्यक्ष लखन उरांव, पूर्व जिला मंत्री कैलाश महतो, जिला उपाध्यक्ष बजरंग उरांव, मनोज साहू, संजय माली, सुखन उरांव, लाखो उरांव, विदेशी रविदास, सोमनाथ महली सहित कई भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नगर को अतिक्रमण मुक्त बनाने की मांग, शहरवासियों ने डीसी को सौंपा ज्ञापन

- अतिक्रमण से लग रहा रोजाना जाम, राहगीर परेशान

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। नगर क्षेत्र में दिनों-दिन बढ़ती अतिक्रमण की समस्या और इसके कारण चरमराती यातायात व्यवस्था को लेकर नगरवासियों की ओर से डीसी को एक मांग पत्र सौंपा गया। सौंपे गए ज्ञापन में महावीर चौक सहित पूरे शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने तथा आम नागरिकों की सुविधाओं को सुचारू करने का विनम्र आग्रह किया गया है। डीसी को सौंपे गए आवेदन में कहा गया है कि लोहरदगा नगर के प्रमुख मार्गों, चौक-चौराहों और बाजार क्षेत्रों में अवैध अतिक्रमण, गुमटियों, पान दुकानों, ठेलों और सड़क किनारे फैले अस्थायी कब्जों के कारण आवागमन में गंभीर कठिनाइयाँ उत्पन्न हो रही हैं। विशेष रूप से अप्पर बाजार स्थित महावीर चौक, जो शहर का एक प्रमुख एवं व्यस्त चौराहा है, वहाँ सड़क किनारे बनी छोटी-छोटी गुमटियों और अन्य अतिक्रमण के कारण प्रतिदिन जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही है। इससे राहगीरों, विद्यार्थियों, महिलाओं, बुजुर्गों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। नगरवासियों ने डीसी से मांग की है कि जनहित, सड़क सुरक्षा एवं नगर की गरिमा को ध्यान में रखते हुए महावीर चौक सहित पूरे लोहरदगा नगर में विशेष अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाए। साथ ही, अवैध अतिक्रमणों को नियमानुसार हटाकर भविष्य में पुनः अतिक्रमण रोकने के लिए नियमित निगरानी व स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। ज्ञापन की प्रतिलिपि अनुमंडल पदाधिकारी, अंचलाधिकारी सदर और कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद को भी उचित कार्रवाई हेतु प्रेषित की गई है। इस अवसर पर मुख्य रूप से विशाल कुमार, राहुल सिंह, शुभम अग्रवाल, बिट्टू अग्रवाल, एवं विजय सहित कई अन्य प्रबुद्ध नगरवासी मौजूद थे।

पेड़ से टकराई बाइक, युवक गंभीर घायल, रिम्स रेफर

भंडरा। भंडरा थाना क्षेत्र के लोहरदगा-भंडरा मुख्य मार्ग स्थित बरही केराटोली के समीप शुक्रवार को एक बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में कुम्हारिया गांव निवासी 22 वर्षीय अरुण साहू गंभीर रूप से घायल हो गया। वह किशोर साहू का पुत्र है।जानकारी के अनुसार अरुण साहू बाइक से लोहरदगा से अपने घर कुम्हारिया लौट रहा था। इसी दौरान बरही केराटोली के पास उसकी बाइक का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। दुर्घटना में उसका एक हाथ और एक पैर बुरी तरह जख्मी हो गया। घटना के बाद बरही गांव निवासी सामाजिक कार्यकर्ता रामचंद्र यादव ने ग्रामीणों के सहयोग से घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, भंडरा पहुंचाया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रांची स्थित रिम्स रेफर कर दिया। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

कृषि विवि के स्थापना दिवस पर दिनेश उरांव 'प्रगतिशील कृषक' सम्मान से सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता

भंडरा (लोहरदगा)। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के 46वें स्थापना दिवस समारोह में लोहरदगा जिले के भंडरा प्रखंड के प्रगतिशील किसान दिनेश उरांव को "प्रगतिशील कृषक" सम्मान से नवाजा गया है। 26 जून 2026 को आयोजित इस भव्य फाउंडेशन डे सेरेमनी में सूबे के राज्यपाल ने दिनेश उरांव को प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। दिनेश उरांव ने भंडरा प्रखंड में कृषि के तौर-तरीकों को बदलने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने क्षेत्र में जैविक खेती , ड्रिप सिंचाई और मिश्रित फसल प्रणाली को बढ़ावा देकर स्थानीय किसानों की आय दोगुनी करने की दिशा में सराहनीय कार्य किया है। इसके साथ ही वे समय-समय पर अन्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों का प्रशिक्षण भी देते रहे हैं ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। दिनेश उरांव को यह राज्य स्तरीय सम्मान मिलने की खबर मिलते ही उनके परिवार और पूरे भंडरा प्रखंड में खुशी की लहर दौड़ गई है। इस उपलब्धि पर कृषि विभाग के स्थानीय अधिकारियों ने बधाई देते हुए कहा कि दिनेश उरांव जैसे किसान पूरे समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। आधुनिक और वैज्ञानिक सोच से खेती को कैसे लाभ का सौदा बनाया जा सकता है, दिनेश ने इसे सच कर दिखाया है।

सम्मान भंडरा के सभी मेहनती किसानों को समर्पित : दिनेश

सम्मान पाने के बाद प्रगतिशील किसान दिनेश उरांव ने अपनी खुशी साझा करते हुए कहा, "यह सम्मान सिर्फ मेरा नहीं, बल्कि भंडरा के उन सभी मेहनती किसानों का है जो दिन-रात खेतों में पसीना बहाते हैं। मैं यह सम्मान उन सभी को समर्पित करता हूँ। मेरा प्रयास आगे भी जारी रहेगा और मैं नई तकनीकों के माध्यम से क्षेत्र की खेती को और उन्नत बनाने का काम करूँगा।"

दृष्टिपात

सेन्हा सामूहिक दुष्कर्म मामले में दो आरोपी गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजे गए जेल

सेन्हा। सेन्हा थाना क्षेत्र में एक युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपियों को मेडिकल जांच के बाद न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में लोहरदगा जेल भेज दिया गया। जानकारी के अनुसार, दोनों आरोपियों ने युवती को अकेला पाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। घटना के बाद पीड़िता और उसके परिजनों ने सेन्हा थाना में शिकायत दर्ज कर न्याय की गुहार लगाई थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने सेन्हा थाना कांड संख्या 78/26 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई शुरू की। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों ने घटना को अंजाम देने से पहले युवती के साथ छेड़छाड़ की और उसके अकेले होने का फायदा उठाया। थाना प्रभारी नीरज झा ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई की गई और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बरही निवासी बिशु लोहरा के पुत्र अनिल लोहरा तथा देवेन्द्र लोहरा के पुत्र अशोक लोहरा के रूप में हुई है। पुलिस ने विधि सम्मत कार्रवाई पूरी करते हुए दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

कान्यकुब्ज स्वर्णकार संघ को मजबूत बनाने के लिए कई अहम निर्णय

लोहरदगा। कान्यकुब्ज स्वर्णकार संघ की महत्वपूर्ण बैठक गुदरी बाजार स्थित खेमराज स्मृति भवन में संरक्षक शिव प्रसाद बर्मन की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में पिछली बैठक के प्रस्तावों की समीक्षा करते हुए संगठन को अधिक सक्रिय एवं सशक्त बनाने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए। बैठक में तय किया गया कि संघ के सभी सदस्यों से नियमित मासिक शुल्क लिया जाएगा, ताकि संगठन की गतिविधियों का सुचारु संचालन सुनिश्चित किया जा सके। साथ ही समाज में आपसी एकता और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए सदस्यों के शादी-विवाह के मड़वा कार्यक्रम, अंतिम संस्कार, दशकर्म एवं ब्रह्मभोज जैसे सामाजिक आयोजनों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों का पूरा विवरण संगठन के पास जमा कराने का निर्णय लिया गया, ताकि समाज के भीतर वैवाहिक संबंध स्थापित करने में सुविधा हो सके। बैठक में यह भी तय किया गया कि जो सदस्य या पदाधिकारी लगातार तीन बैठकों में अनुपस्थित रहेंगे, उनसे व्यक्तिगत रूप से मिलकर कारण पूछा जाएगा। इसके बाद भी बैठकों में भाग नहीं लेने पर उनके विरुद्ध संगठनात्मक कार्रवाई की जाएगी। बैठक में युवाओं की बढ़ती भागीदारी पर कमेटी ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनका आभार जताया और संगठन की एकजुटता, अनुशासन तथा मजबूती के लिए सभी निर्णयों को प्रभावी ढंग से लागू करने का संकल्प लिया। मौके पर संरक्षक दुर्गा प्रसाद सोनी, अरुण वर्मा, अनुज वर्मा, अशोक सोनी, शिव प्रसाद सोनी, जिला सचिव विनोद सोनी, सह सचिव शशांक वर्मन, कोषाध्यक्ष अजय सोनी, लक्ष्मण सोनी, सरोज सोनी, रामजी प्रसाद, राजेश सोनी, रितेश सोनी, अरविंद सोनी, विकास सोनी, रमेश सोनी, गुड्डू सोनी, मनोज कुमार, ओम प्रकाश वर्मा, दिनेश सोनी, मिंकु सोनी, दशरथ सोनी, सुनील सोनी, विवेक सोनी, मधुकर आर्य, अजय कुमार वर्मा, संतोष सोनी और प्रेम सोनी समेत काफी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे।

छिछवानी में अवैध महुआ शराब के खिलाफ पुलिस की छापेमारी

चैनपुर। अवैध शराब के कारोबार पर रोक लगाने के उद्देश्य से चैनपुर पुलिस ने अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में थाना प्रभारी अरविंद कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने थाना क्षेत्र के छिछवानी गांव में गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने अवैध महुआ शराब निर्माण में प्रयुक्त करीब 50 किलोग्राम जावा महुआ बरामद कर मौके पर ही नष्ट कर दिया। अचानक हुई इस कार्रवाई से अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया। पुलिस टीम के पहुंचने की भनक लगते ही कई लोग मौके से फरार हो गए। छापेमारी में चैनपुर थाना के कई पुलिस जवान शामिल रहे। थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने कहा कि अवैध शराब का निर्माण और बिक्री किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने ग्रामीणों से इस अवैध धंधे को छोड़कर सरकार की स्वरोजगार एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाकर सम्मानजनक आजीविका अपनाने की अपील की। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में अवैध नशे के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और कानून का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वज्रपात की चपेट में आने से युवक की मौत

गुमला। रायडीह थाना क्षेत्र के रमजा गांव निवासी दीपक सिंह (20), पिता अकलु सिंह की शुक्रवार दोपहर वज्रपात की चपेट में आने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार दीपक किसी कार्य से रमजा बाजार गए थे। इसी दौरान तेज आंधी-बारिश के साथ वज्रपात हुआ और वह इसकी चपेट में आ गए। गंभीर रूप से झुलसे युवक को पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और बाद में बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल गुमला लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा है और पूरे गांव में शोक का माहौल है। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। प्रशासन ने बारिश के दौरान खुले स्थानों और पेड़ों के नीचे नहीं रुकने की अपील की है।

बाइक अनियंत्रित होकर गिरने से युवक घायल

गुमला। गुमला थाना क्षेत्र के अरमई बेहरा टोली निवासी अनमोल बेक (35), पिता फागु उरांव, शुक्रवार शाम सड़क दुर्घटना में घायल हो गए। बताया गया कि वह बाइक से गुमला आ रहे थे। इसी दौरान पुगू बेहराटोली के पास उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। हादसे में उनके चेहरे और पैर में गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना के बाद कुछ देर के लिए मौके पर अफरा-तफरी का माहौल रहा। स्थानीय लोगों ने सड़क सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

कानून हाथ में न लें, अफवाह फैलाने वालों पर होगी सख्ती

चैनपुर। आगामी मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से गुरुवार शाम चैनपुर पुलिस ने एसडीपीओ श्रुति के नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकाला। मार्च थाना परिसर से शुरू होकर थाना रोड, ब्लॉक चौक, चर्च रोड, सोहन चौक, अल्बर्ट एक्का चौक, मेन रोड, बैंक रोड, कुरुनगढ़ रोड और हरिजन बस्ती सहित विभिन्न संवेदनशील इलाकों से होकर पुनः थाना परिसर पहुंचा। फ्लैग मार्च के बाद एसडीपीओ श्रुति ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने, सोशल मीडिया पर किसी भी अपुष्ट सूचना को साझा नहीं करने तथा किसी भी विवाद की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की। उन्होंने कहा कि कानून हाथ में लेने वालों और शांति भंग करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान सर्किल इंस्पेक्टर जितेंद्र राम, थाना प्रभारी अरविंद कुमार, दरोगा राजेंद्र मंडल, विजय उरांव, एएसआई संतोष, धर्मपाल लुगुन, बासुदेव सेवईया, नंदू कुमार सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा।

करैत सांप के डसने से 50 वर्षीय व्यक्ति की हालत गंभीर

गुमला। बसिया थाना क्षेत्र के बोंगालोया गांव में शुक्रवार दोपहर जहरीले करैत सांप के डसने से 50 वर्षीय भाकु झोरा गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। घायल को समय पर एंबुलेंस नहीं मिलने के कारण परिजनों ने ऑटो से सदर अस्पताल गुमला पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है।

भरनो में अकीदत के साथ मनाया गया मोहर्रम

नवीन मेल संवाददाता

भरनो (गुमला)। सेंट्रल मोहर्रम कमेटी सूपा वन के तत्वावधान में शुक्रवार को भरनो प्रखंड में मोहर्रम का पर्व अकीदत, भाईचारे और शांतिपूर्ण वातावरण के बीच मनाया गया। सूपा लालटोली स्थित चिरैया टांड़ मैदान में आयोजित भव्य मेले में विभिन्न गांवों से हजारों की संख्या में मुस्लिम धर्मावलंबियों के साथ अन्य समुदाय के लोग भी शामिल हुए।

प्रखंड के विभिन्न गांवों से अखाड़ा दल पारंपरिक बाजा-गाजा, ताजिया और पारंपरिक अस्त्र-शस्त्र के साथ जुलूस के रूप में मैदान पहुंचे। यहां अखाड़ों ने लाठी, तलवार एवं अन्य पारंपरिक करतबों का शानदार प्रदर्शन किया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

मुख्य अतिथि सिसई विधायक जिग्गा सुसारन होरो ने कहा कि भरनो की गंगा-जमुनी संस्कृति पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने कहा कि इमाम हुसैन की शहादत अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष तथा सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। उन्होंने सभी समुदायों से आपसी प्रेम और सौहार्द बनाए रखने की अपील की। मुखिया सुशील उरांव ने कहा कि मुहर्रम मेला सामाजिक समरसता और भाईचारे का प्रतीक है, जहां सभी समुदाय के लोग एक साथ मिलकर एकता का संदेश देते हैं। मेले में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अखाड़ा समितियों को विधायक द्वारा पुरस्कृत किया गया। पूरे आयोजन के दौरान पुलिस इंस्पेक्टर गुलशन भेंगरा, थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह एवं पुलिस बल विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए मुस्तैद रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में सेंट्रल मोहर्रम कमेटी के अध्यक्ष अताउल्ला खान, पदाधिकारियों, सदस्यों एवं स्थानीय ग्रामीणों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कड़ी सुरक्षा के बीच निकला मोहर्रम का जुलूस

घाघरा। मोहर्रम के अवसर पर शुक्रवार को पतागाई से ताजिया जुलूस निकाला गया, जो घाघरा मुख्यालय होते हुए पुराना पेट्रोल पंप तक पहुंचा। जुलूस में बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए और पारंपरिक मातमी धुनों के बीच शांतिपूर्ण ढंग से धार्मिक रस्में अदा की गईं। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरे मार्ग पर पुलिस बल तैनात रहा। घाघरा थाना पुलिस लगातार जुलूस के साथ मौजूद रही तथा प्रमुख चौक-चौराहों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही। प्रशासन ने लोगों से भाईचारा और शांति बनाए रखने की अपील की। स्थानीय लोगों ने भी पुलिस की व्यवस्था की सराहना की। इस दौरान जाकिर खान, नदीम भंडारी, जावेद खान, दानिश भंडारी, जमशेद खान, राजू भंडारी, सज्जाद खान, साबित खान, अरमान भंडारी, बादल, सहित बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग उपस्थित रहे।

अकीदत के साथ मनाया गया मोहर्रम कलात्मक ताज़ियों ने मोहा सबका मन

- प्रशासन की कड़ी निगरानी में शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ आयोजन, मेले में उमड़ी लोगों की भीड़

नवीन मेल संवाददाता

चैनपुर। प्रखंड के सिल्फरी बेंगटी पहाड़ के समीप शुक्रवार को मोहर्रम का पर्व पूरी अकीदत, भाईचारे और शांतिपूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर क्षेत्र में आस्था और सामाजिक सौहार्द का अद्भुत संगम देखने को मिला। विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में अकीदतमंद और आमजन आयोजन स्थल पहुंचे, जिससे पूरे क्षेत्र में मेले जैसा उत्साहपूर्ण माहौल बना रहा।

मोहर्रम के अवसर पर बरवेनगर, लंगड़ामोड़, चैनपुर, जमगाई और अवरटोली की मोहर्रम कमेटियों की ओर से आकर्षक एवं कलात्मक ताजियों का निर्माण किया गया था। रंग-बिरंगी सजावट, बारीक नक्काशी और पारंपरिक शिल्पकला से सजे ताजियों ने सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। ताजियों के दीदार के लिए दूर-दराज़ के गांवों से भी लोग पहुंचे और कलाकारों की मेहनत व कारीगरी की जमकर सराहना की।

मेले में बच्चों और महिलाओं की भी अच्छी-खासी भागीदारी रही। मैदान में मिठाई, खिलौने, चाट, शरबत तथा अन्य घरेलू सामानों की दुकानें सजी थीं, जहां लोगों ने खरीदारी का आनंद लिया। पूरे आयोजन के दौरान आपसी प्रेम, सद्भाव और अनुशासन का वातावरण बना रहा। विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। आयोजन स्थल एवं आसपास के क्षेत्रों में पुलिस बल की पर्याप्त तैनाती की गई थी। अनुमंडल पदाधिकारी हरि उरांव, एसडीपीओ श्रुति, थाना प्रभारी अरविंद कुमार, एएसआई संतोष, धर्मपाल लुगुन, नंदू कुमार सहित पुलिस पदाधिकारी लगातार क्षेत्र का निरीक्षण करते रहे। वहीं मजिस्ट्रेट के रूप में सीआई नरेंद्र सेठ, राजस्व कर्मचारी बीपीओ सतेंद्र कुमार तथा बीटीएम राजेंद्र तिर्की की प्रतिनियुक्ति की गई थी। अधिकारियों की सतत निगरानी और स्थानीय कमेटियों के सहयोग से पूरा आयोजन शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। समाचार लिखे जाने तक कहीं से किसी भी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली थी। इस अवसर पर उदिन खान, अवरटोली सदर रहीश शेख, सरफराज शेख, मजल शेख, इमरान खान, जाहिर खान, जावेद खान, सलामत, सहजुल्ला खान, आसिफ खान, चैनपुर सदर सकील खान, जमगाई सदर नेफज खान, बरवेनगर सदर अयूब खान, जाबिर खान सहित बड़ी संख्या में अकीदतमंद एवं क्षेत्रवासी उपस्थित थे।

मोहर्रम पर मंत्री इरफान अंसारी ने अखाड़े में भांजी लाठी

नवीन मेल संवाददाता

जामताड़ा। मंत्री इरफान अंसारी ने मोहर्रम पर जामताड़ा जिले के विभिन्न क्षेत्रों का शुक्रवार को दौरा कर आयोजित अखाड़ा प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया।

इस दौरान मंत्री ने अखाड़े में मौजूद युवाओं के साथ लाठी भांजते हुए अपने हूनर का प्रदर्शन किया। इसके साथ ही युवाओं के जोश, अनुशासन और पारंपरिक युद्धकला के प्रदर्शन की सराहना की। मंत्री ने कहा कि अखाड़ों में युवाओं की ओर से प्रदर्शित साहस और अनुशासन गर्व की बात है।

उन्होंने कहा कि जिस लगन और प्रतिबद्धता के साथ युवा लाठी-डंडा और पारंपरिक युद्धकला का प्रदर्शन करते हैं, उसी समर्पण के साथ उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में भी आगे बढ़ना चाहिए।

अंसारी ने कहा कि शारीरिक रूप से सशक्त होने के साथ-साथ मानसिक रूप से मजबूत और शिक्षित होना भी आवश्यक है। शिक्षा, अनुशासन और सकारात्मक सोच ही युवाओं को समाज, राज्य और देश के विकास में सार्थक योगदान देने योग्य बनाती है।

पति ने की पत्नी की हत्या

नवीन मेल संवाददाता

गोड्डा। गोड्डा जिले के राजाभीठा थाना क्षेत्र के अमरपुर गांव में घरेलू विवाद के बाद एक पति के अपनी पत्नी की कथित रूप से गला दबाकर हत्या करने का मामला सामने आया है। घटना गुरुवार देर रात की बताई जा रही है।

मृतका की पहचान होपनमय चौड़े के रूप में की गई है, जबकि आरोपित पति मनु हांसदा को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मनु हांसदा नशे का आदी बताया जा रहा है और अक्सर पत्नी के साथ मारपीट करता था। बताया जाता है कि घटना की रात आरोपित नशे की हालत में घर पहुंचा और पत्नी के साथ विवाद करने लगा। इसी दौरान उसने कथित रूप से धोती से गला दबाकर पत्नी की हत्या कर दी। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी पुलिस को दी।

सूचना मिलने पर गोड्डा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी आकाश भारद्वाज और राजाभीठा थाना प्रभारी योगेश यादव दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शव को लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। घटना में प्रयुक्त धोती को भी बरामद कर लिया गया है।

पुलिस के अनुसार, मृतका अपने पीछे दो बच्चों को छोड़ गई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। वहीं, आरोपित पति ने हत्या के आरोप से इनकार करते हुए दावा किया है कि उसकी पत्नी ने प्रताड़ना से तंग आकर खुदकुशी की होगी। थाना प्रभारी योगेश यादव ने बताया कि मामले की जांच सभी पहलुओं से की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

टीम अर्पण का संकल्प

गर्मी में शहरवासियों को रक्त की कमी नहीं होने देंगे : अमरप्रीत काले

- 'अर्पण' का रक्तदान अभियान मानव सेवा की अनुकरणीय मिसाल : संजय चौधरी

नवीन मेल संवाददाता

जमशेदपुर। गर्मी के मौसम में रक्तदाताओं की संख्या में कमी आने से ब्लड बैंकों में अक्सर रक्त का संकट उत्पन्न हो जाता है। इसी चुनौती से निपटने और जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अर्पण परिवार द्वारा 28 जून (रविवार) को प्रातः 8 बजे से सायं 6 बजे तक धतकीडीह स्थित जमशेदपुर ब्लड बैंक में 11वें महा रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा।

शिविर की तैयारियों को लेकर धतकीडीह स्थित जमशेदपुर ब्लड बैंक में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में रक्तदाताओं के पंजीकरण, स्वयंसेवकों की जिम्मेदारियों, प्रचार-प्रसार, व्यवस्थाओं तथा अधिकाधिक रक्तदाताओं की सहभागिता सुनिश्चित करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। सभी सदस्यों ने इस सेवा अभियान को ऐतिहासिक एवं सफल बनाने का संकल्प लिया। बैठक में अर्पण परिवार के संरक्षक अमरप्रीत सिंह काले ने कहा कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। एक यूनिट रक्त कई लोगों को नया जीवन देने का माध्यम बन सकता है। उन्होंने कहा कि अर्पण परिवार का संकल्प है कि गर्मी के मौसम में शहरवासियों को रक्त की कमी का सामना नहीं करना पड़े। इसके लिए सभी सदस्य अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करेंगे।

उन्होंने शहरवासियों से अपील करते हुए कहा कि 28 जून (रविवार) को सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक जमशेदपुर ब्लड बैंक पहुंचकर स्वैच्छिक रक्तदान करें और मानवता की इस पुनीत सेवा में सहभागी बनें। आपका एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद के जीवन की सबसे बड़ी उम्मीद बन सकता है।

इस अवसर पर जमशेदपुर ब्लड बैंक के हेड संजय चौधरी ने कहा कि गर्मी के दिनों में रक्त की मांग लगातार बनी रहती है, जबकि रक्तदाताओं की संख्या अपेक्षाकृत कम हो जाती है। ऐसे समय में अर्पण परिवार जैसे संगठनों द्वारा आयोजित महा रक्तदान शिविर समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने अर्पण परिवार के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि "अर्पण का रक्तदान अभियान मानव सेवा की अनुकरणीय मिसाल है।"

परसुडीह बाजार में छह दुकानों में चोरी

सुरक्षा पर दुकानदरों ने उठाया सवाल

नवीन मेल संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम। परसुडीह बाजार में गुरुवार देर रात अज्ञात चोरों ने छह दुकानों को निशाना बनाकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर अलग-अलग दुकानों के ताले तोड़कर नकदी, सब्जियां, लहसुन, टमाटर और आठ बत्तख तक चुरा ले गए। शुक्रवार सुबह जब दुकानदार अपनी-अपनी दुकानों पर पहुंचे तो टूटे ताले और बिखरा सामान देखकर घटना की जानकारी हुई, जिसके बाद पूरे बाजार में हड़कंप मच गया।

आलू-प्याज व्यवसायी अजय यादव ने बताया कि उनकी दुकान से नकदी रखने वाला गल्ला चोरी कर लिया गया। बाद में गल्ला बाजार से कुछ दूरी पर टूटी अवस्था में मिला, लेकिन उसमें रखे करीब दो हजार रुपये नकद और आवश्यक दस्तावेज गायब थे।

इसी बाजार में दुकानदार दुखी पोद्दार की दुकान से एक कैरेट टमाटर चोरी कर लिया गया। वहीं मधु पोद्दार की दुकान से लहसुन और खुदरा नकदी पर चोरों ने हाथ साफ कर दिया। इसके अलावा नीति मुर्गी दुकान से आठ बत्तख चोरी हो गईं। सुनील की पान दुकान का कैश काउंटर भी तोड़ा गया, लेकिन उसमें नकदी नहीं होने के कारण चोर खाली हाथ लौटे।

घटना के बाद दुकानदारों ने बाजार की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि बाजार समिति नियमित रूप से शुल्क वसूलती है, लेकिन रात के समय सुरक्षा के लिए कोई चौकीदार तैनात नहीं किया जाता। उनका आरोप है कि सुरक्षा व्यवस्था की कमी के कारण चोर लगातार बाजार को निशाना बना रहे हैं।

मामले की सूचना मिलने पर परसुडीह थाना प्रभारी अविनाश कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि चोरी की वारदात में शामिल आरोपितों की पहचान कर उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जा सके।

शादी समारोह से लौट रहे ऑटो व बाइक की आमने-सामने टक्कर

गिरिडीह। गम्हारियाटांड इंडियन पेट्रोल पम्प के पास एक सड़क दुर्घटना हुई. शादी समारोह से लौट रहे यात्रियों से भरा एक ऑटो व बाइक की आमने-सामने टक्कर में आठ लोग घायल हो गए. जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। मिली जानकारी के अनुसार, खटपोंक के कुछ ग्रामीण बेलकुशी महादेव मंदिर में आयोजित शादी समारोह में शामिल होकर अपने गांव लौट रहे थे. इसी दौरान खिजुरी की ओर जा रही एक बाइक ने सामने से आ रही ऑटो को टक्कर मार दी. टक्कर इतनी तेज थी कि ऑटो पलट गया और ऑटो में सवार आठ लोग व बाइक सवार घायल हो गए।

युवती ने फंदे से लटककर की खुदकुशी, जांच में जुटी पुलिस

पूर्वी सिंहभूम। सीतारामडेरा थाना क्षेत्र के भुइयांडीह कल्याण नगर स्थित एग्रीको कॉलोनी में शुक्रवार दोपहर एक 20 वर्षीय युवती ने फंदे से लटककर खुदकुशी कर ली। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है। सूचना मिलते ही सीतारामडेरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतका की पहचान भुइयांडीह कल्याण नगर निवासी संगीता कुमारी (20) के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, घटना से पहले संगीता अपने प्रेमी से फोन पर बात करने की कोशिश कर रही थी। बताया जा रहा है कि उसने कई बार कॉल किया, लेकिन दूसरी ओर से बात नहीं की गई। इससे वह काफी परेशान और आहत हो गई। इसी बीच उसने अपने कमरे में फंदे से लटक कर खुदकुशी कर ली।

परिजनों को घटना की जानकारी मिलने के बाद संगीता को तत्काल एमजीएम अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

सीतारामडेरा थाना प्रभारी आनंद मिश्रा ने बताया कि पुलिस मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आत्महत्या के पीछे वास्तविक कारण क्या था। फिलहाल मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

प.सिंहभूम में 28 को राष्ट्रीय पोलियो अभियान में 2.41 लाख बच्चों को पिलाई जाएगी खुराक

नवीन मेल संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम। जिले में 28 जून को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय पोलियो टीकाकरण अभियान को सफल बनाने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। अभियान की तैयारियों की समीक्षा को लेकर शुक्रवार को उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में वर्चुअल माध्यम से जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ सभी प्रखंडों के प्रशासनिक एवं चिकित्सा पदाधिकारी शामिल हुए और अभियान को शत-प्रतिशत सफल बनाने की रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि जिले को पोलियो मुक्त बनाए रखना केवल स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रशासन, विभिन्न विभागों और आम नागरिकों की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को बेहतर समन्वय के साथ कार्य करते हुए यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि जिले का कोई भी पात्र बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जानकारी दी गई कि इस बार जिले के 0 से 05 वर्ष आयु वर्ग के 2,41,301 बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए पूरे जिले में 2,329 पोलियो बूथ बनाए गए हैं, जबकि अभियान की निगरानी के लिए 423 सुपरवाइजरों की प्रतिनियुक्ति की गई है। प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी और टीकाकरण दल तैनात रहेंगे। निर्देश दिया कि अभियान के पहले दिन अधिकतम बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर लक्ष्य हासिल करने का प्रयास किया जाए। उन्होंने आंगनबाड़ी सेविकाओं, सहिया, एएनएम और अन्य फील्ड कर्मियों को घर-घर जाकर अभिभावकों को जागरूक करने और माइक्रोप्लान के अनुसार कार्य करने के निर्देश दिए।

दुबिल माइंस में ग्रामीणों का अनिश्चितकालीन आंदोलन

नवीन मेल संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिले के मनोहरपुर स्थित स्टील अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया (सेल) की चिड़िया-दुबिल माइंस में शुक्रवार को ग्राम सभा दुबिल के नेतृत्व में "हातु-आबुआ राज, ग्राम स्वराज अभियान" के तहत ग्रामीणों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलन शुरू कर दिया। सुबह करीब आठ बजे से सैकड़ों ग्रामीणों ने खदान में उत्पादन कार्य और लौह अयस्क की ढुलाई पूरी तरह रोक दी। आंदोलनकारियों ने स्पष्ट किया है कि मांगें पूरी होने तक उनका प्रदर्शन अनिश्चितकाल तक जारी रहेगा। ग्रामीणों का आरोप है कि दुबिल माइंस के विस्तार के दौरान सरना स्थल, कब्रिस्तान तथा रैयती जमीन पर अवैध रूप से पिलर गाड़ दिए गए हैं, जिससे उनकी धार्मिक आस्था और भूमि अधिकारों का उल्लंघन हुआ है। उनका कहना है कि खदान से निकलने वाले लाल पानी और धूल के कारण खेती प्रभावित हो रही है, जलस्रोत प्रदूषित हो गए हैं तथा क्षेत्र में पेयजल संकट लगातार गहराता जा रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि क्षेत्र के युवाओं को रोजगार देने के बजाय बाहरी लोगों को प्राथमिकता दी जा रही है, जबकि प्रभावित गांवों में मूलभूत सुविधाओं का भी अभाव है। ग्रामीणों ने मांग की है कि स्थानीय 200 युवाओं को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार दिया जाए, अधिग्रहित जमीन का उचित मुआवजा उपलब्ध कराया जाए, सरना स्थल और कब्रिस्तान से लगाए गए पिलरों को तत्काल हटाया जाए तथा गांव में चापाकल और जलमीनार की व्यवस्था की जाए।

डेयरी कर्मचारी की मौत, पत्नी ने कंपनी प्रबंधन पर लगाया आरोप

जमशेदपुर। जमशेदपुर डेयरी में करीब 30 वर्षों से कार्यरत 59 वर्षीय कर्मचारी रविन्द्र नाथ ठाकुर की रांची स्थित रिम्स में इलाज के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई. इस मामले में उनकी पत्नी तारा देवी ने आदित्यपुर थाना में लिखित शिकायत देकर कंपनी प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है. उन्होंने कुछ सहकर्मियों पर भी संदेह जताते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। तारा देवी के अनुसार, 17 जून की सुबह रविन्द्र नाथ ठाकुर रोज की तरह ड्यूटी पर गए थे. दोपहर में अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई,। इसके बाद परिजनों ने उन्हें पहले ईएसआई अस्पताल, आदित्यपुर और फिर टाटा मेन हॉस्पिटल, जमशेदपुर में भर्ती कराया। परिजनों का कहना है कि 19 जून को टीएमएच के डॉक्टरों ने बताया कि रविन्द्र नाथ ठाकुर के शरीर में जहर का असर पाया गया है।

प्रशासनिक दबाव स्वास्थ्य मंत्री को 08 जून को लिखे गए पत्र की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है

अवैध भुगतानों को स्वीकृति नहीं देने पर रिम्स निदेशक को धमकाया गया : सरयू

पूर्वी सिंहभूम। विधायक सरयू राय ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से रिम्स के पूर्व निदेशक डॉ राजकुमार की ओर से स्वास्थ्य मंत्री को 08 जून को लिखे गए पत्र की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि पत्र में स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली और रिम्स के प्रशासन से जुड़े कई गंभीर मुद्दे उठाए गए हैं, जिनकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है।

शुक्रवार को जारी बयान में सरयू राय ने कहा कि डॉ राजकुमार से सीआईडी की ओर से लगातार आठ घंटे तक पूछताछ की गई, जिससे वे मानसिक रूप से आहत हुए और अंततः उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि इस्तीफे से पहले डॉ राजकुमार ने स्वास्थ्य मंत्री को पत्र लिखकर स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। पत्र में दावा किया गया है कि शासी परिषद को विश्वास में लिए बिना उनके खिलाफ दुर्भावनापूर्ण कार्रवाई की गई और लगातार प्रशासनिक दबाव बनाया गया।

सरयू राय के अनुसार, पत्र में यह भी उल्लेख है कि रिम्स की शासी परिषद और निदेशक पर विभिन्न मामलों में दबाव डालने का प्रयास किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि न्यायालय के आदेशों के बावजूद कुछ मामलों में कार्रवाई करने के लिए दबाव बनाया गया और उन्हें झूठे मामलों में फंसाकर प्रताड़ित करने की कोशिश की गई। उनका कहना है कि यह पत्र रिम्स और स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली में मौजूद गंभीर खामियों की ओर संकेत करता है।

उन्होंने कहा कि डॉ राजकुमार एक अनुभवी न्यूरोलॉजिस्ट हैं और पूर्व में भी कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर चुके हैं। रिम्स में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई जटिल न्यूरो सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। इसके बावजूद यदि उन्हें इस तरह की परिस्थितियों का सामना करना पड़ा, तो यह चिंता का विषय है।

सरयू राय ने यह भी कहा कि रिम्स में जितने भी सक्षम और योग्य निदेशक आए, वे किसी न किसी कारण से अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सके। उनके अनुसार, स्वास्थ्य विभाग की अनावश्यक दखलंदाजी और प्रशासनिक दबाव संस्थान की कार्यसंस्कृति को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने कहा कि डॉ राजकुमार ने अपने पत्र में 16 अप्रैल 2025 को आयोजित रिम्स शासी परिषद की 59वीं बैठक का भी उल्लेख किया है। पत्र के अनुसार, पिछली बैठक से जुड़े कुछ कथित अवैध भुगतानों को स्वीकृति नहीं देने पर उन पर दबाव बनाया गया और उन्हें धमकाया गया। सरयू राय ने कहा कि यदि ऐसी स्थिति बनी रही तो भविष्य में भी कोई योग्य चिकित्सक रिम्स के निदेशक पद पर रहकर संस्थान में सुधार नहीं कर पाएगा।

दृष्टिपात

कोल्हान विश्वविद्यालय में नामांकन के लिए आये 15 हजार आवेदन

पश्चिमी सिंहभूम। कोल्हान विश्वविद्यालय में नए शैक्षणिक सत्र केलिए नामांकन प्रक्रिया ने रफ्तार पकड़ ली है। उच्च शिक्षा हासिल करने के इच्छुक विद्यार्थियों में विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों में दाखिले को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। झारखंड सरकार के चांसलर पोर्टल के माध्यम से संचालित ऑनलाइन नामांकन प्रक्रिया में अब तक स्नातक (यूजी) और स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रमों के लिए लगभग 15 हजार छात्रों ने पंजीकरण कराया है।विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार 26 जून तक स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए कुल 14,948 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। आवेदन की यह संख्या बताती है कि इंटरमीडिएट उत्तीर्ण विद्यार्थियों में विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों को लेकर अच्छी रुचि है। दूसरी ओर, पीजी प्रथम सेमेस्टर में दाखिले के लिए अब तक 68 आवेदन ही प्राप्त हुए हैं।

ट्रक ने सड़क पार कर रहे व्यक्ति को रौंदा, मौत, ग्रामीणों ने चालक को दबोचा

हजारीबाग। चौपारण थाना क्षेत्र के जीटी रोड स्थित ग्रामीण बैंक के समीप शुक्रवार को सडक हादसा हुआ है. यहां तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क पार कर रहे एक व्यक्ति को रौंद दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई. मृतक की चौपारण पंचायत के बजरंग टोला निवासी रितलाल साहू के रूप मे हुई है और वह बाजार मे नींबू बेचते थे। हादसे के बाद घटनास्थल पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जुट गई. ट्रक चालक व्यक्ति को रौंदने के बाद भागने की कोशिश की. लेकिन आक्रोशित ग्रामीणों ने उसे पकड़ लिया और इसकी सूचना पुलिस को दे दी. आक्रोषित लोगों और परिजनों ने सड़क जाम की है।

तालाब में मिला अज्ञात व्यक्ति का शव, मौत के कारणों की जांच में जुटी पुलिस

पूर्वी सिंहभूम। परसुडीह थाना क्षेत्र के पाड़ा टोला स्थित एक तालाब में शुक्रवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को तालाब से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मृतक की पहचान के साथ-साथ उसकी मौत के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, शुक्रवार सुबह तालाब के मालिक की नजर तालाब में तैर रहे शव पर पड़ी। इसके बाद उन्होंने तत्काल ग्राम प्रधान सागेन हांसदा को इसकी सूचना दी। ग्राम प्रधान ने बिना देर किए परसुडीह थाना पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अविनाश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और स्थानीय लोगों की मदद से शव को तालाब से बाहर निकलवाया। शव मिलने की सूचना फैलते ही आसपास के लोगों की भारी भीड़ मौके पर जमा हो गई। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया।

ब्रेन मलेरिया से छात्रा की मौत के बाद जांच अभियान शुरू, निजी क्लिनिक को नोटिस

पूर्वी सिंहभूम। पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका प्रखंड में ब्रेन मलेरिया से एक छात्रा की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सक्रिय हो गया है। मामले को गंभीर मानते हुए सिविल सर्जन डॉ. साहिर पाल ने स्वतः संज्ञान लिया और पूरे घटनाक्रम की जांच के साथ-साथ प्रभावित क्षेत्र में मलेरिया नियंत्रण के लिए व्यापक अभियान शुरू करने के निर्देश दिए हैं। सिविल सर्जन के आदेश पर गठित विशेष स्वास्थ्य टीम ने शुक्रवार को छात्रा के गांव और पीएम श्री कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, पोटका में स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया। शिविर के दौरान मलेरिया के लक्षण वाले 34 लोगों की जांच की गई, जिनमें एक व्यक्ति मलेरिया संक्रमित पाया गया। संक्रमित मरीज को तत्काल दवा उपलब्ध कराकर उपचार शुरू कर दिया गया। स्वास्थ्य टीम ने विद्यालय परिसर का निरीक्षण भी किया। इस दौरान वार्डन रूमा हलधर के साथ बैठक कर छात्राओं के स्वास्थ्य, परिसर की साफ-सफाई और मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम के उपायों की समीक्षा की गई।

टीएमएच पहुंचे सरयू राय और दुलाल विधायक से ली स्वास्थ्य की जानकारी

पूर्वी सिंहभूम। जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू पिछले दो दिनों से टाटा मुख्य अस्पताल (टीएमएच) में चिकित्सकों की निगरानी में उपचाररत हैं। ब्लड प्रेशर कम होने की शिकायत के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां विशेषज्ञ डॉक्टर लगातार उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। शुक्रवार को उनका हालचाल जानने के लिए जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय और झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री दुलाल भुईयां टीएमएच पहुंचे। दोनों नेताओं ने अस्पताल के वार्ड में जाकर पूर्णिमा साहू से मुलाकात की, उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और चिकित्सकों से भी उपचार संबंधी जानकारी प्राप्त की। मुलाकात के दौरान सरयू राय और दुलाल भुईयां ने विधायक पूर्णिमा साहू को गुलदस्ता भेंट कर उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने विश्वास जताया कि उचित इलाज और चिकित्सकों की देखरेख में वह जल्द पूरी तरह स्वस्थ होकर अपने जनप्रतिनिधि दायित्वों का निर्वहन करने लौटेंगी। इस दौरान अस्पताल में अन्य शुभचिंतकों और समर्थकों का भी आना-जाना लगा रहा।

बिजली की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत

पश्चिमी सिंहभूम। जिले के खुंटपानी प्रखंड अंतर्गत पोरलोयोंग गांव में शुक्रवार को बिजली करंट लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान गोबिन्द मेलगंडी (59) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, गोबिन्द मेलगंडी सुबह में अपने घर में मीटर का स्विच ऑन करने के लिए गए थे। इसी दौरान बिजली का तार टूटकर उनके छाती के ऊपर गिर गया, जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने आनन-फानन में उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बासाहातु पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर उपचार के लिए सदर अस्पताल चाईबासा रेफर कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद खुंटपानी प्रखंड प्रमुख सिद्धार्थ होनहागा मौके पर पहुंचे और घायल गोबिन्द मेलगंडी को लेकर सदर अस्पताल चाईबासा पहुंचे। सदर अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच और इलाज के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

राष्ट्रीय नवीन मेल

राम पर सवाल उठाने वाले अब चंदा पर आक्रामक हैं

इंडिया

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

भारत का सनातनी समाज सकते में है जबसे यह आरोप उछला है कि अयोध्या के श्रीराम मंदिर से चढ़ावा के पैसे और आभूषणों की चोरी हुई है। विशेष जांच दल गठित कर जांच शुरू हो गई है और लोगों को यूपी के आक्रामक मुख्यमंत्री पर भरोसा है कि निष्पक्ष जांच के बाद दोषियों को छोड़ा नहीं जाएगा पर अगले साल के चुनाव को ध्यान में रखकर कुछ नेताओं ने छाती पीटना शुरू कर दिया है जो इस मुद्दे को भुनाकर सत्ता पाने की जुगत में हैं। दूसरा पक्ष सवाल उठा रहा है कि जब वे राम को काल्पनिक बताकर राम मंदिर का विरोध करते थे और कुछ तो ताजा-ताजा रामभक्त बने भी पर आज तक अयोध्या के मंदिर गए नहीं, उन्हें इसकी चिंता क्यों है? मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अयोध्या के श्रीराम मंदिर में चढ़ावे की चोरी को लेकर रोज नए खुलासे हो रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जो जांच समिति गठित की है, वह अपने उद्देश्य में कितनी सफल हो पाएगी, यह तो उसकी रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा। किंतु, एक बात तय है कि मंदिर में चढ़ाए गए धन, सोना-चांदी व जवाहरात आदि की लेशमात्र भी चोरी करना शास्त्रों में जघन्य अपराध बताया गया है। अयोध्या मंदिर के मामले में अचानक पूरी दुनिया से भक्तों की बाढ़ के प्रबंधन की चुनौती थी-चढ़ावे की राशि का ईमानदारी से आकलन करके उसे बैंक में जमा कराना था। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर में मिले दान में कथित हेराफेरी की जांच के दौरान, जांच अधिकारियों ने सीसीटीवी फुटेज की जांच करते हुए पाया कि 27 अप्रैल से 5 जून के बीच चोरी की 70 कोशिशें की गईं। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी में मनीष कुमार यादव नाम के एक व्यक्ति को कई बार चोरी की कोशिश करते हुए देखा जा सकता है, लेकिन उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। विशेष जांच दल ने पाया कि दान की गिनती के दौरान उसे संभालने में बड़ी खामियां थीं। टीम ने 2022 से 25 के फाइनेंशियल ईयर की इंटरनल ऑडिट रिपोर्ट की भी जांच की, जिसमें कई प्रक्रियात्मक कमियां सामने आईं। इस तरह की काफी गड़बड़ी की शिकायतें छोटी जगहों से लेकर कई मंदिरों से आती रहीं हैं। रांची के कुछ मंदिरों के पुजारी ऐसी शिकायतें दबी जुबान से करते रहे हैं जबकि पहाड़ी मंदिर में अखबारों में भी आरोप प्रत्यारोप प्रकाशित हुए। इसे एक चेतावनी मानकर राष्ट्रीय स्तर पर एक नई व्यवस्था बनाने का समय आ गया है। किसी भी मंदिर के प्रांगण में जहां दानपात्र खोले जाते हैं, वहां क्लाउड बैकअप के वीडियो कैमरे लगवाना चाहिए और प्रशासनिक अधिकारियों को सतर्कता बरतने के लिए बैठाना चाहिए। जिससे पूरी व्यवस्था पारदर्शी हो, वैष्णो देवी सहित दक्षिण भारत के अनेक मंदिरों में ऐसी व्यवस्था है, जिससे बैंक में राशि जमा करा दी का सकती है और आभूषणों का आकलन कर सील कर देना चाहिए जैसे गोल्ड लोन लेने पर किया जाता है। कुछ शिकायतें ट्रस्ट को दान देकर टैक्स बचाने की देश के कुछ मंदिरों की उड़ीं थीं। इस तरह की शिकायतें यदि आतीं हैं तो उनकी ईमानदारी से जांच करानी चाहिए ताकि धर्म और भगवान पर लोगों का भरोसा बना रहे। त्रिवेंद्रम के विश्व प्रसिद्ध व दुनिया के सबसे ज्यादा संपन्न पद्मनाभस्वामी मंदिर का उदाहरण पूरे भारत के लिए अनुकरणीय है। इस मंदिर का स्वामित्व वहां के राज परिवार के पास है। मंदिर के लॉकरों में लाखों करोड़ रुपए का सोना, चांदी और जवाहरात जमा हैं। उल्लेखनीय बात यह है कि सदियों से राज परिवार ने अपनी निजी संपत्ति होते हुए भी मंदिर के चढ़ावे में से एक अंश भर भी लेना स्वीकार नहीं किया। हर दिन प्रातः भगवान के प्रथम दर्शन का अधिकार राज परिवार को प्राप्त है। परिवार जब हर रोज दर्शन करके मंदिर से बाहर निकलता है, तो मंदिर के द्वार पर बैठकर अपने पैर के तलवों पर चिपक गई मंदिर की धूल को अपने हाथों से झाड़ कर वहीं गिरा देता है। तात्पर्य यह है कि भगवान के मंदिर से धूल का कण भी ले जाना उनकी दृष्टि में जघन्य अपराध है। सरकार को धार्मिक स्थलों का प्रबंधन ऐसे ही लोगों को सौंपना चाहिए, जो दान की संपत्ति की चोरी को विषपान जैसा समझें। यहां उल्लेखनीय है कि अनेक उदाहरण हैं जब मंदिरों में चोरी या हेराफेरी करने वाले सुखी होने के बजाय दुःखी ही हुए। श्रीमराम जन्मभूमि के संवेदनशील मुद्दे पर यदि कुव्यवस्था के चलते चोरी हुई तो एसबीआई जिसे इसका जिम्मा दिया गया था दोषी क्यों नहीं? जो भी दोषी हों उदाहरण बनने लायक दंड दिया जाना चाहिए। एक एंगल और भी है कि कहीं इसमें शातिराना तरीके की राजनीति तो नहीं ताकि वर्तमान सरकार को घेरा जा सके? जो भी हो व्यापक और निष्पक्ष जांच से सामने आए और दुबारा ऐसी घटना न घटे इसके लिए सरकार और समाज को प्रयास करना चाहिए न कि राजनीतिक खेल खेलना चाहिए। कुछ आपराधिक छवि के लोग मंदिरों या धार्मिक स्थलों पर कब्जा कर भक्ति का प्रदर्शन करते हैं पर उनका ध्यान चढ़ावे की राशि या आभूषणों पर रहता है जिसका उपाय ट्रस्ट बनाकर संचालन या राष्ट्रीयकरण है। मंदिरों या किसी भी धार्मिक स्थलों पर प्रशासन की भी दखल आवश्यक है।

विचार प्रवाह

ईश्वर के साथ समरस होना और उनमें पूर्ण विश्वास 'रखना, जहां भी वे आपको रखें और आपके साथ जो भी करें उसी में संतुष्ट रहना, सब कुछ नम्रता एवं भक्ति से स्वीकार करना, अत्यंत अद्भुत होता है। - **श्री श्री परमहंस योगानंद**

'प्रतिस्पर्धा में नहीं, पूरकता में है प्रकृति का मौन अनुबंध'

आज की बात

केदारनाथ दास

> घास चरती बकरी के लिए पक्षी का अस्तित्व किसी प्रतिस्पर्धा का विषय नहीं बल्कि पूरकता है। इस दृश्य को नजरंदाज करने से पहले विडंबना यह कि जिसे हम "मूक प्राणी" कहते हैं, जिसकी साधना की हम अवहेलना करते हैं और जिससे कुछ सीखने के प्रति असंवेदनशीलता का प्रदर्शन करते रहते हैं, वह तो सहयोग और सह-संबंध की भाषा को हमसे कहीं बेहतर समझता है

किसी भी प्लैटफॉर्म पर नजर टिकाते चलें, आज हमारा समाज जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र और विचारधाराओं की खाइयों में बंटा हुआ नजर आ ही जाता है। ऐसा तब है जबकि प्रकृति की मौलिकता, अपने सहज व्यवहार में हमें एक अलग ही दर्शन के साथ साक्षात्कार कराती चलती है। इसे प्रकृति के एक मौन अनुबंध के तौर पर देखा जा सकता है जबकि तमाम जीव जन्तुओं और पेड़ पौधों के बीच का सह-संबंध, स्वार्थ से कहीं अधिक पारस्परिक आवश्यकता और विश्वास पर आधारित एक विस्तृत विविधता का आभास कराता रहता है। मजे की बात यह कि इस विविधता में जीवन के तमाम विधाओं में एक तिलिस्म की अनुभूति भी होने लगती है और इसके मर्म को समझने के लिए किसी कल्पना की भी जरूरत नहीं है। आपकी खुद की नजरों के सामने भी कई बार ऐसा दृश्य गुजरा होगा जब एक पक्षी किसी बकरी की पीठ पर सवार होकर उसके शरीर पर बैठे कीटों में से अपना भोजन तलाशती रहती है। अगर ऐसे किसी दृश्य को आप नजरअंदाज नहीं कर रहे होते हैं, तो साथ में आपको यह जानकर सुखद अहसास होता चला जाता है कि पीठ पर सवार पक्षी के इस प्रयास में घास चरती बकरी के लिए उन कीटों से राहत की एक थाती भी समाई हुई होती है। संदेश यह कि घास चरती बकरी के लिए पक्षी का अस्तित्व किसी प्रतिस्पर्धा का विषय नहीं बल्कि पूरक होती है। इस दृश्य को नजरंदाज करने से पहले विडंबना यह कि जिसे हम "मूक प्राणी" कहते हैं, जिसकी साधना की हम अवहेलना करते हैं और जिससे कुछ सीखने के प्रति असंवेदनशीलता का प्रदर्शन करते रहते हैं, वह तो सहयोग और सह-संबंध की भाषा को हमसे कहीं बेहतर समझता है। ऐसा तब है जबकि मनुष्य के द्वारा विज्ञान में अच्छी खासी प्रगति के दावों के साथ तकनीक व कृत्रिम बुद्धिमत्ता के निरंतर प्रगति का अद्भुत दावा भी किया जाता है। ऐसे में, एक अदने से बकरी की पीठ पर सवार पक्षी की उपस्थिति एक छोटी सी घटना लग सकती है परन्तु प्रकृति की छटा देखिए कि न बकरी की पीठ अनुपयोगी है और न पक्षी की काया विवशता का प्रतीक है। यह तो एक ऐसा संयोग है जो हमसे एक बड़ा सा सवाल करती चली जाती है कि तमाम तरह की मानव निर्मित उपलब्धियों का दावा अपने आप में एक छद्म अवधारणा से अधिक कुछ भी नहीं है और तमाम दावों के विपरित सह-अस्तित्व व सहजीवन की सरल कला से तथाकथित विज्ञान अभी भी कोसों दूर बना हुआ है।

उल्लेखनीय यह भी है कि बकरी की सवारी करते किसी पक्षी का कोई चित्र केवल एक पशु और एक पक्षी का कोई भौतिक दृश्य भर नहीं है बल्कि यह तो प्रकृति के उस मौन संवाद का प्रतीक है, जिसे आधुनिक मनुष्य अक्सर न सुन पाता है और न समझ पाता है। कमाल यह कि हरी घास के विस्तृत मैदान में एक काली सी बकरी और उसके ऊपर बैठा पक्षी हमें सह-अस्तित्व, विश्वास और पारस्परिक सहयोग का ऐसा पाठ पढ़ाता है, जो किसी भी विज्ञान, एआई या पुस्तक में नहीं मिलता। ऐसा तब है जबकि विकास और संवेदनशीलता का यह संदर्भ हमारे ग्रामीण जीवन के लिए बहुत सामान्य सा विषय है। फिर भी, चिंता यह कि हाल के वर्षों में इसमें हस्तक्षेप की घटनाएं बहुत सामान्य हो गई हैं। विडंबना यह भी कि हमारे विज्ञान ने काफी प्रगति कर ली है और इस प्रसंग से खेतों में चरती गायें, बकरियां, उनके साथ उड़ते-बैठते पक्षी, पेड़ों पर घोंसले और आसपास जीवंत जैव विविधता का सवाल आज रासायनिक खेती, घटते चरागाह, कटते वृक्ष और तेजी से बदलते जीवनशैली के कारण एक अप्राकृतिक संतुलन की चुनौती पेश कर दी है। कल्पना कीजिए, यदि पक्षियों की संख्या कम हो रही है तो इससे केवल एक प्रजाति नहीं घटती बल्कि एक पूरा पारिस्थितिक तंत्र कमजोर पड़ने लगता है। यह तस्वीर हमें याद दिलाती है कि प्रकृति की हर इकाई का अपना महत्व है और किसी एक कड़ी के टूटने से आखिरकार पूरा ताना-बाना ही प्रभावित होने लगता है। बहरहाल, तमाम तरह के तमाशों के बीच इसमें मनुष्यता के लिए एक संदेश छिपा हुआ है। इस संदेश को समझने की जरूरत है क्योंकि बकरी की पीठ पर बैठे किसी पक्षी का सबसे भावुक पक्ष विश्वास होता है। यहां बकरी को कोई आपत्ति नहीं है और पक्षी की उपस्थिति के बावजूद वह निश्चिंत होकर घांस चर रही है। दूसरी ओर, पक्षी भी बिना भय के मजे से उसकी सवारी का आनंद उठा रही है। सह-अस्तित्व के इस खेल में न अधिकार का संघर्ष है, न वर्चस्व की कोई लड़ाई है और न कोई प्रतिस्पर्धा ही है।

विज्ञान लाख प्रगति कर ले और एआई से सबकुछ मुठ्ठी में आ गया हो परन्तु तब भी साथ रहने की कला, एक-दूसरे की उपयोगिता को स्वीकार करने की विनम्रता और बिना शोर मचाए संबंधों को निभाने की संवेदना, एक संदेश बनकर सामने आ ही जाती है। लब्बोलुआब यह कि इसकी जरूरत आज मानव समाज को सबसे अधिक है। जी हाँ, जीवन की सबसे सुंदर साझेदारियाँ तो वहां से निकलकर बाहर आती हैं, जहाँ कोई किसी पर बोझ नहीं बल्कि एक-दूसरे का सहारा बनता नजर आने लगता है। ऐसे में जब दुनिया तेजी से बदल रही है तब बकरी की पीठ पर लदा पक्षी ठहरकर हमें यह सोचने को मजबूर नहीं करता कि सभ्यता का अर्थ सिर्फ भौतिक प्रगति नहीं बल्कि प्रकृति से सीखकर अधिक मानवीय बनने की प्रेरणा से जुड़ा हुआ विषय होता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

भारतीय महर्षि सुश्रुत को वैश्विक सम्मान

देश की बात

महेंद्र तिवारी

मानव सभ्यता के इतिहास में कुछ ऐसे व्यक्तित्व होते हैं जिनका योगदान समय, भूगोल और संस्कृति की सीमाओं को पार कर संपूर्ण मानवता की धरोहर बन जाता है। भारतीय चिकित्सा परंपरा के महान आचार्य महर्षि सुश्रुत ऐसे ही व्यक्तित्वों में शामिल हैं। चिकित्सा विज्ञान, विशेष रूप से शल्य चिकित्सा के क्षेत्र में उनका योगदान इतना व्यापक और दूरदर्शी माना जाता है कि उन्हें विश्वभर में शल्य चिकित्सा का जनक कहा जाता है। लगभग 2600 वर्ष पूर्व उन्होंने जिस वैज्ञानिक दृष्टि, व्यावहारिक ज्ञान और चिकित्सा कौशल का परिचय दिया था, वह आज भी चिकित्सा इतिहास के विद्वानों और आधुनिक चिकित्सकों को प्रभावित करता है। इसी ऐतिहासिक महत्व को स्वीकार करते हुए जून 2026 में स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग स्थित रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जन्स में उनकी कांस्य प्रतिमा का अनावरण किया गया। यह केवल एक प्रतिमा की स्थापना नहीं थी, बल्कि विश्व चिकित्सा इतिहास में भारत के योगदान की एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मान्यता थी। एडिनबर्ग का यह प्रतिष्ठित संस्थान विश्व के सबसे पुराने और सम्मानित शल्य चिकित्सा संस्थानों में से एक माना जाता है। चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान, प्रशिक्षण और शल्य विज्ञान के विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। ऐसे संस्थान के परिसर में महर्षि सुश्रुत की प्रतिमा की स्थापना इस तथ्य का प्रमाण है कि आधुनिक चिकित्सा जगत अब विज्ञान और चिकित्सा के इतिहास को अधिक व्यापक दृष्टिकोण से देख रहा है तथा उन प्राचीन सभ्यताओं के योगदान को भी उचित सम्मान दे रहा है जिन्होंने मानव ज्ञान की उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस प्रतिमा की स्थापना में भारतीय मूल के प्रसिद्ध शल्य चिकित्सक प्रोफेसर चंद्र चेरुवु और उनके परिवार की विशेष भूमिका रही, जिनके प्रयासों से यह ऐतिहासिक सम्मान संभव हो सका। महर्षि सुश्रुत का जीवन भारतीय ज्ञान परंपरा की वैज्ञानिक ऊंचाइयों का प्रतिनिधित्व करता है। माना जाता है कि वे लगभग 600 ईसा पूर्व के आसपास हुए थे। उस समय संसार के अनेक क्षेत्रों में चिकित्सा विज्ञान अभी प्रारंभिक अवस्था में था, जबकि भारत में शरीर रचना विज्ञान, रोग निदान, औषध विज्ञान और शल्य चिकित्सा जैसे विषयों पर व्यवस्थित अध्ययन किया जा रहा था। महर्षि सुश्रुत ने अपने अनुभव, अनुसंधान और अवलोकनों के आधार पर चिकित्सा ज्ञान को एक संगठित स्वरूप प्रदान किया। उनकी प्रसिद्ध कृति सुश्रुतसंहिता आज भी चिकित्सा इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण ग्रंथों में गिनी जाती है। यह केवल एक चिकित्सा ग्रंथ नहीं, बल्कि प्राचीन भारत की वैज्ञानिक चेतना, अनुसंधान पद्धति और व्यावहारिक चिकित्सा ज्ञान का विस्तृत दस्तावेज है। सुश्रुतसंहिता में शल्य चिकित्सा के सिद्धांतों और प्रक्रियाओं का अत्यंत व्यवस्थित वर्णन मिलता है। इसमें विभिन्न रोगों के उपचार, घावों की देखभाल, हड्डियों के उपचार, शरीर की संरचना, शल्य उपकरणों तथा चिकित्सा नैतिकता के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई है। यह ग्रंथ इस बात का प्रमाण है कि उस समय चिकित्सा विज्ञान केवल अनुभव या परंपरा पर आधारित नहीं था, बल्कि उसमें वैज्ञानिक अवलोकन, वर्गीकरण और परीक्षण की स्पष्ट पद्धति मौजूद थी। ज्ञान को व्यवस्थित रूप से संकलित करना किसी भी विकसित वैज्ञानिक परंपरा की पहचान होती है और महर्षि सुश्रुत का कार्य इस कसौटी पर पूरी तरह खरा उतरता है। महर्षि सुश्रुत की सबसे प्रसिद्ध उपलब्धियों में पुनर्निर्माण शल्य चिकित्सा का विकास शामिल है। विशेष रूप से नाक के पुनर्निर्माण की प्रक्रिया का उनका वर्णन चिकित्सा इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। प्राचीन काल में विभिन्न अपराधों के दंडस्वरूप कभी-कभी नाक काट दी जाती थी। ऐसी स्थिति में चेहरे की संरचना को पुनः सामान्य रूप में लाना अत्यंत कठिन कार्य था। महर्षि सुश्रुत ने त्वचा प्रत्यारोपण और पुनर्निर्माण की जो तकनीक विकसित की, उसे आधुनिक प्लास्टिक सर्जरी की प्रारंभिक आधारशिला माना जाता है। यही कारण है कि उन्हें पुनर्निर्माण शल्य चिकित्सा का अग्रदूत भी कहा जाता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आपकी बात

इंसान होने की सजा

डॉ सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

वह जो कमरे के कोने में रखी मेज पर चाय की प्याली से उठती हुई भाप है न, वह असल में भाप नहीं है। वह मेरे भीतर बची हुई आखिरी गर्माहट का वेंटिलेटर है। लोग कहते हैं कि मैं बदल गया हूँ, थोड़ा बहुत खराब हो गया हूं। पर सच मानिए, इस चमचमाती, सलीके से इस्त्री की हुई दुनिया में थोड़ा बहुत ख़राब तो होना भी चाहिए। अगर आप बिल्कुल ठीक हैं, तो यकीन मानिए आप किसी कारखाने में बने प्लास्टिक के पुतले हैं, जिसमें दिल की जगह बस एक खाली खोखलापन धड़कता है। मैं एक दफ्तर में काम करता हूं। दफ्तर क्या है, एक आलीशान कब्रगाह है जहां हर सुबह जिंदा लोग अपनी लाशें लेकर हाजिरी लगाने आते हैं। मेरे बॉस, तिवारी जी, एक ऐसे जीव हैं जिनकी मुस्कान देखकर लगता है जैसे किसी गिद्ध ने अभी-अभी एक ताज़ा शिकार देखा हो। उनकी आंखों में फाइलों के पन्ने तैरते हैं और ज़ुबान पर सिर्फ एक ही तकियाकलाम रहता है, "मैनेज करो।" मैंने भी मैनेज करना सीख लिया था। इतना मैनेज किया कि अपनी रीढ़ की हड्डी को रबर का बना दिया। जब वे डांटते, मैं मुस्कुराता। जब वे चाय मंगाते, मैं बिस्कुट का पैकेट भी अपनी जेब से खोल देता। मैं इस सड़ी हुई व्यवस्था का सबसे बेहतरीन, सबसे 'सच्चा' और सबसे 'सफल' पुर्जा बन चुका था। घर पर बूढ़ी माँ खांसती रहती, तो मैं कहता, "माँ, थोड़ा मैनेज करो, इस महीने टारगेट पूरा नहीं हुआ तो इंसेंटिव नहीं मिलेगा।" पत्नी की आंखों में जब मायूसी का कुहरा जमता, तो मैं उसे ईएमआई के नए वाशिंग मशीन का सपना चखा देता। मैं बिल्कुल ठीक था। मशीन की तरह परफेक्ट। फिर एक दिन वह हुआ, जिसने मेरी 'परफेक्ट' जिंदगी में पहला छेद किया। दफ्तर की इमारत के ठीक बाहर, उस चिलचिलाती धूप में जहां तारकोल पिघल रहा था, एक पिल्ला कंक्रीट के मलबे के नीचे दबा हुआ था। उसकी टांग टूट चुकी थी। वह रो नहीं रहा था, बस उसकी आंखें किसी मूक गवाह की तरह इंसानी बस्तियों को देख रही थीं। लंच ब्रेक में सब तमाशा देख रहे थे। कोई वीडियो बना रहा था, कोई कह रहा था, "नगर निगम वाले कितने लापरवाह हैं।"

राष्ट्रीय नवीन मेल
धर्म-अध्यात्म

हमारी मुक्ति के लिए ईश्वर से अधिक उत्सुक और कोई नहीं है

श्री श्री परमहंस योगानंद

मैं परिस्थितियों को दोष नहीं देता और न ही किसी अन्य व्यक्ति को सुधारने का प्रयास करता है। सर्वप्रथम मैं अपने भीतर में जाता हूँ। मैं अपनी आत्मा के किले की सफाई करने का प्रयास करता है ताकि किसी भी ऐसी वस्तु को हटा सकूं जो आत्मा की सर्वशक्तिमान, सर्वबुद्धिमान अभिव्यक्ति में बाधा डालती हो। जीने का सफल मार्ग यही है। संकट और रोग के पास हमारे लिए शिक्षा है। हमारे कष्टदायक अनुभव हमारा विनाश करने के लिए नहीं होते। बल्कि हमारे पाप कर्मों का मैल धोकर, हमें शीघ्रता से वापस परमधाम ले जाने के लिए हैं। हमारी मुक्ति के लिए ईश्वर से अधिक उत्सुक और कोई नहीं है। हमारे और ईश्वर के बीच माया का धुंधला पर्दा आ गया है, और 'उन्हें' खेद है कि हमने 'उन्हें' अपनी दृष्टि से ओझल कर दिया है। गिरते हुए बमों से, भयानक रोगों में, और जीने की ग़लत आदतों के कारण होती मृत्यु से, अपने बच्चों को दुःखी देखकर वे प्रसन्न नहीं हैं। उन्हें इसका अफ़सोस है, क्योंकि वे हमें प्रेम करते हैं तथा हमारी वापसी चाहते हैं। आपको रात्रि में ध्यान करने और उनके साथ एकात्म होने का प्रयास अवश्य करना चाहिए! वे आपके बारे में बहुत सोचते हैं। आप परित्यक्त नहीं हैं। यह तो आप ही हैं जिसने अपने आत्मन (आत्मा) का परित्याग किया हुआ है। जब आप जीवन के अनुभवों का प्रयोग अपने शिक्षक के रूप में करते हैं और उनसे इस संसार के सच्चे स्वरूप एवं उसमें अपनी भूमिका के बारे में सीखते हैं, तो वे अनुभव शाश्वत परिपूर्णता एवं प्रसन्नता के मूल्यवान् मार्गदर्शक बन जाते हैं।

-पुस्तक जहां है प्रकाश से साभार

फेसबुक वॉल से

एक्स से

वीआईपी संस्कृति में प्रशासनिक संवेदनहीनता और लोककल्याण

अलग बात

अशोक 'प्रवृद्ध'

समसामयिक भारत के लोकतांत्रिक ताने-बाने में समय-समय पर राजशक्ति की जो विकृतियां और विद्रूपताएं उभरकर सामने आती हैं, वे केवल प्रशासनिक विफलता का परिचायक नहीं हैं, अपितु वे हमारे युग बोध की नैतिकपतनशीलता की द्योतक भी हैं। विगत दिनों जयपुर में मुख्यमंत्री के सुरक्षा काफिले के मार्ग को निर्बाध करने के उपक्रम में पुलिस-प्रशासन द्वारा जिस अमानवीय संवेदनहीनता का परिचय देते हुए एक श्रमजीवी महिला के जीविकोपार्जन के साधन ठेले को बलपूर्वक पलटा गया और जिसके परिणामस्वरूप वह खौलते जल से गंभीर रूप से झुलस गई, वह घटना आधुनिक व्यवस्था के क्रूर एवं अमानवीय चेहरे को उजागर करती है।यह कोई एकाकी या अप्रत्याशित घटना नहीं है, अपितु यह उस वीआईपी संस्कृति (अति विशिष्ट व्यक्ति संस्कृति) की स्वाभाविक परिणति है, जिसने लोकतांत्रिक स्वांग के पीछे एक नवीन, निरंकुश सामंतवाद को प्रश्रय दे रखा है। जब राज्य की सुरक्षा और व्यवस्था के नाम पर एक निर्धन नागरिक के जीवन, सम्मान और मौलिक अधिकारों की बलि चढ़ा दी जाती है, तब लोकतंत्र का लोकाभिमुख स्वरूप ध्वस्त होकर केवल शासकाभिमुख रह जाता है। इस प्रकार की घटनाएं आज के भारत में एक निरंतर चलने वाली व्यवस्था बन चुकी हैं, जहांएम्बुलेंस में जीवन-मृत्यु से संघर्ष करते रोगियों को राजनेताओं के काफिले के लिए रोक दिया जाता है, और जनसाधारण को सड़कों पर घंटों बंधक बना लिया जाता है। प्राचीन भारतीय ग्रंथों में जिस राजधर्म की परिकल्पना की गई है, उसमें राजा अथवा शासक विधाता या स्वामी नहीं, अपितु प्रजा का सर्वोच्च सेवक और रक्षक होता था। सनातन भारतीय परंपरा में राज्य का अस्तित्व केवल व्यवस्था बनाए रखने के लिए नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के योगक्षेम (सुरक्षा और संवर्धन) के लिए स्वीकार किया गया है।

महर्षि वेदव्यास ने महाभारत के शांतिपर्व में राजधर्म का प्रतिपादन करते हुए स्पष्ट लिखा है-

प्रजासुखे सुखं राज्ञः प्रजानां च हिते हितम।
नात्मप्रियं हितं राज्ञः प्रजानां तु प्रियं हितम।।

अर्थात- प्रजा के सुख में ही राजा का सुख निहित है और प्रजा के हित में ही उसका हित है। राजा के लिए अपना प्रिय कुछ भी हितकर नहीं होता, बल्कि प्रजा का जो प्रिय है, वही राजा के लिए भी हितकर होता है।

जयपुर की घटना या समसामयिक भारत में वीआईपी मूवमेंट के कारण जनसाधारण को होने वाली असुविधाएं इस शाश्वत सिद्धांत के ठीक विपरीत हैं। जब शासक वर्ग स्वयं को प्रजा के सुख से ऊपर समझने लगता है और अपनी यात्रा को जनसाधारण के जीवन से अधिक मूल्यवान मानने लगता है, तब वह राजधर्म च्युत हो जाता है।महाभारत के शांतिपर्व में ही भीष्म पितामह युधिष्ठिर को उपदेश देते हुए कहते हैं कि राजा का मुख्य कर्तव्य दुर्बलों की रक्षा करना है, क्योंकि दुर्बल की आह और अश्रु संपूर्ण साम्राज्य का समूल विनाश कर देते हैं-

कृपणानां अनाथानां वृद्धानां च तपस्विनाम।
यदश्रु पतते राज्ञः स वै दण्डो विनिर्मितः।।

अर्थात- अनाथों, वृद्धों, दीन-दुखियों और असहायों के जो आंसू राजा की अकर्मण्यता या क्रूरता के कारण भूमि पर गिरते हैं, वे आंसू ही राजा का विनाश करने वाले काल-दण्ड बन जाते हैं। आचार्य चाणक्य ने अपने कालजयी ग्रंथ अर्थशास्त्र में राज्य के प्रशासनिक ढांचे को संवेदनशीलता और न्यायप्रियता की कसौटी पर कसा है। चाणक्य के अनुसार जो राज्य अपनी प्रजा के भरण-पोषण और उनके व्यापारिक व आर्थिक अधिकारों की रक्षा नहीं कर सकता, वह राज्य टिक नहीं सकता। कौटिल्य ने स्पष्ट निर्देश दिया था कि सड़कों, मार्गों और सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी नागरिक को बिना किसी ठोस कारण के प्रताड़ित नहीं किया जा सकता। अर्थशास्त्र के चतुर्थ अधिकरण- कंटकशोधन में राज्य के प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा किए जाने वाले अत्याचारों और उत्पीडन के विरुद्ध कठोर दंड का विधान है। चाणक्य ने लिखा है कि यदि कोई राजकीय अधिकारी अपने पद के मद में चूर होकर किसी निर्दोष नागरिक की संपत्ति को नष्ट करता है या उसे शारीरिक क्षति पहुंचाता है, तो उसे साधारण अपराधी से भी दुगुना दंड मिलना चाहिए। जयपुर की घटना में जहाँ एक महिला की आजीविका को नष्ट कर उसके शरीर को क्षति पहुंचाई गई, यदि उसे कौटिलीय न्यायशास्त्र की दृष्टि से देखा जाए, तो दोषी पुलिसकर्मी और संबंधित प्रशासनिक अधिकारी गंभीरतम राजकीय दंड के अधिकारी सिद्ध होते हैं। जयपुर की यह वीभत्स घटना देश में व्याप्त प्रशासनिक निरंकुशता के व्यापक परिदृश्य का एक लघु अंश मात्र है। यदि हम वर्तमान समय के अन्य समसामयिक मुद्दों की ओर दृष्टिपात करें, तो लोककल्याणकारी राज्य की अवधारणा खंडित होती दिखाई देती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आज का दोहा

लंगर खुलते ही हुआ, अनियंत्रित सा पोत।
जिस पर चढ़ महफूज थे, डूबा वही सु-पोत।।

सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत, सुझाव या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें article.rnmail@gmail.com कॉल/व्हाट्सएप - 82925 53444 -संपादक

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', सह कार्यकारी संपादक : प्रवीण कुमार दूबे, स्थानीय संपादक : डॉ राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : समाचार - news.rnmail@gmail.com, लेख - article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

अयोध्या राम मंदिर कथित दान में हेराफेरी की जांच

एसआईटी रिपोर्ट में खुलासा, दो महीने में 70 बार हुई चोरी

उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर में मिले दान में कथित हेराफेरी की जांच के दौरान, जांच अधिकारियों ने सीसीटीवी फुटेज की जांच करते हुए पाया कि 27 अप्रैल से 5 जून के बीच चोरी की 70 कोशिशें की गईं। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी में मनीष कुमार यादव नाम के एक व्यक्ति को कई बार चोरी की कोशिश करते हुए देखा जा सकता है, लेकिन उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। सूत्रों के मुताबिक, मामले की जांच कर रही स्पेशल इन्वेस्टिगेटिंग टीम (एसआईटी) ने यह भी पाया कि दान की गिनती के दौरान उसे संभालने में बड़ी खामियां थीं। टीम ने 2022-23, 2023-24 और 2024-25 के फाइनेंशियल ईयर की इंटरनल ऑडिट रिपोर्ट की भी जांच की, जिसमें कई प्रक्रियात्मक कमियां सामने आईं। अब तक आठ आरोपियों को गिरफ़्तार किया जा चुका है, जिनमें चंपत राय के करीबी सहयोगी रमाशंकर यादव उर्फ़ टिन्नू यादव भी शामिल हैं। अन्य आरोपियों में अनुकल्प मिश्रा, अविनाश शुक्ला, करुणेश पांडे, लव कुश मिश्रा, रमा शंकर मिश्रा और सुभाष श्रीवास्तव शामिल हैं। सूत्रों ने बताया है कि एसआईटी की सिफारिश के आधार पर और लोगों की गिरफ़्तारी हो सकती है।

राम मंदिर चढ़ावा मामले के बीच चंपत राय और अनिल मिश्रा ने दिया इस्तीफा

एजेंसी। अयोध्या

राम मंदिर के चढ़ावे में कथित गड़बड़ी के मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट के आधार पर एफआईआर दर्ज होने के बाद पूरे प्रकरण ने तूल पकड़ लिया है। इस बीच सूत्रों के हवाले से खबर है कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा ने अपने-अपने पदों से इस्तीफा सौंप दिया है। सूत्रों का दावा है कि चंदे और चढ़ावे में कथित अनियमितताओं के आरोपों के बाद दोनों पदाधिकारियों पर नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए पद छोड़ने का दबाव बढ़ रहा था। इसी के चलते उन्होंने इस्तीफा देने का फैसला किया। इस मामले पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि आरोप सामने आते ही सरकार ने तत्काल एसआईटी गठित करने के निर्देश दिए थे।बता दें कि गुरुवार देर रात मंदिर के कर्मचारियों, नकदी गिनने वाले स्टाफ और कुछ पूर्व बैंक अधिकारियों समेत आठ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। आरोप है कि इन सभी ने आपसी मिलीभगत से मंदिर की दान राशि का गबन किया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, मनीष कुमार यादव, करुणेश पांडेय, रामाशंकर मिश्रा, सुभाष श्रीवास्तव और राम शंकर यादव उर्फ टिन्नू शामिल हैं। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।आरोपियों के खिलाफ धारा 305, 306, 316(5), 317(4), 317(5), 61, 3(5) बीएनएस व 13(1)(ए) पीसी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस प्रकरण की जांच कर रही एसआईटी के प्रमुख सदस्य लखनऊ मंडल के आयुक्त विजय विश्वास पंत ने गत मंगलवार को टीम के अन्य दो सदस्यों के साथ शासन को प्रारंभिक प्रतिवेदन सौंपा था, जिसमें कठोर संस्तुतियां हैं।हालांकि, एफआईआर दर्ज होने के बावजूद कई लोगों ने सवाल उठाए कि कार्रवाई केवल निचले स्तर के कर्मचारियों तक ही सीमित क्यों रही और वरिष्ठ पदाधिकारियों की जवाबदेही तय क्यों नहीं की गई। इसके बाद ट्रस्ट के दो वरिष्ठ सदस्यों के इस्तीफे को इस मामले का बड़ा राजनीतिक और प्रशासनिक घटनाक्रम माना जा रहा है। गौरतलब है कि 14 जून को श्री राम जन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट के अनुरोध पर उत्तर प्रदेश सरकार ने दान राशि में कथित अनियमितताओं की जांच के लिए तीन सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था। अब जांच आगे बढ़ने के साथ इस मामले में और भी खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

सनातन से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं, होगी सख्त कार्रवाई : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

अयोध्या राम मंदिर से जुड़े दान में कथित हेराफेरी के मामले में आठ लोगों की गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया देते हुए, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने सनातन मूल्यों और लोगों की आस्था का फायदा उठाने की कोशिश करने वालों के प्रति 'ज़ीरो-टॉलरेंस' की नीति अपनाई है। इस मुद्दे पर सार्वजनिक रूप से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) की रिपोर्ट आने के तुरंत बाद कार्रवाई शुरू कर दी गई थी। उन्होंने दोहराया कि सरकार ने लोगों को भरोसा दिलाया था कि अयोध्या से जुड़े मामलों में कोई समझौता नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने कहा था, 'अयोध्या की चिंता न करें।' जैसे ही SIT की रिपोर्ट आई, तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी गई। आस्था के मामलों के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मैं उन लोगों से भी अपील करना चाहता हूं जो आज इस मुद्दे को उठा रहे हैं — ये वही लोग हैं जिन्होंने कभी भगवान राम के अस्तित्व को ही नकार दिया था। योगी ने कहा कि 19 जून को अयोध्या के दौरे के दौरान ही राज्य सरकार ने अपना रुख साफ़ कर दिया था। उन्होंने चेतावनी दी थी कि लोगों के भरोसे का गलत इस्तेमाल करने या करोड़ों लोगों के लिए गहरी धार्मिक अहमियत रखने वाली जगह को बदनाम करने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

ऐसी सजा दिलाई जाए कि राम के साथ गद्दारी करने की कोई हिम्मत नहीं कर पाए

गुरुग्राम। राम मंदिर चढ़ावा विवाद मामले में एसआईटी जांच के बाद एफआईआर को लेकर विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय संयुक्त महासचिव डॉ. सुरेंद्र जैन की प्रतिक्रिया सामने आई है। आईएएनएस से बातचीत करते हुए डॉ. सुरेंद्र जैन ने कहा कि राम मंदिर में चढ़ावे में गबन करने वाले लोगों को पकड़ा जा चुका है। एसआईटी की जांच का पक्ष पूरा हो गया है। इस मामले में एफआईआर की गई है और पुलिस ने कार्रवाई भी शुरू कर दी है। जिस तरह से जघन्य पाप उन्होंने किया है, जीवन भर जेल से बाहर नहीं निकल पाएंगे। इनको वैसी सजा दिलाई जाएगी कि राम के साथ गद्दारी करने की कोई हिम्मत नहीं कर पाएगा।उन्होंने कहा कि कुछ लोगों की ओर से इस मामले को राजनीतिक तौर पर उठाया जा रहा है। इससे पहले भी उनकी ओर से रामलला के प्रति आस्थाएं समाप्त करने के लिए बहुत कोशिश की गई है। उनकी ओर से नए-नए नाम जोड़े जा रहे हैं। क्या एसआईटी उनके कहने से नाम जोड़ेगी? क्या उनको एसआईटी पर विश्वास नहीं है, देश के संविधान पर विश्वास नहीं है? एसआईटी की पूरी रिपोर्ट सामने आने देना चाहिए। अगर किसी को शक है तो कोर्ट का दरवाजा खुला है। डॉ. सुरेंद्र जैन ने कहा कि अगर किसी के पास कोई सबूत है तो उनको पुलिस थाने में जमा करना चाहिए।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद : चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफे के बाद विपक्षी नेताओं ने उठाए सवाल

नई दिल्ली। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा के इस्तीफे के बाद विपक्ष ने केंद्र और ट्रस्ट पर तीखे सवाल उठाए हैं। शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने कहा, "चंपत राय के इस्तीफे से क्या हासिल होगा? एक एसआईटी बनाई गई थी और उसने अपनी रिपोर्ट भी सौंप दी। उन्होंने कुछ छोटे-मोटे लोगों को गिरफ्तार किया लेकिन पूरे ट्रस्ट को ही भंग कर देना चाहिए।" उन्होंने कहा, "सपा प्रमुख व यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने सबसे पहले ये मुद्दा उठाया तब जाकर ये मामला उजागर हुआ।"वहीं, कांग्रेस के राज्यसभा सांसद राजीव शुक्ला ने कहा कि चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफे से यह मामला खत्म नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, "अगर सैकड़ों या हजारों करोड़ रुपए की लूट हुई है, तो क्या पूरा पैसा सिर्फ चंपत राय के पास गया? यह बहुत बड़ा मामला है और इसकी पूरी जांच होनी चाहिए।"राजद के प्रवक्ता शक्ति यादव ने भी इस मुद्दे पर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पहले ही कह चुके हैं कि चंपत राय और अनिल मिश्रा का ट्रस्ट से इस्तीफा देना बेहद गंभीर मामला है। अभी तो केवल एफआईआर दर्ज हुई है और कुछ लोग इस मामले की 'मुख्य मछली' को बचाने की कोशिश कर रहे हैं।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद पर आचार्य प्रमोद कृष्णम बोले, 'एक-दो इस्तीफों से बात खत्म नहीं होती, तह तक जाना जरूरी'

गाजियाबाद। राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी और ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय व अनिल मिश्रा के इस्तीफे को लेकर उठे विवाद पर आध्यात्मिक नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इसे केवल आर्थिक अनियमितता नहीं बल्कि 'आस्था की लूट' बताया और मामले की गहराई से निष्पक्ष जांच की मांग की। गाजियाबाद में आईएएनएस से बातचीत करते हुए आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि यह कोई सामान्य चोरी का मामला नहीं है बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा विषय है। उन्होंने कहा, "यह किसी दुकान या फैक्ट्री की चोरी नहीं है, यह आस्था की लूट है। इसमें एक-दो इस्तीफों से बात खत्म नहीं होती, इसकी तह तक जाना जरूरी है।" उन्होंने दावा किया कि यह मामला केवल कुछ करोड़ रुपये का नहीं बल्कि हजारों करोड़ रुपये के स्तर तक का हो सकता है। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और जो भी दोषी हो, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता का भरोसा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर है, इसलिए उम्मीद है कि जांच पारदर्शी तरीके से आगे बढ़ेगी। निष्पक्षता के लिए वरिष्ठ लोगों का इस्तीफा देना जरूरी था। नैतिक दायित्वों का निर्वहन करना बड़ा आवश्यक है।

'राम मंदिर के मौजूदा ट्रस्ट को तुरंत भंग करें', कांग्रेस ने की संतों-धर्माचार्यों को कमान सौंपने की मांग

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य राजीव शुक्ला ने शुक्रवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मुख्यालय पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राम मंदिर चढ़ावा मामले को लेकर एनडीए पर निशाना साधते हुए राम मंदिर ट्रस्ट को भंग करने और मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की। राजीव शुक्ला ने पत्रकारों से बात करते हुए राम मंदिर ट्रस्ट के कामकाज और दान प्रबंधन को लेकर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया राम मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए आभूषणों, गहनों और नकद दान का समुचित रिकॉर्ड नहीं रखा गया। साथ ही मौजूदा ट्रस्ट को भंग कर धर्माचार्यों, शंकराचार्यों और साधु-संतों की भागीदारी वाला नया ट्रस्ट गठित करने की मांग भी की। राजीव शुक्ला ने कहा, "मंदिर के लिए दिए गए दान का व्यवस्थित लेखा-जोखा नहीं रखा गया। नकद दान में भी कथित अनियमितताएं हुई है। यदि किसी ने 13 लाख रुपये का दान दिया, तो रिकॉर्ड में केवल 10 लाख रुपये दिखाए गए और शेष राशि का कोई हिसाब नहीं मिला।" उन्होंने दावा किया कि कई श्रद्धालुओं ने शिकायत की है कि उन्हें अपने दान की कोई रसीद तक नहीं मिली और भगवान राम का हीरे का हार भी कथित तौर पर गायब है।

1947 में मुस्लिम लीग के आगे समर्पण से शुरू होता है 'कांग्रेस के सरेंडर का कैलेंडर' : सुधांशु त्रिवेदी

एजेंसी। नई दिल्ली

भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस पर शुक्रवार को जोरदार हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस का 'सरेंडर का कैलेंडर' 1947 में भारत को दो टुकड़ों में बांटकर मुस्लिम लीग के आगे समर्पण से शुरू होता है।नई दिल्ली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि 1947 में भारत के दो टुकड़े करके मुस्लिम लीग के आगे समर्पण से शुरू होकर, 1948 में पाकिस्तान को पीओके सौंपना, 1962 में चीन को अक्साई चिन सौंपना, लगभग असम को सौंप ही दिया था, मानसरोवर क्षेत्र को सौंपना और फिर कच्चातिवु द्वीप को सौंपना- यह कांग्रेस के सरेंडर की एक दुखद श्रृंखला है, जिसे भारत को हमेशा याद रखना चाहिए। भाजपा सांसद ने कहा कि कांग्रेस के सरेंडर के कैलेंडर का एक और ऐतिहासिक काला अध्याय है। आज ही के दिन 26 जून 1974 को तमिलनाडु के पास स्थित कच्चातिवु द्वीप को तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने भारत से अलग करके श्रीलंका को सौंप दिया था। इसके कारण तमिलनाडु के मछुआरों को आज भी अनेक प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। वहां एक ईसाई तीर्थस्थल सेंट एंटोनी चर्च है, जहां यदि मछुआरे अपनी नाव पर भारत का ध्वज लगाकर जाते हैं, तो उन्हें अनुमति नहीं मिलती। यह कांग्रेस की शर्मनाक विदेश नीति का स्मरण है। यह कांग्रेस की शर्मनाक विदेश नीति का दिन है। हम कह सकते हैं कि कांग्रेस का सरेंडर का कैलेंडर 1947 के विभाजन से शुरू होता है, फिर 1948 में पीओके, 1962 में अक्साई चिन, मानसरोवर और कच्चातिवु तक जारी रहा।

कोलकाता को दोबारा से बड़ा आर्थिक और शहरी हब बनाना जरूरी: संजीव

एजेंसी। कोलकाता

पूर्वी भारत में तेजी से विकास करने वाले शहरों का नेटवर्क बनाने और 'विकसित भारत' का लक्ष्य हासिल करने के लिए कोलकाता को एक बड़े शहरी और आर्थिक केंद्र के तौर पर फिर से विकसित करना आवश्यक है। यह बयान शुक्रवार को प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार समिति (ईएसी) के सदस्य संजीव सान्याल ने दिया। कोलकाता में पत्रकारों से बात करते हुए सान्याल ने कहा कि 'विकसित भारत' के विजन को साकार करने के लिए पूर्वी भारत और बंगाल का विकसित होना जरूरी है, और इसमें कोलकाता इस क्षेत्र का सबसे बड़ा शहरी केंद्र बना रहेगा। उन्होंने पूर्वी भारत में तेजी से बढ़ रहे शहरी केंद्रों का नेटवर्क बनाने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पटना, गुवाहाटी, रांची और भुवनेश्वर जैसे शहरों को भी ग्रोथ सेंटर के तौर पर उभरने की जरूरत है, लेकिन कोलकाता इस इलाके का सबसे बड़ा हब बना हुआ है और पूर्वी भारत में तेजी से आर्थिक विकास के लिए इसका फिर से आगे बढ़ना बहुत जरूरी है।

यूसीसी पर मौलाना शहाबुद्दीन का विरोध, बोले-मुसलमानों को किया जा रहा टारगेट

बरेली। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने यूसीसी का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि खासतौर पर मुसलमानों को टारगेट करके यूसीसी लाया जा रहा है। उन्होंने इस्लामिक कानून और एनसीईआरटी में आपातकाल चैप्टर पर की गई टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया दी और सीएम योगी आदित्यनाथ के मुहर्रम सुरक्षा संबंधी बयान पर टिप्पणी की। मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने कहा कि यूसीसी भाजपा के एजेंडे में शामिल है और वह चुनावी वादों में इस बात की जिक्र करती रही है। इसीलिए भाजपा शासित राज्यों में यूसीसी कानून लाने का प्रयास जारी है। उत्तराखंड, गुजरात और असम के बाद अब पश्चिम बंगाल में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लागू किया जाएगा। लेकिन यह संविधान के खिलाफ है। संविधान के मुताबिक, जिस राज्य में यूसीसी लागू किया जाएगा, वहां की जनता से राय मांगी जाएगी। सभी समुदाय के लोगों की सहमति के बाद यूसीसी लागू किया जाएगा। जिन राज्यों में यूसीसी लागू है वहां एकतरफा है। मौलाना ने कहा कि उत्तराखंड में यूसीसी लागू होते समय जस्टिस रंजना देसाई की कमेटी ने मुसलमान समुदाय से बात नहीं की।

ताजिया जुलूस के दौरान बड़ा हादसा, करंट से तीन की मौत; 12 से ज्यादा लोग झुलसे

रतलाम। मध्य प्रदेश के रतलाम जिले के पिपलौदा क्षेत्र के ग्राम हतनारा में मोहर्रम जुलूस के दौरान गुरुवार रात बड़ा हादसा हो गया। ताजिया 11 केवी हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आने से उसमें करंट फैल गया, जिससे तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 12 से अधिक लोग झुलस गए। हादसे के बाद जुलूस में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। ग्रामीणों और निजी वाहनों की मदद से घायलों को तत्काल रतलाम मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस के अनुसार घटना रात करीब 11:15 बजे की है। पंचमुखी महादेव मंदिर और मस्जिद के बीच मुख्य मार्ग से ताजिया निकाला जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ताजिया करीब 10 से 12 फीट ऊंचा था, लेकिन लोगों द्वारा उठाने के बाद इसकी ऊंचाई करीब 16 से 17 फीट तक पहुंच गई। इसी दौरान ताजिया ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन से टकरा गया और जोरदार आवाज के साथ करंट फैल गया। इस हादसे में ग्राम हतनारा निवासी अरबाज खान, रशीद खान और सड्डू खान की मौत हो गई। वहीं कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया।

वैष्णो देवी यात्रा को सुरक्षा होगी और मजबूत डीआईजी शिव कुमार शर्मा ने दिए निर्देश

कटरा। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी और उधमपुर-रियासी रेंज के डीआईजी शिव कुमार शर्मा ने शुक्रवार को तीर्थयात्रियों की संख्या में संभावित बढ़ोतरी को देखते हुए कटरा और भवन के रास्ते में सुरक्षा और ऑपरेशनल तैयारियों का जायजा लेने और उन्हें मजबूत करने के लिए एक उच्चस्तरीय संयुक्त सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, ताकि श्री माता वैष्णो देवी यात्रा सुचारू, सुरक्षित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। बैठक में एसएसपी रियासी, एसपी कटरा, एसडीपीओ कटरा, डिप्टी सीएपी भवन, सेना, सीआरपीएफ, इंटेलिजेंस ब्यूरो, सीआईडी, रेलवे, ट्रैफिक पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक के दौरान एसएसपी रियासी ने कटरा शहर, यात्रा मार्ग और पवित्र मंदिर में सुरक्षा व्यवस्था पर एक व्यापक सुरक्षा ग्रिड और विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। रास्ते में तैनाती, सीसीटीवी निगरानी तंत्र, आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली और संबंधित एजेंसियों के बीच समन्वय सहित सभी मौजूदा सुरक्षा उपायों की गहन समीक्षा की गई। कटरा शहर, यात्रा मार्ग और पवित्र मंदिर के आसपास के सभी पहाड़ी इलाकों, ऊंची चोटियों और संवेदनशील स्थानों की सुरक्षा पर विशेष जोर दिया गया।

मुहर्रम के दौरान कराची में बिजली व गैस की कटौती ने बढ़ाई परेशानी

एजेंसी। इस्लामाबाद

पाकिस्तान के कराची में गैस और बिजली कटौती की वजह से त्योहार के मौके पर भी लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पाकिस्तान की स्थानीय मीडिया की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, लोगों को आशूरा के लिए 'सेहरी' और इफ्तार का खाना बनाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ा। कराची की बिजली आपूर्ति कंपनी के-इलेक्ट्रिक ने दावा किया है कि उसने मुहर्रम 11 तक कई इलाकों को तय लोडशेडिंग से छूट दी है। हालांकि, पाकिस्तान के अखबार डॉन के अनुसार,

दुकानों के बाहर लगी लाइन

कई इलाकों में लोगों को धार्मिक आयोजनों के दौरान बिजली के लिए दूसरे तरीकों का इस्तेमाल करना पड़ा। सद्दार, बर्न्स रोड, ल्यारी, क्लिफ्टन, डिफेंस हाउसिंग अथॉरिटी, फेडरल बी एरिया, उत्तरी कराची, लियाकतबाद, मालिर, कोरंगी, शाह फैसल कॉलोनी, ओरंगी टाउन, केमारी और बलदिया टाउन सहित शहर के बड़े हिस्सों में बुधवार देर रात से लंबे समय तक बिजली कटौती की समस्या देखने को मिली। हालांकि के-इलेक्ट्रिक ने दावा किया कि बिजली की सप्लाई शेड्यूल के हिसाब से बिना रुके हो रही है।

तारातला हादसे पर मुख्यमंत्री ने कहा- वास्तुकार और डिजाइनर होंगे ब्लैकलिस्ट

एजेंसी। कोलकाता

कोलकाता के तारातला में निर्माणाधीन गोदाम की छत ढहने की घटना के बाद पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि परियोजना की निगरानी के लिए जिम्मेदार वास्तुकार और डिजाइनर को तत्काल प्रभाव से ब्लैकलिस्ट किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई सिर्फ शुरुआत है और भविष्य में निगरानी में लापरवाही बरतने वाले किसी भी वास्तुकार, योजनाकार या डिजाइनर के खिलाफ इसी तरह की कार्रवाई की जाएगी। कोलकाता के मैदान स्थित लोक निर्माण विभाग के शिविर में मुख्यमंत्री ने कहा कि शनिवार को सरकारी कार्यालय खुलते ही कोलकाता नगर निगम की आयुक्त एवं प्रशासक स्मिता पांडे ब्लैकलिस्ट करने की प्रक्रिया शुरू करेंगी। उन्होंने कहा कि वास्तुकार, योजनाकार, डिजाइनर और उनसे जुड़ी संस्थाएं स्वीकृत परियोजनाओं की निगरानी करने के लिए जिम्मेदार होती हैं। उन्होंने लिखित आश्वासन दिया था कि निर्माण कार्य की देखरेख करेंगे, लेकिन तारातला मामले में ऐसा नहीं किया गया। इसलिए उन्हें ब्लैकलिस्ट किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार कोलकाता में निर्माण कार्यों से जुड़े पूरे "अवैध गठजोड़" को खत्म करेगी। उन्होंने कहा, "कोलकाता के हर अवैध गठजोड़ को तोड़ा जाएगा।

आज कल

उपराष्ट्रपति ने दिया 'नशा मुक्त भारत' का संदेश

एजेंसी। नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के अवसर पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन समेत कई नेताओं ने 'नशा मुक्त भारत' का संदेश दिया है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दिवस पर, आइए हम 'नशा मुक्त भारत' बनाने के अपने सामूहिक संकल्प को दोहराएं। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "मैं उन विश्वविद्यालयों, शिक्षण संस्थानों और संगठनों की सराहना करता हूं जो इस अभियान को सक्रिय रूप से आगे बढ़ा रहे हैं। उनके प्रयास एक मज़बूत, स्वस्थ और नशा-मुक्त भारत बनाने की दिशा में सार्थक योगदान दे रहे हैं। आइए, हम सब मिलकर जागरूकता फैलाएं, नशा छोड़ने की प्रक्रिया से गुजर रहे लोगों का समर्थन करें और अपने युवाओं को नशे के बजाय उम्मीद, सेहत और जीवन के मकसद को चुनने के लिए प्रेरित करें।"केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ़ अंतरराष्ट्रीय दिवस पर आइए हम एक स्वस्थ, मज़बूत और नशा-मुक्त भारत बनाने के अपने संकल्प को दोहराएं। जागरूकता, स्वस्थ जीवन-शैली और सही विकल्पों को बढ़ावा देकर, हम अपने युवाओं को उनकी पूरी क्षमता पहचानने और देश की प्रगति में योगदान देने के लिए सशक्त बना सकते हैं।"उन्होंने आगे लिखा कि आइए, हम सब मिलकर एक ऐसे भविष्य की दिशा में काम करें जहां हर व्यक्ति उम्मीद, सम्मान और अवसरों के साथ आगे बढ़ सके। राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, नशीले पदार्थों के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दिवस पर, आइए हम एक स्वस्थ, सुरक्षित और नशा-मुक्त समाज बनाने के अपने संकल्प को दोहराएं।

ड्रग्स तस्करों पर सख्ती, नशे के शिकार लोगों के लिए सहानुभूति : अमित शाह

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ दुरुपयोग और अवैध तस्करी विरोधी दिवस पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में नारकोटिक्स कंट्रोल (एनसीओआरडी) की 10वीं शीर्ष स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने देश को नशे के खतरे से बचाने के लिए तैयार किए गए 'विजन डॉक्यूमेंट ऑन नारकोटिक्स कंट्रोल' का भी शुभारंभ किया। संबोधन में अमित शाह ने कहा कि देश आज नशे के खिलाफ लड़ाई के बेहद निर्णायक मोड़ पर खड़ा है और आने वाले तीन साल बेहद अहम होंगे। अमित शाह ने कहा कि 26 जून भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण दिन है। एक ओर देश नशे के खिलाफ प्रभावी रोडमैप तैयार कर रहा है, वहीं आज महान साहित्यकार बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की जयंती भी है। 'बंकिम बाबू' ने गुलामी के दौर में देश के आत्मविश्वास को जगाने का काम किया और 'वंदे मातरम' जैसी अमर रचना दी।उन्होंने कहा, "'वंदे मातरम्' केवल एक नारा या गीत नहीं है। यह भारत की सांस्कृतिक चेतना, राष्ट्रभक्ति और देश के पुनर्निर्माण का मंत्र है। आजादी की लड़ाई में अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष का सबसे बड़ा उद्घोष भी 'वंदे मातरम' ही था। इतिहास गवाह है कि देश के अनेक स्वतंत्रता सेनानी फांसी के फंदे पर चढ़ते समय भी अपने अंतिम शब्द के रूप में 'वंदे मातरम' का ही उच्चारण करते थे।

चिप्स की आड़ में महालूट : एप्पल बोर्डरूम में बैठे भारतीयों की खामोशी व गरीब मां-बाप का टूटता सपना

- 'यह कंपनी सिर्फ और सिर्फ 'सुपर रिच' (अति-अमीर) लोगों के क्लब के लिए काम कर रही है, एप्पल यह बिल्कुल नहीं चाहता कि उसके उन्नत व बेहतरीन मशीनों (गैजेट्स) का उपयोग किसी गरीब परिवार का होनहार छात्र या डिजिटल क्रांति का हिस्सा बनने की चाह रखने वाला युवा कर सके'
- सबीह खान व अमर सुब्रमण्यम जैसे दिग्गजों से देश को थी उम्मीद; पर विदेशी डिग्रियों के तराशे इन महारथियों ने टिम कुक के आगे घुटने टेके! जबकि एलन मस्क तक ने इस अंधी मुनाफाखोरी की घोर निंदा की

कृष्णमोहन सिंह

नई दिल्ली। तकनीक के नाम पर वैश्विक दिग्गजों की मनमानी अब आम उपभोक्ता के जेब पर डाका डालते हुए बर्दाश्त से बाहर होती जा रही है। एप्पल जैसी खरबों डॉलर की कंपनी ने अब दुनिया भर में एआई डेटा सेंटर्स और मेमोरी चिप्स की बढ़ती मांग का बहाना बनाकर अपने प्रोडक्ट्स की कीमतों में भारी उछाल कर दिया है। इसे सीधे तौर पर 'खुली लूट' के अलावा और कुछ नहीं कहा जा सकता। एक झटके में कीमतों को आसमान पर पहुंचाकर कंपनी ने यह साफ कर दिया है कि उसे आम आदमी, संघर्षरत युवाओं और गरीब वर्ग की आर्थिक तंगी से कोई सरोकार नहीं है।दुनिया के सबसे अमीर उद्योगपतियों में शुमार एलन मस्क तक ने एप्पल की इस अंधी मुनाफ़ाखोरी की घोर निंदा की है। मस्क ने इसे पूरी तरह अनुचित ठहराते हुए कहा है कि चिप्स की कीमतों में अस्थाई बढ़ोतरी का बहाना बनाकर उपभोक्ताओं से सीधे तौर पर दोगुनी तक कीमत वसूलना कॉर्पोरेट लालच की पराकाष्ठा है। जब दुनिया की सबसे अमीर हस्ती इस लूट के खिलाफ बोल रही है, तो समझा जा सकता है कि संकट कितना गहरा है।

विदेशी संस्थानों की योग्यता बनाम भारतीय शिक्षा का सच

आज एक मुसलमान (सबीह खान) और एक दक्षिण भारतीय ब्राह्मण (अमर सुब्रमण्य) विश्व की टॉप टेक कंपनी के इस शीर्ष पद पर बैठे हैं। इन्हें असल योग्यता और वैश्विक पहचान भारत के बाहर मिली।उप्र के मुरादाबाद में जन्मे सबीह खान महज पांचवीं क्लास में ही सिंगापुर शिफ्ट हो गए थे, जहां की विश्व स्तरीय स्कूली शिक्षा ने उनकी नींव रखी। इसके बाद अमेरिका की प्रतिष्ठित टफ्ट्स यूनिवर्सिटी से मैकेनिकल इंजीनियरिंग और इकोनॉमिक्स में ड्यूअल डिग्री तथा रेंसलेर पॉलिटेक्निक इंस्टीट्यूट (RPI) से मास्टर्स करने के बाद अमेरिकी कंपनियों के पारदर्शी कॉर्पोरेट सिस्टम ने उनकी योग्यता को पहचाना, उन्हें आगे बढ़ाया और अपना पार्टनर बनाया। वहीं दूसरी तरफ, तमिलनाडु के अमर सुब्रमण्य ने भले ही बेंगलुरु यूनिवर्सिटी से इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग की, लेकिन उन्हें असली वैश्विक धार अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन से कंप्यूटर साइंस में मिली पीएचडी ने दी। इसके बाद गूगल में जेमिनी असिस्टेंट के इंजीनियरिंग हेड के रूप में 16 साल के उनके काम और अमेरिकी टेक-सिस्टम की निष्पक्षता ने उन्हें आज एप्पल का 'AI शहंशाह' बनाया है, न कि भारत के किसी फर्जी डिग्री वाले रीढ़विहीन तंत्र ने।

क्या टॉप मैनेजमेंट कमेटी के सामने रखी गई बात?

तकनीकी समीक्षकों व आम जनता का मानना है कि इन दोनों शीर्ष अधिकारियों को मैनेजमेंट कमेटी के सामने मजबूती से यह पक्ष रखना चाहिए था कि भारत व एशिया के अन्य विकासशील देशों के लिए दाम इतने न बढ़ाए जाएं। उन्हें कंपनी को आगाह करना चाहिए था कि "कम प्रोडक्ट्स बेचकर भी, ज्यादा से ज्यादा दाम वसूलने की यह लालची रणनीति" भारत जैसे संवेदनशील बाजारों में बैकफायर करेगी। यदि इन दिग्गजों ने समय रहते टिम कुक को यह समझाया होता कि एशिया के मध्यमवर्गीय और गरीब देशों में एप्पल को अपनी साख बचाने के लिए कीमतों पर लगाम लगानी होगी, तो शायद आज स्थिति अलग होती। लेकिन ऐसा लगता है कि मुनाफे की इस अंधी दौड़ में कॉर्पोरेट बोर्डरूम के भीतर आम भारतीय छात्र की आवाज को दबा दिया गया।

संघर्ष पर पानी

इस ऐतिहासिक मूल्य वृद्धि से न केवल कंपनी के लोभी होने से साख गिरेगी, बल्कि दुनिया भर के गरीब देशों में यह संदेश जा रहा है कि यह कंपनी अब पूरी तरह अमानवीय और संवेदनहीन हो चुकी है। भारत में एक आम, ईमानदार, दिन-रात मजदूरी करने वाले या संघर्षरत माता-पिता के लिए अपने होनहार बेटे या बेटी की डिजिटल पढ़ाई के लिए एप्पल आईपैड, मैकबुक या फोन खरीदकर देना अब नामुमकिन हो चुका है। देश का युवा, जो दिन-रात एक करके प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा है, खुद को ठगा और लूटा हुआ महसूस कर रहा है।एप्पल की इस नीति से दुनिया भर में यह छवि पुख्ता हो रही है, और लोग कहने भी लगे हैं कि "यह कंपनी सिर्फ और सिर्फ 'सुपर रिच' (अति-अमीर) लोगों के क्लब के लिए काम कर रही है। एप्पल यह बिल्कुल नहीं चाहता कि उसके उन्नत और बेहतरीन मशीनों (गैजेट्स) का उपयोग किसी गरीब परिवार का होनहार छात्र या डिजिटल क्रांति का हिस्सा बनने की चाह रखने वाला युवा कर सके।" तकनीक पर अमीरों के इस एकाधिकार की वजह से ही अब लोग एप्पल को एक "लुटेरी और भेदभाव करने वाली" कंपनी के रूप में देखने लगे हैं।

चार्ट 1: भारत में एप्पल प्रोडक्ट्स की नई कीमतें (लूट का गणित)-

प्रोडक्ट	पुरानी कीमत	नई कीमत	जेब पर अतिरिक्त मार
MacBook Air M5 (13-इंच)	₹ 1,19,900	**₹ 1,49,900**	₹ 30,000
MacBook Air M5 (15-इंच)	₹ 1,44,900	**₹ 1,79,900**	₹ 35,000
MacBook Pro M5 (14-इंच, 16GB)	₹ 1,69,900	**₹ 2,39,900**	₹ 70,000
MacBook Pro M5 Max	पुरानी कीमत से	**लगभग ₹1 लाख महंगा**	₹ 1,00,000
MacBook Neo	₹ 69,900	**₹ 79,900**	₹ 10,000
11-इंच iPad Air (M4)	₹ 64,900	**₹ 89,900**	₹ 25,000
iPad Pro (M5, 256GB)	₹ 99,990	**₹ 1,39,900**	+ ₹ लगभग 40,000
Apple TV 4K (128GB)	₹ 16,900	**₹ 31,900**	**सीधे दोगुना** (+ ₹15,000)

चार्ट 2: स्टूडेंट आईडी (Student ID) डिस्काउंट का सच — ऊंट के मुंह में जीरा

एप्पल छात्रों को लुभाने के लिए एजुकेशन डिस्काउंट का बड़ा प्रचार करता है, लेकिन बढ़ी हुई कीमतों के सामने यह छूट किसी क्रूर मजाक जैसी है:

प्रोडक्ट का नाम	बढ़ी हुई नई कीमत	स्टूडेंट आईडी लगाने पर मिलने वाली छूट	छात्र के लिए वास्तविक स्थिति
MacBook Pro M5	₹ 2,39,900	लगभग ₹8,000 से ₹10,000 मात्र	**₹2.30 लाख** फिर भी गरीब माता-पिता की पहुंच से कोसों दूर।
iPad Pro M5	₹ 1,39,900	लगभग ₹4,000 से ₹5,000 मात्र	**₹1.35 लाख** की कीमत एक गरीब छात्र की पूरे साल की पढ़ाई के खर्च से ज्यादा है।
MacBook Air	₹ 1,49,900	लगभग ₹7,000 मात्र	छूट के बाद भी दाम पुरानी सामान्य कीमत से ₹23,000 ज्यादा है।

लाखों रुपये की कीमतों पर मात्र कुछ हजार की नाममात्र छूट देना "ऊंट के मुंह में जीरा" के समान है। यह केवल अमीर, घूसखोर अफसरों और भ्रष्ट राजनेताओं के बच्चों के लिए एक दिखावा है। आम और गरीब छात्र के लिए शिक्षा को आज इस जालिम तंत्र व कॉर्पोरेट लालच ने मिलकर एक ऐसा सपना बना दिया है, जिसे वे अपनी खुली आंखों से भी देखने से डरने लगे हैं।

दिमागी कचरे पर 'कॉपर' का प्रहार : अल्जाइमर के खिलाफ न्यूरो-साइंस की सबसे बड़ी कामयाबी

आरपी सिंह

नई दिल्ली। दिमागी सेहत और मनोभ्रंश (Dementia) की दुनिया से एक ऐसी अभूतपूर्व वैज्ञानिक सफलता सामने आई है, जिसने मेडिकल साइंस के इतिहास में उम्मीद की सबसे बड़ी किरण जगा दी है। ऑस्ट्रेलिया की मोनाश यूनिवर्सिटी (Monash University) के न्यूरो-साइंटिस्ट्स ने अल्जाइमर रोग के मूल कारण को जड़ से खत्म करने वाली एक जादुई कॉपर थेरेपी खोजी है। वैज्ञानिकों ने कॉपर (तांबा) आधारित एक विशेष कंपाउंड Cu(ATSM) का सफल परीक्षण किया है, जो दिमाग में जमा होने वाले 'टॉक्सिक मलबे' को साफ करने में पूरी तरह सक्षम पाया गया है। वैश्विक स्तर पर अल्जाइमर के बढ़ते मामलों के बीच इस खोज को एक युगांतकारी मोड़ माना जा रहा है, क्योंकि यह केवल

बीमारी के लक्षणों को नहीं दबाती, बल्कि दिमाग की अपनी 'सफाई प्रणाली' को पुनर्जीवित कर देती है।

मुख्य खलनायक व बंद पड़ा 'फिल्टर पंप'

अल्जाइमर रोग का सबसे बड़ा खलनायक है 'एमिलॉयड-बीटा' (Amyloid-beta) नामक एक हानिकारक प्रोटीन। सामान्य और स्वस्थ दिमाग में यह प्रोटीन बनता है और समय-समय पर साफ होता रहता है। लेकिन अल्जाइमर के मरीजों में यह कचरा बाहर नहीं निकल पाता और आपस में चिपककर चिपचिपे गुच्छे यानी प्लॉक्स (Plaques) बना लेता है। ये गुच्छे दिमागी कोशिकाओं (न्यूरॉन्स) के बीच के सिग्नल को ब्लॉक कर देते हैं, जिससे कोशिकाएं मरने लगती हैं और इंसान की याददाश्त पूरी तरह नष्ट हो जाती है।अब तक की दवाएं इन गुच्छों को रोकने में नाकाम रही हैं, क्योंकि वे दिमाग की सुरक्षात्मक दीवार (Blood-Brain Barrier) को पार नहीं कर पाती थीं। यहीं पर मोनाश यूनिवर्सिटी की इस रिसर्च ने बाजी पलटी है:

- **P-gp पंप का जाम होना: कुदरत ने दिमाग की दीवार में एक प्राकृतिक कचरा साफ करने वाला पंप दिया है, जिसे P-glycoprotein (P-gp) पंप कहा जाता है। उम्र बढ़ने या अल्जाइमर होने पर यह पंप पूरी तरह जाम हो जाता है।**
- **Cu(ATSM) का जादू: कॉपर आधारित यह अनूठा मॉलिक्यूल दिमाग की दीवार को आसानी से पार करता है और सीधे उस बंद पड़े P-gp पंप को 'रीस्टार्ट' यानी सुपर चार्ज कर देता है। पंप के सक्रिय होते ही दिमाग खुद-ब-खुद उस टॉक्सिक मलबे को बाहर फेंकने लगता है।**

सिर्फ 56 दिन और कमाल का डाटा : दिमागी सेहत का पूरा टर्नअराउंड

प्रयोगशाला में हुए कड़े प्री-क्लिनिकल परीक्षणों के जो आंकड़े सामने आए हैं, वे चौंकाने वाले हैं। वैज्ञानिकों ने देखा कि मात्र **56 दिनों के भीतर** इस थेरेपी ने दिमागी सेहत का पूरा नक्शा ही बदल दिया। इस अभूतपूर्व सुधार को इस सिंपल डेटा चार्ट के जरिए आसानी से समझा जा सकता है:

मुख्य पैरामीटर (Metrics)	56 दिनों के भीतर बदलाव (Impact)	दिमागी सेहत पर सीधा असर (Result)
टॉक्सिक प्रोटीन (Amyloid-beta)	**42% की भारी कमी**	दिमाग में प्लॉक का जमाव करीब आधा हुआ, न्यूरॉन्स सुरक्षित हुए।
स्थानिक याददाश्त (Spatial Memory)	**44% का बड़ा सुधार**	रास्तों को याद रखने और रोजमर्रा के फैसले लेने की क्षमता लौटी।
समग्र दिमागी कार्यप्रणाली (Cognition)	**अभूतपूर्व रिकवरी**	दिमागी कोशिकाओं के बीच टूटा हुआ संचार (Communication) बहाल हुआ।

स्थानिक याददाश्त (Spatial Memory) क्या है?

यह हमारे दिमाग का वह हिस्सा है जो हमें यह याद रखने में मदद करता है कि वस्तुएं कहां रखी हैं, हमारा घर कहां है या हम किस दिशा में जा रहे हैं। अल्जाइमर में मरीज सबसे पहले इसी क्षमता को खोता है।

डॉक्टर के पर्चे तक जल्द पहुंचने की उम्मीद क्यों?

आमतौर पर किसी भी नई दवा को लैब से बाजार तक पहुंचने में 10 से 12 साल का लंबा वक्त लगता है। लेकिन इस कॉपर थेरेपी के साथ एक बहुत बड़ा प्लस पॉइंट है। Cu(ATSM) कंपाउंड का परीक्षण पहले से ही अन्य गंभीर न्यूरोलॉजिकल बीमारियों (जैसे ALS या मोटर न्यूरॉन डिजीज) के लिए इंसानों पर किया जा रहा है और यह मानव शरीर के लिए पूरी तरह सुरक्षित पाया गया है।चूंकि इसके सेफ्टी ट्रायल्स के शुरुआती चरण पहले ही पूरे हो चुके हैं, इसलिए अल्जाइमर के इलाज के रूप में इसे वैश्विक हेल्थ रेगुलेटर्स से 'फास्ट-ट्रैक' मंजूरी मिलने की पूरी संभावना है। मेडिकल एक्सपर्ट्स का मानना है कि आने वाले कुछ ही वर्षों में यह थेरेपी दुनिया भर के करोड़ों परिवारों के जीवन में एक नई सुबह लेकर आएगी।

वेनेजुएला के संकट में भारत का सहारा, 'ऑपरेशन अमिस्ताद' शुरू

एजेंसी । नई दिल्ली

उत्तरी वेनेजुएला में आए विनाशकारी भूकंप के बाद भारत ने मानवीय सहायता और आपदा राहत के तहत 'ऑपरेशन

अमिस्ताद' शुरू किया है। इस अभियान के माध्यम से भारत ने प्रभावित लोगों को तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने की पहल की है।इसके लिए भारतीय सेना की एक विशेष मेडिकल टुकड़ी को वेनेजुएला रवाना किया गया है। भारतीय सेना के 60 पैरा फील्ड हॉस्पिटल से 41 सदस्यीय दल, भारतीय वायुसेना के दो विमानों से वेनेजुएला के लिए रवाना हुआ है। इनमें नौ अनुभवी सैन्य चिकित्सक भी शामिल हैं। यह दल वेनेजुएला के आपदा-प्रभावित क्षेत्रों में आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं, गंभीर रूप से घायल लोगों का उपचार, सर्जरी, ट्रॉमा प्रबंधन तथा प्रभावित लोगों को गहन चिकित्सा प्रदान करेगा। भारतीय सेना के अनुसार उनकी यह मेडिकल टीम अपने साथ लगभग छह टन चिकित्सा सामग्री और मानवीय राहत सामग्री लेकर गई है। इनमें भारत के आरोग्य मैत्री परियोजना के तहत विकसित अत्याधुनिक भीष्म क्यूब भी शामिल है। यह एक मॉड्यूलर और तेजी से तैनात किया जा सकने वाला फील्ड अस्पताल है। यह एक ऐसा सिस्टम है जो आपदा प्रभावित क्षेत्रों में उन्नत ट्रॉमा केयर, आपातकालीन सर्जरी और गहन चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने में सक्षम है।

बिना सहमति के निजी फोटो व वीडियो शेयर करने के मामलों में एफआईआर दर्ज करना अनिवार्य

एजेंसी । बेंगलुरु

कर्नाटक सरकार ने शुक्रवार को राज्य भर की पुलिस को सख्त निर्देश दिए कि वे किसी

व्यक्ति की निजी या अंतरंग तस्वीरें और वीडियो उनकी सहमति के बिना प्रकाशित या प्रसारित करने के सभी मामलों में बिना किसी देरी के एफआईआर दर्ज करें। कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे ने पुलिस को ब्लैकमेल, सेक्सटॉर्शन और रिवेंज पोर्नोग्राफी जैसे साइबर अपराधों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। उन्होंने कहा कि निजता का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत एक मौलिक अधिकार है, जिसकी पुष्टि सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस के.एस. पुट्टास्वामी मामले के फैसले में की थी। मंत्री ने कहा, "ऐसे संवेदनशील मामलों में जो भी पुलिस अधिकारी एफआईआर दर्ज करने से इनकार करेगा या 'पहले से सहमति' जैसे गलत आधार का हवाला देकर पंजीकरण में देरी करेगा, उसके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। खड़गे ने सभी पुलिस आयुक्तों, रेंज पुलिस महानिरीक्षकों (आईजीपी) और पुलिस अधीक्षकों (एसपी) को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि कर्नाटक का हर पुलिस स्टेशन इन नए निर्देशों को सख्ती से लागू करे।

फॉक्सकॉन भारत में मैन्युफैक्चरिंग के लिए अतिरिक्त 37.2 मिलियन डॉलर करेगा निवेश

एजेंसी । नई दिल्ली

ताइवान के हॉन हाई टेक्नोलॉजी ग्रुप की सब्सिडियरी कंपनी फॉक्सकॉन सिंगापुर ने अपनी भारतीय इकाई फॉक्सकॉन हॉन हाई टेक्नोलॉजी इंडिया मेगा डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड में 37.2 मिलियन डॉलर के निवेश को मंजूरी दे दी है। यह कंपनी की लंबी अवधि की निवेश रणनीति के मुताबिक है। यह जानकारी कंपनी की ओर से दी गई। कंपनी ने रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा कि कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने भारतीय सब्सिडियरी के लगभग 351.73 मिलियन कॉमन शेयरों को 10 रुपए प्रति शेयर की फेस वैल्यू पर सब्सक्राइब करके निवेश करने को मंजूरी दी। इस लेनदेन की कुल वैल्यू लगभग 37.2 मिलियन डॉलर है। फाइलिंग में कहा गया है कि यह निवेश पूरी तरह से अपनी सब्सिडियरी कंपनी में पूंजी बढ़ाकर किया जा रहा है और इसका मकसद लंबी अवधि का निवेश करना है। इस लेनदेन के लिए फंड का सोर्स निजी पूंजी है। शेयर सब्सक्रिप्शन के बाद, फॉक्सकॉन सिंगापुर के पास फॉक्सकॉन होन हाई टेक्नोलॉजी इंडिया मेगा डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड की लगभग पूरी इक्विटी बनी रहेगी।

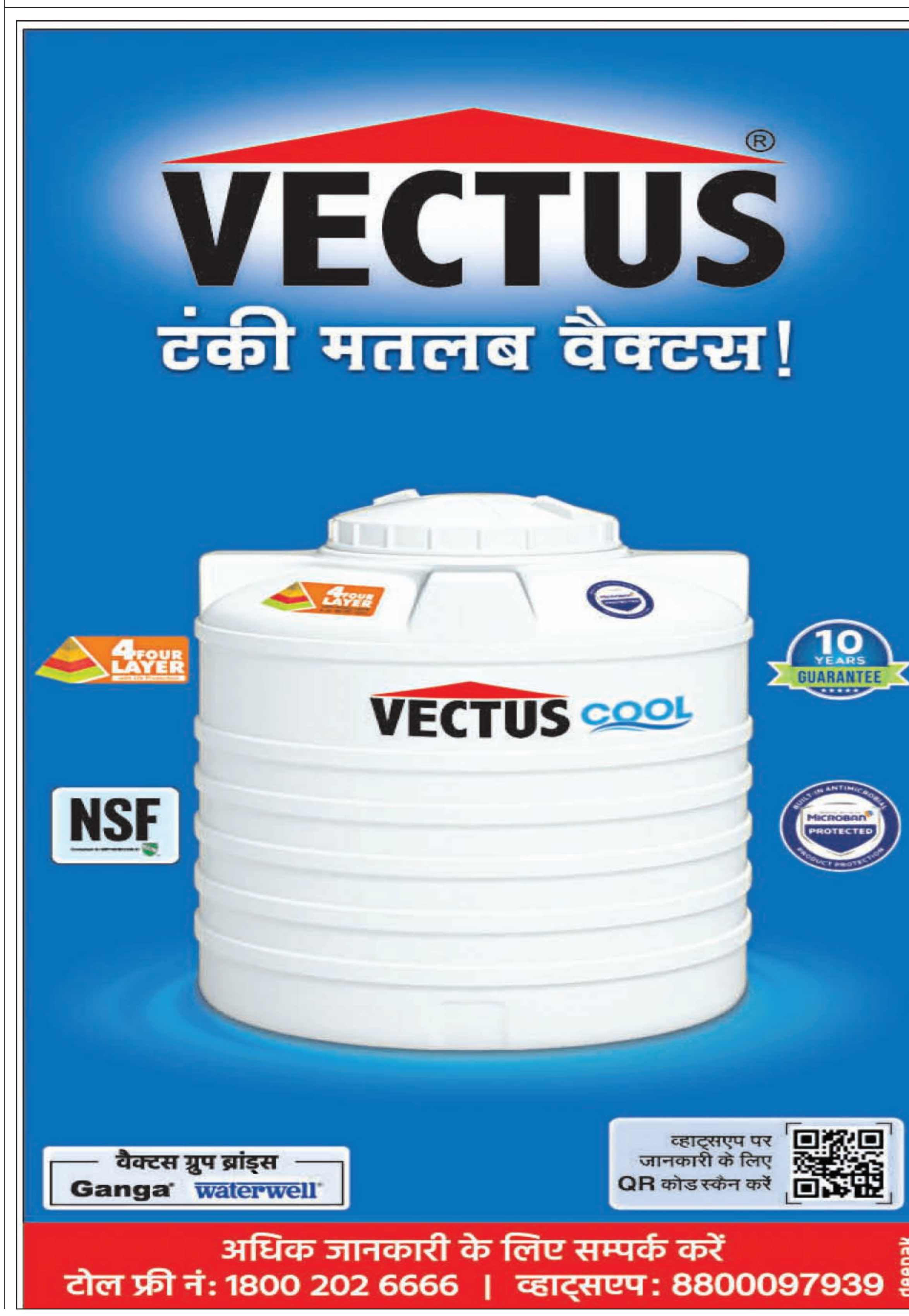

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय का 46वां स्थापना दिवस

नौकरी पाने की सोच तक सीमित न रहें, बल्कि नौकरी देने वाले बनने का प्रयास करें : राज्यपाल

- बोले-कृषि केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि देश की समृद्धि का आधार है
- प्राकृतिक खेती, जैविक कृषि और जल संसाधनों के बेहतर उपयोग की वकालत
- विवि में शिक्षकों की कमी को आईसीएआर रैंकिंग के लिए बड़ी चुनौती बताया

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने छात्रों से आह्वान किया कि वे केवल नौकरी पाने की सोच तक सीमित न रहें, बल्कि ऐसे उद्यमी बनें जो दूसरों को रोजगार उपलब्ध कराएँ।
शुक्रवार को बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू) के 46वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कृषि केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि देश की समृद्धि का आधार है। विकसित भारत का मार्ग कृषि क्षेत्र से होकर गुजरता है।
राज्यपाल ने कहा कि बीएयू के वैज्ञानिकों का योगदान शोध-पत्रों के प्रकाशन, वैज्ञानिक संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भागीदारी अथवा विकसित तकनीकों की संख्या से नहीं, बल्कि किसानों की कृषि उत्पादन, आय, सुख-सुविधा एवं जीवन स्तर में हुई वृद्धि के आधार पर आँका जाएगा। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों को लगातार यह मूल्यांकन करते रहना चाहिए कि उनके द्वारा विकसित तकनीकें किसानों के खेतों तक कितनी पहुँची हैं और उनका क्या प्रभाव पड़ा है।
भारतीय कृषि जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, रांची के निदेशक डॉ सुजय रक्षित ने रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को कम करने तथा जैविक खेती को बढ़ावा देने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदाय प्रकृति के अधिक निकट होने के कारण झारखंड में प्राकृतिक खेती का विस्तार अन्य राज्यों की तुलना में अधिक सहजता से किया जा सकता है। उन्होंने उपलब्ध जल संसाधनों के विवेकपूर्ण एवं सर्वोत्तम उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि राज्य में फसल सघनता बढ़ाने के लिए यह अत्यंत आवश्यक है। वर्तमान में झारखंड की फसल सघनता लगभग 120 प्रतिशत है, जबकि राष्ट्रीय औसत 140 प्रतिशत है।
समारोह में अतिथियों का स्वागत करते हुए बीएयू के कुलपति डॉ एससी दुबे ने बताया कि विश्वविद्यालय ने गत वर्ष विभिन्न प्रकार के अनाज, दलहन एवं तिलहन की पाँच हजार क्विंटल से अधिक गुणवत्तापूर्ण बीजों का उत्पादन किया। इसके अलावा फल, सब्जी, पुष्प, औषधीय और सुगंधित फसलों के लगभग आठ लाख गुणवत्तापूर्ण पौध तैयार किए गए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय स्वीकृत शिक्षकों की संख्या के केवल लगभग 15 प्रतिशत नियमित शिक्षकों के साथ कार्य कर रहा है, जो महाविद्यालयों के एक्रीडेशन तथा आईसीएआर रैंकिंग में सुधार के लिए एक बड़ी चुनौती है। धन्यवाद ज्ञापन छात्र कल्याण निदेशक डॉ बीके अग्रवाल ने किया, जबकि मंच संचालन शशि सिंह ने किया।

रिम्स निदेशक को प्रताड़ित कर इस्तीफा देने पर मजबूर किया गया : भाजपा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश प्रवक्ता रमाकांत महतो ने आरोप लगाया है कि राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) के निदेशक डॉ. राजकुमार स्वास्थ्य विभाग में कथित अवैध वसूली की व्यवस्था के सबसे बड़े अवरोध बन गए थे। इसी कारण उन्हें लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया और अंततः इस्तीफा देने के लिए विवश होना पड़ा। महतो ने शुक्रवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में आरोप लगाया कि दलित अधिकारियों का शोषण और उत्पीड़न करना कांग्रेस की पुरानी कार्यशैली रही है। उन्होंने कहा कि डॉ. राजकुमार की नियुक्ति के बाद से ही स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी के इशारे पर उन्हें विभिन्न प्रकार की प्रशासनिक परेशानियों का सामना करना पड़ा। यहां तक कि उन्हें पद से हटाने का आदेश भी जारी किया गया, लेकिन उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद वे अपने पद पर बने रहे। महतो का दावा है कि न्यायालय का यह निर्णय स्वास्थ्य मंत्री को स्वीकार नहीं था। भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य मंत्री ने विभाग को कथित रूप से अवैध उगाही का केंद्र बना दिया है। उनके अनुसार विभाग में मनचाहे अधिकारियों की नियुक्ति कर उनसे वसूली कराई जा रही है, जबकि ईमानदार, कर्तव्यनिष्ठ और विशेष रूप से दलित अधिकारियों को लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है। महतो ने कहा कि डॉ. राजकुमार एक अनुभवी चिकित्सक एवं कुशल प्रशासक हैं। उन्होंने रिम्स की व्यवस्थाओं में सुधार के लिए कई महत्वपूर्ण और सकारात्मक पहल कीं, लेकिन स्वास्थ्य मंत्री द्वारा लगातार उनके कार्यों में हस्तक्षेप किया गया। उन्हें बदनाम करने का प्रयास किया गया तथा बिना समुचित जानकारी दिए सीआईडी जांच का हवाला देकर मानसिक रूप से मानसिक दबाव में रखा गया। इससे उनके स्वाभिमान को गहरी ठेस पहुंची और अंततः उन्हें इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि वर्तमान में झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था बद से बदतर स्थिति में पहुंच चुकी है। अस्पतालों में संसाधनों की कमी, अव्यवस्था और प्रशासनिक अराजकता चरम पर है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस स्थिति के लिए स्वास्थ्य मंत्री नैतिक रूप से जिम्मेदार हैं। महतो ने राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को बचाने तथा प्रशासनिक जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी से तत्काल अपने पद से इस्तीफा देने की मांग की।

रिम्स निदेशक के इस्तीफे पर भाजपा के आरोप राजनीति से प्रेरित: लाल किशोर

- कांग्रेस पार्टी हमेशा से शोषितों, वंचितों और दलितों के अधिकारों की रक्षक रही है

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सह मीडिया विभाग के संयोजक लाल किशोर नाथ शाहदेव ने रिम्स निदेशक डॉ. राजकुमार के इस्तीफे पर भाजपा द्वारा लगाए गए आरोपों को पूरी तरह से निराधार, भ्रामक और राजनीति से प्रेरित बताया है। उन्होंने कहा कि रिम्स निदेशक के त्यागपत्र के स्वास्थ्य मंत्री को जिम्मेदार ठहराना कहीं से भी जायज नहीं है।उन्होंने कहा कि भाजपा के पास कोई रचनात्मक मुद्दा नहीं बचा है, इसलिए वह हर प्रशासनिक और व्यक्तिगत फैसले पर अनर्गल राजनीति करने की कोशिश कर रही है। लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि रिम्स निदेशक का इस्तीफा उनका व्यक्तिगत निर्णय हो सकता है, लेकिन भाजपा इस पर गिद्ध राजनीति कर रही है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी के नेतृत्व में राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को पारदर्शी और जन-हितैषी बनाया जा रहा है। विभाग में किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, और इसे अवैध वसूली या उत्पीड़न का नाम देना भाजपा की हताशा को दर्शाता है। कांग्रेस महासचिव लाल किशोर नाथ शाहदेवने भाजपा द्वारा दलित उत्पीड़न के आरोप पर तीखा पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से शोषितों, वंचितों और दलितों के अधिकारों की रक्षक रही है। भाजपा अपनी जनविरोधी नीतियों और अंदरूनी कलह को छिपाने के लिए हर मामले में जातिगत रंग देने की कोशिश करती है। रिम्स जैसी प्रतिष्ठित संस्था में प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही तय करना सरकार का काम है, और इसे किसी जाति या वर्ग के उत्पीड़न से जोड़ना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। लाल किशोर नाथ शाहदेव ने साफ तौर पर कहा कि स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी पूरी निष्ठा के साथ राज्य के सुदूर इलाकों तक बेहतर चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाने में लगे हैं। भाजपा के प्रवक्ता केवल अखबारों में बने रहने के लिए बिना किसी साक्ष्य के अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। राज्य की जनता भाजपा के इन खोखले दावों और राजनीतिक स्टंट को अच्छी तरह समझती है और उनके बहकावे में आने वाली नहीं है।

छात्रों को राहत | जैक ने बढ़ाई प्रमाणपत्र सुधार की समय सीमा, छात्रों से आवेदन से पहले अभिलेखों के जांच की सलाह

विद्यार्थी अब 30 सितंबर तक कर सकेंगे आवेदन

- विद्यालय या कॉलेज के माध्यम से आवेदन जमा करना होगा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) ने विद्यार्थियों को बड़ी राहत देते हुए मैट्रिक, इंटरमीडिएट और अन्य बोर्ड प्रमाणपत्रों में त्रुटि सुधार के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2026 तक बढ़ा दी है। परिषद के इस फैसले से उन हजारों छात्रों को लाभ मिलेगा, जो निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन नहीं कर पाए थे। परिषद के अनुसार, छात्र अपने प्रमाणपत्रों में नाम, माता-पिता के नाम, जन्मतिथि, फोटो तथा अन्य स्वीकृत विवरणों में सुधार के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए संबंधित विद्यालय या कॉलेज के माध्यम से आवेदन जमा करना होगा। जैक ने स्पष्ट किया है कि आवेदन के साथ सभी आवश्यक प्रमाण-पत्र और दस्तावेज संलग्न करना अनिवार्य होगा। अधूरे आवेदन या गलत दस्तावेजों के साथ भेजे गए आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। इसलिए विद्यार्थी आवेदन करने से पहले सभी अभिलेखों की अच्छी तरह जांच कर लें। बोर्ड का यह निर्णय इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि प्रमाणपत्रों में छोटी-सी त्रुटि भी भविष्य में उच्च शिक्षा में नामांकन, प्रतियोगी परीक्षाओं, सरकारी एवं निजी नौकरियों, छात्रवृत्ति, पासपोर्ट और अन्य आधिकारिक प्रक्रियाओं के दौरान परेशानी का कारण बन सकती है। जैक ने विद्यार्थियों और अभिभावकों से अपील की है कि जिनके प्रमाणपत्रों में किसी भी प्रकार की गलती है, वे 30 सितंबर 2026 की अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना जल्द आवेदन की प्रक्रिया पूरी करें। इससे भविष्य में किसी भी शैक्षणिक या प्रशासनिक कठिनाई से बचा जा सकेगा।

पेज एक के शेष

चेकपोस्ट तोड़ने पर...

राजेश यादव समेत कई प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों से लंबी वार्ता की और करीब साढ़े चार घंटे की मशक्कत के बाद लोगों को शांत कराकर जाम समाप्त कराया।
बताया गया कि ग्रामीणों की मुख्य मांग नेशनल हाईवे और पांकी रोड के क्रॉसिंग प्वाइंट पर सुरक्षा के स्थायी इंतजाम करने की थी। उनका कहना था कि इस स्थान पर लगातार सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं और पिछले 15 दिनों के भीतर तीन लोगों की जान जा चुकी है। स्थानीय लोगों ने दुर्घटनाओं पर रोक लगाने के लिए प्रभावी यातायात व्यवस्था और स्थायी सुरक्षा उपाय लागू करने की मांग की।
पुलिस ने स्पष्ट किया है कि दुर्घटना को लेकर लोगों की भावनाओं का सम्मान किया जाएगा, लेकिन हिंसा, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाना और कानून हाथ में लेना किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। मामले में शामिल सभी लोगों की पहचान कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

3,206 साइबर ठगी...

शुरुआती जांच में पता चला है कि इन अपराधों में धोखाधड़ी की रकम 43 करोड़ 25 लाख रुपए से ज्यादा है। इस केस की आगे की जांच मुंबई साइबर क्राइम ब्रांच कर रही है और संबंधित राज्यों की पुलिस को भी जानकारी दे दी गई है। यह कार्रवाई मुंबई पुलिस आयुक्त देवेन भारती, ज्वॉइंट कमिश्नर ऑफ पुलिस क्राइम अनिल होन कुंभारे, एडिशनल कमिश्नर ऑफ पुलिस क्राइम कृष्णकांत उपाध्याय, डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस बजरंग बनसोडे, असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ पुलिस इरफान शेख, सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर सुवर्णा शिंदे द्वारा गई है।
1.24 करोड़ एमएमएस रिकॉर्ड मिले : 3,206 साइबर फ्रॉड केस में गिरफ्तार आरोपियों के पास से व्हाट्सएप और टेलीग्राम ग्रुप, टेलीग्राम बॉट, सर्वर पैनल लॉगिन क्रेडेंशियल, यूआरएल और गूगल फायरबेस और होस्टिंगर सर्वर पर लगभग 1.24 करोड़ एमएमएस रिकॉर्ड जब्त किए गए हैं। पुलिस ने लगभग 8609 मोबाइल नंबर, बैंक अकाउंट नंबर,एटीएम कार्ड की जानकारी, पिन, यूपीआई आईडी जैसी संवेदनशील जानकारी भी जब्त की है। साइबर पुलिस द्वारा दर्ज डाटा और एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायतों के एनालिसिस से पता चला कि यह गैंग देश भर में 3206 अपराधों में शामिल था।

रांची नगर निगम...

वहीं, रांची नगर निगम की ओर से अधिवक्ता वंदना सिंह ने अदालत में पक्ष रखते हुए कहा कि अपीलकर्ता की मूल नियुक्ति सामान्य प्रशासनिक कैडर में हुई थी और उन्होंने लीगल कैडर में नियमानुसार प्रवेश प्राप्त नहीं किया है। ऐसे में उन्हें प्रोन्नति का लाभ नहीं दिया जा सकता।
मामले के अनुसार, अरुण कुमार की नियुक्ति वर्ष 1996 में अनुकंपा के आधार पर क्लास-III कर्मचारी के रूप में हुई थी। बाद में उन्हें नगर निगम के लीगल सेक्शन में सहायक के रूप में पदस्थापित किया गया। वर्ष 2017 में संशोधित सेवा नियम लागू होने के बाद पहली बार अलग लीगल कैडर का गठन किया गया, जिसमें लीगल असिस्टेंट को प्रवेश स्तर का पद, असिस्टेंट लॉ अफसर को प्रथम प्रोन्नति पद तथा लॉ अफसर को द्वितीय प्रोन्नति पद के रूप में निर्धारित किया गया। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि सेवा नियमों के निर्धारित प्रावधानों से हटकर किसी कर्मचारी को केवल कार्य के आधार पर लीगल कैडर का सदस्य नहीं माना जा सकता। इसलिए अपीलकर्ता की पदोन्नति संबंधी मांग स्वीकार करने का कोई कानूनी आधार नहीं बनता है।

दिव्यांग अभ्यर्थी की...

याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को यह भी बताया गया कि राइट्स ऑफ पर्सन्स विद डिसएबिलिटीज एक्ट, 2016 की धारा 33 एवं 36 के अनुसार यदि किसी दिव्यांग उप-श्रेणी में उपयुक्त अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होते हैं, तो पहले अन्य दिव्यांग उप-श्रेणियों के बीच पदों का इंटरचेंज किया जाना अनिवार्य है। यदि इसके बाद भी पद रिक्त रह जाते हैं, तो उन्हें अगले भर्ती चक्र के लिए कैरी फॉरवर्ड किया जाना चाहिए।
सुनवाई के दौरान अदालत के समक्ष यह तथ्य भी रखा गया कि याचिकाकर्ता सदानंद कुमार को परीक्षा में 580 अंक प्राप्त हुए थे, जो चयनित एक अन्य दिव्यांग अभ्यर्थी के समान थे। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि सदानंद कुमार ने चयन के लिए आवश्यक न्यूनतम मानक प्राप्त किया था और उन्हें केवल तकनीकी आधार पर नियुक्ति से वंचित नहीं किया जा सकता। अदालत ने यह भी उल्लेख किया कि जेपीएससी ने स्वयं स्वीकार किया है कि दिव्यांग वर्ग के चार आरक्षित पद रिक्त रह गए थे। ऐसे में आयोग को दिव्यांग उप-श्रेणियों के बीच इंटरचेंज के वैधानिक प्रावधान का लाभ देते हुए याचिकाकर्ता के मामले पर विचार करना चाहिए था। इन तथ्यों और कानूनी प्रावधानों के आधार पर हाईकोर्ट ने जेपीएससी को निर्देश दिया कि वह 12 सप्ताह के भीतर सदानंद कुमार की नियुक्ति के लिए आवश्यक अनुशंसा करे। अदालत ने स्पष्ट किया कि इस सीमा तक रिट याचिका आंशिक रूप से स्वीकार की जाती है।

चोरी के एक मामूली...

अस्पष्ट कारण बताओ नोटिस को वैध नोटिस नहीं माना जा सकता। अदालत ने यह भी कहा कि बिना समुचित कारणों के सेवा समाप्त करना प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप नहीं है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि अनुशासनात्मक दंड आरोप की गंभीरता के अनुरूप होना चाहिए। इस मामले में 17 वर्षों की सेवा समाप्त करना अनुपातिकता के सिद्धांत के विपरीत है। हाईकोर्ट ने यह भी पाया कि कर्मचारी के जवाब, उसकी लंबी सेवा अवधि, सेवा रिकॉर्ड और पारिवारिक परिस्थितियों पर सक्षम अधिकारियों ने कोई समुचित विचार नहीं किया। अदालत ने बोकारो के उपायुक्त और उप विकास आयुक्त को आदेश के अनुपालन की व्यक्तिगत जिम्मेदारी सौंपते हुए निर्धारित समय के भीतर कर्मचारी की बहाली सुनिश्चित करने और अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है।

खेत में मिले...

में भारतीय सेना की बीडीडीएस टीम ने निर्धारित सुरक्षित स्थान पर विस्फोटक का सफलतापूर्वक नष्ट किया। पूरी प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा मानकों का विशेष रूप से पालन किया गया। पश्चिमी सिंहभूम जिला प्रशासन ने कहा कि कार्रवाई के दौरान किसी भी ग्रामीण की जान-माल को कोई नुकसान नहीं पहुंचा और पूरे अभियान को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित ढंग से संपन्न कराया गया।

कोडरमा में धर्म...

थाने में पूछताछ के दौरान धर्म परिवर्तन टीम में शामिल एक महिला ने स्वीकार किया कि वे लोग पिछले 02 वर्षों से अधिक समय से इस संगठन से जुड़े हुए हैं। महिला ने बताया कि उन्हें जहां भी बुलाया जाता है, वे वहां प्रार्थना के लिए जाते हैं और वे लोग क्रिश्चियन संगठन में जाकर नियमित रूप से प्रार्थना करते हैं। पुलिस की छापेमारी की भनक लगते ही धर्म परिवर्तन का मुख्य मास्टरमाइंड मौके से भाग निकला। बताया जा रहा है कि सतगावां थाना क्षेत्र के गांगडीह, वैधडीह, लक्ष्मणडीह, सिहास, बिझबरिया, रामशाला और अन्य क्षेत्रों के दो मुख्य लोग इन सभी को बहला फुसलाकर धर्म परिवर्तन करवाने का कार्य कर रहे थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सतगावां प्रखंड के कई सुदूरवर्ती और ग्रामीण इलाकों में धर्म परिवर्तन का यह सिलसिला लंबे समय से चोरी छिपे चल रहा है जहां सीधे साधे ग्रामीणों को विभिन्न प्रकार के प्रलोभन देकर निशाना बनाया जा रहा है। महिलाओं से पूछताछ कर इस रैकेट के मुख्य सरगनाओं का पता लगाने में जुटी है।

दृष्टिपात

राज्य के 595 मंडलों में मनाया जाएगा हूल दिवस : आदित्य साहू

रांची। प्रदेश भाजपा 30 जून को हूल दिवस पर न केवल अमर शहीद स्थल भोगनाडीह में कार्यक्रम आयोजित करेगी बल्कि इस दिवस को राज्य के सभी 595 मंडलों में मनाने की तैयारी में जुटी हुई है। हूल दिवस को सभी मंडलों में मनाने की घोषणा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने की है। इस संबंध में प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि इस बार हूल दिवस के अवसर पर भाजपा द्वारा झारखंड के सभी मंडलों में हूल क्रांति के अमर शहीद महानायक सिदो-कान्हो, चांद-भैरव, फूलो-झानो की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जाएगा। वहीं भोगनाडीह में इस दिवस को भव्य और व्यापक रूप से मनाने के लिए 9 सदस्यीय आयोजन समिति का गठन किया गया है। श्री साहू ने कहा कि आजादी की लड़ाई में झारखंड के जनजातीय समुदाय के महानायकों की महत्ती भूमिका रही है। 30 जून, 1855 के दिन झारखंड के जनजातीय समुदाय द्वारा क्रांति का बिगुल फूंका गया। हूल दिवस, जनजातीय समुदाय के कड़े संघर्ष और बलिदान का प्रतीक है। श्री साहू ने कहा कि विपक्षी पार्टियां जनजातीय समुदाय के नाम पर केवल राजनीतिक रोटी सेंकने का काम करती रही हैं। जबकि भारतीय जनता पार्टी ने सही मायनों में आदिवासी गौरव, उनके सम्मान, उनकी अस्मिता, उनके अधिकारों की रक्षा करने का काम किया है।

राम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट को भंग किया जाए : कैलाश यादव

रांची। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के झारखंड प्रदेश प्रवक्ता कैलाश यादव ने शुक्रवार को जारी एक प्रेस बयान में अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट में कथित वित्तीय अनियमितताओं को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने ट्रस्ट को तत्काल भंग करने, पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। कैलाश यादव ने आरोप लगाया कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट में धन, सोने-चांदी की धातुओं तथा भूमि खरीद से जुड़े मामलों में कथित गड़बड़ियां सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि इन मामलों को लेकर पिछले कुछ समय से जांच की मांग उठती रही है, लेकिन ट्रस्ट की ओर से इन आरोपों को लगातार खारिज किया जाता रहा। राजद प्रवक्ता ने कहा कि अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। ऐसे में यदि किसी प्रकार की वित्तीय अनियमितता हुई है तो इसकी निष्पक्ष और व्यापक जांच कराई जानी चाहिए, ताकि तथ्य सामने आ सकें और दोषियों पर कार्रवाई हो सके। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि विपक्षी दलों द्वारा लगातार सवाल उठाने और साक्ष्य प्रस्तुत किए जाने के बाद कुछ लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई। कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट को तत्काल भंग कर उसके सभी पदाधिकारियों एवं ट्रस्टियों की जांच कराई जाए तथा जिन लोगों पर आरोप हैं उनके विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई की जाए।

हूल दिवस को भव्य तरीके से मनाएगी भाजपा

रांची। प्रदेश भाजपा ने 30 जून को अमर शहीद स्थल भोगनाडीह में आयोजित होने वाले 'हूल दिवस' के भव्य आयोजन की योजना बनाई है। इसके सफल आयोजन के लिए प्रदेश अध्यक्ष आदित्य प्रसाद साहू ने 9 सदस्यीय आयोजन समिति का गठन किया है। इस आयोजन समिति में पूर्व विधायक लोबिन हेम्ब्रम, पूर्व सांसद सुनील सोरेन, अमर शहीद के वंशज मंडल मुर्मू, पूर्व प्रदेश मंत्री दुर्गा मरांडी, वरिष्ठ नेता गणेश तिवारी, साहेबगंज जिला अध्यक्ष गौतम यादव, पाकुड़ जिला अध्यक्ष सरिता मुर्मू, महिला मोर्चा की प्रदेश मंत्री अनिता सोरेन एवं अनु. जनजाति मोर्चा की प्रदेश मंत्री अनिता मुर्मू को शामिल किया गया है। इस संबंध में प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी ने बताया कि झारखंड के लिए इस तिथि का ऐतिहासिक महत्व है। संताल परगना और झारखंड की भूमि क्रांतिकारियों की वीर गाथाओं से भरी पड़ी हैं। सन् 1855 में 30 जून के ही दिन झारखंड के जनजातीय समुदाय द्वारा हूल क्रांति के अमर शहीद महानायक सिदो-कान्हो के नेतृत्व में अंग्रेजी सत्ता के खिलाफ विद्रोह का बिगुल फूंका गया था। चांद-भैरव, फूलो-झानो ने भी इस आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाई।

छह लाख की बैंक गारंटी की शर्त हटी, सड़क हादसे में जब्त ट्रक छोड़ने का आदेश

रांची। न्यायायुक्त अनिल कुमार मिश्रा की अदालत ने सड़क दुर्घटना मामले में जब्त ट्रक को छोड़ने के लिए छह लाख रुपये की बैंक गारंटी जमा करने की शर्त को अवैध ठहराते हुए निचली अदालत के आदेश को निरस्त कर दिया। अदालत ने ट्रक मालिक के पक्ष में आपराधिक पुनरीक्षण याचिका स्वीकार करते हुए वाहन को शर्तों के साथ छोड़ने का आदेश दिया। मामला नामकुम थाना कांड संख्या-274/2023 से जुड़ा है। ट्रक को सड़क दुर्घटना के मामले में जब्त किया गया था। मामले में चालक के खिलाफ मुकदमा चलाया गया था। हालांकि, ट्रायल पूरा होने के बाद चालक को छह मई 2026 को बरी कर दिया गया। याचिकाकर्ता सतीश महतो ने अदालत को बताया कि वह जब्त ट्रक का वास्तविक मालिक है और वाहन से संबंधित सभी दस्तावेज उसके पास है। निचली अदालत ने 21 दिसंबर 2023 को वाहन छोड़ने का आदेश तो दिया था, लेकिन इसके लिए छह लाख रुपये की बैंक गारंटी जमा करने की शर्त लगा दी थी, जिसका पालन करना उसके लिए संभव नहीं था।

ट्रक की चपेट में आकर बाइक सवार की मौत

रांची। रातू थाना क्षेत्र के रिंग रोड हाजी चौक के पास शुक्रवार दोपहर करीब तीन बजे सड़क हादसे में एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान महादेव नगर, सरना टोली कोकर निवासी 30 वर्षीय आलोक कुमार, पिता दीनानाथ प्रसाद के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आलोक बाइक से हाजी चौक होते हुए तिलता की ओर जा रहा था। इसी दौरान उसी दिशा में जा रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन समेत फरार हो गया। सूचना मिलने पर पहुंची रातू पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और फरार ट्रक की तलाश कर रही है।

नाबालिग से यौन उत्पीड़न के आरोपी गजेंद्र राय को जमानत नहीं

रांची। पोक्सो की विशेष अदालत ने नाबालिग से यौन उत्पीड़न के आरोपी गजेंद्र राय की जमानत याचिका खारिज कर दी है। वह उक्त आरोप में 23 मई से न्यायिक हिरासत में है। घटना को लेकर पीड़िता ने जगन्नाथपुर थाना में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है। अभियोजन पक्ष ने जमानत का विरोध करते हुए कहा कि आरोपी पर घर में घुसकर नाबालिग के साथ यौन उत्पीड़न करने का आरोप है। अभियोजन ने अदालत को बताया कि पीड़िता ने बीएनएसएस की धारा 183 के तहत दर्ज अपने बयान में घटना का समर्थन किया है।

सुशील पाहन के आकस्मिक निधन पर शोक

रांची। मुंडा सभा ने सुशील कुमार पाहन के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक प्रकट किया है। शुक्रवार को डिबडीह स्थित केंद्रीय कार्यालय में शोकसभा का आयोजन किया गया। सदस्यों ने दिवंगत पाहन को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। मौके पर सुभाष कोनगाड़ी, बिलकन डांग, प्रभु सहाय सांगा, डॉ रोयल डांग, सोसन समद, पौलुस बुड़, तुरन लुगून सहित कई लोग उपस्थित थे।

इमा कराटे खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन, 5 स्वर्ण सहित 8 पदक जीते

नवीन मेल संवाददाता

रांची। बिशप वेस्टकॉट गर्ल्स स्कूल, डोरंडा की मेजबानी में आयोजित सीआईएससीई जोनल कराटे प्रतियोगिता में इंटरनेशनल मार्शल आर्ट अकादमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पाँच स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य सहित कुल आठ पदक अपने नाम किए। अकादमी के खिलाड़ियों ने विभिन्न विद्यालयों का प्रतिनिधित्व करते हुए उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया। लोरेटो कॉन्वेंट स्कूल की ओर से खेलते हुए मारिया लवलीन खेस, बृष्टि मोनिका केरकेट्टा, शाइनी शिमोना टोप्पो ने स्वर्ण पदक जीते, जबकि सुनिधि एक्का ने रजत पदक पर कब्जा जमाया। बिशप वेस्टकॉट गर्ल्स स्कूल, नामकुम की खिलाड़ी मिस्टी कुमारी ने भी अपनी स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किया। बिशप स्कूल, बहू बाजार की ओर से खेल रहे प्रीत सोनी ने स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया, जबकि हुज़ैफ़ा ने कांस्य पदक अपने नाम किया। वहीं बिशप वेस्टकॉट बॉयज स्कूल, नामकुम के आदित राज ने रजत पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में सफलता हासिल करने वाले सभी खिलाड़ियों को इंटरनेशनल मार्शल आर्ट अकादमी के तकनीकी निदेशक रेंशी सुनील किस्पोट्टा और अध्यक्ष सेंसई अनिल किस्पोट्टा ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

रेंशी सुनील किस्पोट्टा ने कहा कि खिलाड़ी पिछले दो माह से लगातार प्रशिक्षण केंद्र में कठिन अभ्यास कर रहे थे। उनकी मेहनत का ही परिणाम है कि सभी खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पदक हासिल किए। वहीं अध्यक्ष अनिल किस्पोट्टा ने कहा कि खिलाड़ियों को आगामी क्षेत्रीय कराटे प्रतियोगिता के लिए और बेहतर तैयारी कराई जाएगी, ताकि बिहार की राजधानी पटना में होने वाली प्रतियोगिता में भी वे उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अधिक से अधिक पदक जीत सकें।

ओलंपिक दिवस पर पर्यावरण संरक्षण अभियान लाइट हाउस रिसॉर्ट परिसर में लगाए गए फलदार पौधे

नवीन मेल संवाददाता

धनबाद। ओलंपिक दिवस के अवसर पर धनबाद जिला ओलंपिक संघ की ओर से चलाए जा रहे साप्ताहिक वृक्षारोपण अभियान के चौथे दिन शुक्रवार को बलियापुर हीरक रोड स्थित कोलाकुसमा के लाइट हाउस विश्रामगृह परिसर में दर्जन भर फलदार पौधे लगाए गए। अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना और अधिक से अधिक पौधरोपण को प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर जिला ओलंपिक संघ के महासचिव रंजीत केशरी, वरीय उपाध्यक्ष ज़ुबैर आलम और रेज़ा इश्त्याक, कोषाध्यक्ष पवन कुमार बरनवाल, संयुक्त सचिव प्रियरंजन कुमार तथा धनबाद जिला योगासन खेल संघ के अध्यक्ष कैप्टन प्रदीप मोहन सहाय ने परिसर के विभिन्न स्थानों पर पौधे रोपे।

सभी ने पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल देते हुए लोगों से अधिकाधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील की। संघ की ओर से बताया गया कि पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण अभियान के तहत शनिवार को पांचवें दिन राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर तथा आमाघाटा स्थित मोंटफोर्ट अकादमी परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान के माध्यम से विद्यालयों और सामाजिक संस्थाओं को भी पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

जैवलिन थ्रो छोड़ रग्बी में चमकीं अमनदीप कौर, बनीं बेस्ट प्लेयर

लक्ष्य भारत के लिए गोल्ड जीतकर लाना

जैवलिन से रग्बी तक का सफर : *पंजाब की 24 वर्षीय अमनदीप कौर ने जैवलिन थ्रो छोड़कर रग्बी में पहचान बनाई और रग्बी प्रीमियर लीग 2026 में 'इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन' का पुरस्कार जीता।*

एजेंसी । हैदराबाद

पंजाब की 24 वर्षीय अमनदीप कौर कभी जैवलिन थ्रो में करियर बनाने के लिए मेहनत करती थीं, लेकिन इस खिलाड़ी ने हाल ही में आयोजित रग्बी प्रीमियर लीग 2026 में 'इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन' का खिताब जीत लिया है। हालांकि, ऐसा करना आसान नहीं था। अप्रैल में इस लीग के पहले सीजन की नीलामी के दिन अमनदीप को सुबह 9 बजे से रात 8 बजे जब किसी टीम ने नहीं चुना, तो वह काफी निराश हो गईं। लेकिन तभी रात करीब 8 बजे उनकी एक दोस्त ने इंस्टाग्राम पर देखकर खुशखबरी दी कि उन्हें 'चेन्नई बुल्स' ने खरीद लिया है। 1.6 लाख रुपए की बोली के साथ वह नीलामी में संयुक्त रूप से तीसरी सबसे महंगी खिलाड़ी बनीं। उनका यह चयन सही साबित हुआ, क्योंकि उनके शानदार खेल की बदौलत चेन्नई बुल्स लीग चरण में शीर्ष पर रही और टूर्नामेंट की उपविजेता बनी।

अमनदीप का रग्बी तक पहुंचने का सफर भी आसान नहीं था। पंजाब के फतेहगढ़ साहिब की श्री गुरु ग्रंथ साहिब वर्ल्ड यूनिवर्सिटी से फिजिकल एजुकेशन में ग्रेजुएशन करने वाली अमनदीप शुरुआत में एक जैवलिन थ्रोअर थीं। लेकिन आर्थिक चुनौतियों और अपने कोच के सेंटर बदल जाने के कारण उन्हें ट्रेनिंग में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इसी दौरान न्यूजीलैंड की स्टार प्लेयर पोर्टिया वुडमैन की ताकत और खेल में दिखने वाली आक्रामकता ने उन्हें रग्बी की ओर खींचा। अमनदीप ने रग्बी के मैदान को अपना गुस्सा और ऊर्जा निकालने का जरिया माना। हालांकि, परिवार को समझाना मुश्किल था। उनके भाई, जो खुद एक पहलवान हैं, चाहते थे कि अमनदीप किसी टीम गेम की बजाय व्यक्तिगत खेल पर ध्यान दें। रग्बी खेलते हुए अमनदीप को काफी चोटें आईं। कभी सिर में टांके लगे तो कभी हाथ में फ्रैक्चर हुआ। उन्होंने अपनी चोटें और सर्जरी की बात परिवार से छिपाई, क्योंकि उन्हें डर था कि घरवाले खेलने से रोक देंगे। लेकिन अब परिवार का नजरिया पूरी तरह से बदल चुका है। अमनदीप के हौसले भी बुलंद हैं और उनका अगला लक्ष्य अब आगामी एशियन गेम्स में भारत को मेडल जिताना है।

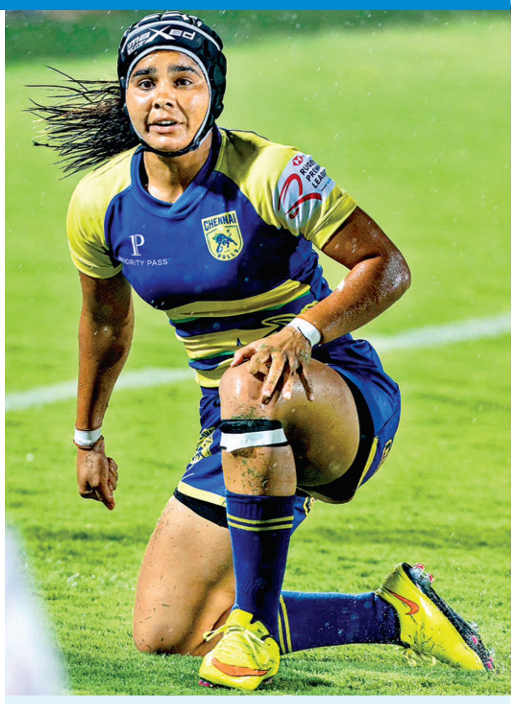

जिनके वीडियो देखकर खेल सीखा, उन्हीं की कप्तानी में खेलीं

2025 में अमनदीप को पहली बार भारतीय टीम के नेशनल कैंप में बुलाया गया। जब चीन और श्रीलंका दौरे के लिए अंतिम 14 खिलाड़ियों का चयन होना था, तो मीटिंग में सबसे पहला नाम अमनदीप का ही पुकारा गया। चीन में एशियन रग्बी सेवन सीरीज में उन्होंने पहली बार भारत की जर्सी पहनी। इस दौरान उन्हें अपनी आदर्श और भारतीय कप्तान शिखा यादव के साथ खेलने का मौका भी मिला, जिनके वीडियो देखकर वह खेल सीखा करती थीं।

फीफा विश्व कप

पैराग्वे से गोलरहित ड्रॉ खेलकर ऑस्ट्रेलिया ने अंतिम 32 में बनाई जगह

एजेंसी । सैन फ्रांसिस्को

फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप डी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को पैराग्वे के खिलाफ 0-0 से ड्रॉ खेलकर अंतिम 32 में अपनी जगह पक्की कर ली। इस परिणाम के साथ ऑस्ट्रेलिया ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहा, जबकि पैराग्वे को अब अगले दौर में पहुंचने के लिए अन्य मुकाबलों के नतीजों का इंतजार करना होगा। सैन फ्रांसिस्को बे एरिया स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में शुरुआत से ही ऑस्ट्रेलिया ने आक्रामक खेल दिखाया। कोच टोनी पोपोविच ने शुरुआती एकादश में छह बदलाव किए और नेस्टोरी इरानकुंडा तथा क्रिस्टियन वोल्पाटो को मौका दिया। मैच के शुरुआती मिनटों में जैक्सन इरविन के पास गोल करने का अच्छा अवसर था, लेकिन पैराग्वे के गोलकीपर ऑरलैंडो गिल ने शानदार बचाव किया। इसके बाद भी जॉर्डन बॉस और वोल्पाटो ने कई हमले किए, लेकिन ऑस्ट्रेलियाई टीम गोल नहीं कर सकी। दूसरे हाफ में पैराग्वे ने वापसी की कोशिश की। कोच गुस्तावो अल्फारो ने मौरिसियो को मैदान पर उतारा, जबकि जूलियो एनसिसो ने लगातार ऑस्ट्रेलियाई रक्षा पंक्ति पर दबाव बनाया। हालांकि 82वें मिनट में एनसिसो का शॉट गोलपोस्ट के बाहर चला गया। मैच के अंतिम मिनटों में दोनों टीमों ने जीत के लिए प्रयास किए।

मिशन 2028 के लिए अशोक डिंडा बने बंगाल टीम के मुख्य तेज गेंदबाजी कोच

नवीन मेल संवाददाता

कोलकाता। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएबी) ने मिशन 2028 के तहत पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज और पश्चिम बंगाल सरकार में कृषि विपणन तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम एवं वस्त्र विभाग के राज्य मंत्री अशोक डिंडा को बंगाल टीम का मुख्य तेज गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। इस संबंध में जानकारी स्वयं अशोक डिंडा ने अपने सामाजिक माध्यमों पर साझा की। उन्होंने इस नई जिम्मेदारी के लिए क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि युवा तेज गेंदबाजों को तैयार करने और बंगाल क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए वह पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल की ओर से शुरू किए गए मिशन 2028 का उद्देश्य राज्य में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण देकर भविष्य के लिए मजबूत टीम तैयार करना है। अशोक डिंडा की नियुक्ति को इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। क्रिकेट जगत में लंबे अनुभव के आधार पर उनसे बंगाल के तेज गेंदबाजों को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत ने 7 गोल्ड के साथ जीते 24 मेडल

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत ने आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 24 मेडल अपने नाम किए। जर्मनी के सुहल में आयोजित इस प्रतियोगिता में भारत ने 7 गोल्ड, 8 सिल्वर और 9 ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किए। भारत के अभियान की शुरुआत जबरदस्त रही। सेजल कांबले ने 10 मीटर एयर पिस्टल विमेंस जूनियर इवेंट में व्यक्तिगत गोल्ड मेडल जीता, जबकि हिमांशी ने ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा जमाया। इसके बाद सेजल कांबले, वंशिका चौधरी और नव्या बिश्नोई की तिकड़ी ने इसी इवेंट के टीम मुकाबले में गोल्ड मेडल जीतकर चैंपियनशिप में भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई। समीर ने 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल पुरुष जूनियर इवेंट में गोल्ड मेडल जीता, जबकि रोहित कन्यान 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन पुरुष जूनियर प्रतियोगिता में विजेता बने। प्राची गायकवाड़ ने 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन महिला जूनियर इवेंट में सिल्वर मेडल जीता। इनके अलावा, भारत ने लगातार अच्छा टीम प्रदर्शन करते हुए 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन पुरुष जूनियर टीम और 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल पुरुष जूनियर टीम इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किए।

अन्वी राठौड़ ने 10 मीटर एयर राइफल महिला जूनियर इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल पर निशाना साधा, जिसके बाद प्रीतम केंद्र ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 मीटर एयर राइफल पुरुष जूनियर इवेंट में गोल्ड मेडल हासिल किया। भारत ने 25 मीटर पिस्टल महिला जूनियर टीम और 25 मीटर पिस्टल पुरुष जूनियर टीम इवेंट में भी ब्रॉन्ज मेडल जीते और स्टैंडिंग में अपनी टॉप पोजिशन को और मजबूत किया। 10 मीटर एयर पिस्टल पुरुष जूनियर कैटेगरी में, शिवा नरवाल ने सिल्वर और युग प्रताप सिंह राठौड़ ने ब्रॉन्ज मेडल जीतकर शानदार डबल-पोडियम फिनिश हासिल की। इसके बाद नरवाल ने संदीप बिश्नोई और चिराग शर्मा के साथ मिलकर टीम इवेंट में सिल्वर मेडल जीता, जिसके बाद वंशिका चौधरी के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में एक और सिल्वर मेडल हासिल किया।

भारत बनाम आयरलैंड

शिवम दुबे जन्मदिन पर टी20 अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले चौथे भारतीय बने

बेलफास्ट । शिवम दुबे जन्मदिन पर टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में विकेट हासिल करने वाले चौथे भारतीय बन गए हैं। शुक्रवार को अपना 33वां जन्मदिन मना रहे शिवम दुबे ने आयरलैंड के विरुद्ध टी20 सीरीज के पहले मैच में बेंजामिन कैलिट्ज को आउट करने के साथ यह कारनामा किया। मुकाबले के आठवें ओवर में भारत के नव नियुक्त कप्तान श्रेयस अय्यर ने दुबे को गेंद सौंपी और अपनी पहली ही गेंद पर दुबे ने कैलिट्ज को प्रसिद्ध कृष्णा के हाथों कैच आउट कराया। दुबे से पहले भारतीय खिलाड़ियों की इस सूची में युवराज सिंह, रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव ऐसा कर चुके हैं। सिविल सर्विस क्रिकेट क्लब में जारी इस मुकाबले में श्रेयस अय्यर ने कप्तान के तौर पर अपने पहले ही मैच में टॉस जीता।

व्यापार/लाइफ व साइंस

एआई, क्वांटम, परमाणु और अंतरिक्ष तकनीक भारत को बनाएंगी वैश्विक महाशक्ति : डॉ जितेंद्र सिंह

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत तेजी से अत्याधुनिक तकनीकों के क्षेत्र में एक बड़ी ताकत बनकर उभर रहा है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), परमाणु, अंतरिक्ष और क्वांटम तकनीक आने वाले समय की आर्थिक प्रगति और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की दिशा तय करेंगी। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एक मीडिया सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 में शुरू किए गए राष्ट्रीय क्वांटम मिशन (एनक्यूएम) ने केवल तीन वर्षों में अपने तय लक्ष्यों में से आधे से अधिक हासिल कर लिए हैं। क्वांटम आधारित सुरक्षित संचार (क्वांटम सिक्योर कम्युनिकेशन) के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है, जिसका उपयोग रक्षा, रणनीतिक संचार, साइबर सुरक्षा और संवेदनशील सूचनाओं की सुरक्षा में किया जा सकता है। उन्होंने कहा, "भारत आज उस मुकाम पर पहुंच चुका है, जहां वह कई महत्वपूर्ण तकनीकी क्षेत्रों में दुनिया के अग्रणी देशों के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहा है। साथ ही ऐसी क्षमताएं विकसित कर रहा है, जो आने वाले समय में आर्थिक विकास, राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की दिशा तय करेंगी। डॉ. सिंह ने कहा कि अंतरिक्ष, परमाणु और क्वांटम तकनीक भविष्य की विश्व व्यवस्था को आकार देने में निर्णायक भूमिका निभाएंगी। ये तकनीकें केवल आर्थिक विकास ही नहीं, बल्कि रणनीतिक ताकत और भू-राजनीतिक स्थिति को भी प्रभावित करेंगी। उन्होंने कहा कि जो देश इन तकनीकों में पीछे रह जाएंगे, वे विकास और सुरक्षा दोनों मामलों में पिछड़ने का जोखिम उठाएंगे।आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर बोलते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि एआई अब हर क्षेत्र के लिए एक जरूरी उपकरण बनता जा रहा है।

आने वाले समय में इसका प्रभाव शासन, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य, अनुसंधान और सार्वजनिक सेवाओं पर और अधिक बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि भारत डिजिटल बुनियादी ढांचे, कंप्यूटिंग क्षमता, डेटा संसाधनों और भरोसेमंद ऊर्जा प्रणालियों में निवेश करके इस पूरे तकनीकी इकोसिस्टम को लगातार मजबूत कर रहा है। डॉ. सिंह ने कहा कि आधुनिक दुनिया में तकनीकी प्रगति ही विकास की सबसे बड़ी ताकत बन चुकी है और कोई भी देश नवाचार तथा अत्याधुनिक तकनीकों को अपनाए बिना लंबे समय तक विकास नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि भारत लोकतांत्रिक मूल्यों, समावेशी विकास और सामाजिक कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखते हुए इस तकनीकी परिवर्तन को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि उन्नत कंप्यूटिंग, डेटा सेंटर और डिजिटल सेवाओं की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए मजबूत और भरोसेमंद ऊर्जा स्त्रोतों की आवश्यकता होगी।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

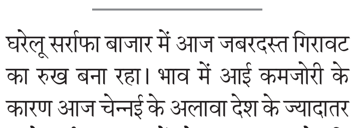

एजेंसी । नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज जबरदस्त गिरावट का रुख बना रहा। भाव में आई कमजोरी के कारण आज चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर दूसरे सर्राफा बाजार में सोना 2,750 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 2,100 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,290 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की बड़ी गिरावट आई है। चांदी भी आज के कारोबार में 10 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक लुढ़क गई।

सोने की कीमत में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,41,320 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार करता रहा। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,29,540 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,31,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिका। चांदी के भाव में भी गिरावट होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,34,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिकी। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,41,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,29,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,41,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,29,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

भारत ने आइसलैंड में लगाई आम की प्रदर्शनी

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत ने आइसलैंड में अपने प्रीमियम आमों के निर्यात को बढ़ाने के लिए पहली बार भारतीय आमों की विभिन्न किस्मों की प्रदर्शनी आयोजित है जिसमें दोनों देशों के बीच कृषि व्यापार को मजबूत करने के मौकों पर जोर दिया गया है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी एक बयान में बताया कि ये कार्यक्रम आइसलैंड की राजधानी रेक्याविक स्थित भारतीय दूतावास ने कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के सहयोग से 24 जून को रेक्याविक तथा 25 जून को उत्तरी आइसलैंड के अक्यूरेरी में पहली बार भारतीय आम के प्रोत्साहन का कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें दशहरी, चौसा, लंगड़ा और केसर किस्म के भारतीय आमों की समृद्ध विविधता और उनके निर्यात की अपार संभावनाओं को प्रदर्शित किया गया।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार करीब 1 अरब डॉलर बढ़कर 672.5 अरब डॉलर पहुंचा, गोल्ड रिजर्व में जोरदार बढ़ोतरी

एजेंसी । मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 19 जून को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार (फॉरेक्स रिजर्व) 96.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 672.587 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जिससे पिछले सप्ताह दर्ज की गई गिरावट की भरपाई हो गई है। समीक्षा अवधि के दौरान भारत के स्वर्ण भंडार (गोल्ड रिजर्व) का मूल्य 4.11 अरब डॉलर बढ़कर 107.930 अरब डॉलर हो गया। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत की स्पेशल ड्रॉइंग राइट्स (एसडीआर) होल्डिंग 5.2 करोड़ डॉलर घटकर 18.647 अरब डॉलर रह गई।

इससे पहले रिपोर्टिंग सप्ताह में देश के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट दर्ज की गई थी। हालिया उतार-चढ़ाव के बावजूद भारत का विदेशी मुद्रा भंडार दुनिया के सबसे बड़े भंडारों में शामिल है। हालांकि, यह अभी भी 27 फरवरी को समाप्त सप्ताह में दर्ज किए गए 728.494 अरब डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर से नीचे है।

केंद्र की 'ईजी कनेक्ट' सेवा शुरू, छोटे शहरों से अंतरराष्ट्रीय सफर को मिली नई रफ्तार

एजेंसी । नई दिल्ली

नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने शुक्रवार को वाराणसी से भारत की पहली 'ईज़ी कनेक्ट' उड़ान की शुरुआत की। इसके साथ ही सरकार के नए हब-एंड-स्पोक विमानन मॉडल को लागू किया गया है, जिसका उद्देश्य टियर-2 और टियर-3 शहरों के यात्रियों को बिना परेशानी के अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराना है। सरकार का मानना है कि यह पहल भारत को वैश्विक विमानन केंद्र बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगी। साथ ही, छोटे शहरों से विदेश जाने वाले यात्रियों के लिए यात्रा पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान और सुविधाजनक हो जाएगी। इस सेवा की शुरुआत वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से की गई। यह सरकार के उस प्रयास का महत्वपूर्ण पड़ाव है, जिसके तहत टियर-2 और टियर-3 शहरों में रहने वाले लोगों के लिए हवाई यात्रा को अधिक सुलभ बनाया जा रहा है।